लेखाशास्त्र

अध्याय-7: ह्रास; प्रावधान और संचय

SHIVOM CLASSES 8696608541

ह्रास का अर्थ

ह्रास का वर्णन हम स्थायी परिसम्पत्ति के मूल्य में स्थायी, सतत् एवं धीरे-धीरे हो रही घटोत्तरी के रूप में कर सकते हैं।यह व्यवसाय में परिसम्पत्ति की लागत के क्षीण होने पर, न कि बाज़ार मूल्य पर आधारित है।

इंस्टीट्यूट अफ कास्ट एण्ड मैनेजमेंट एकाऊंटिंग, लंदन (ICMA) के अनुसार ''ह्रास पर परिसम्पत्ति के वास्तविक मूल्य में इसके उपयोग एवं/अथवा समय बीतने के कारण आई घटोत्तरी को कहते हैं।''

इंस्टीट्यूट अफ चार्टर्ड एकाउंटेंट्स अफ इंडिया (ICAI) द्वारा जारी लेखांकन मानक-6 ने ह्रास की परिभाषा इस प्रकार दी है ''यह, अवक्षयण योग्य परिसम्पत्ति में घिसावट, उपभोग अथवा कीमत में कोई अन्य कमी जो उपयोग, समय के व्यतीत होने अथवा तकनीक एवं बाज़ार में परिवर्तन के कारण अप्रचलित होने से हुई है का मापन है।ह्रास का निर्धारण परिसम्पत्ति के सम्भावित उपयोगी जीवन काल में प्रति लेखांकन अवधि में ह्रास की राशि के संतोषजनक भाग को व्यय दर्शाने के लिए किया जाता है।ह्रास में उन सभी परिसम्पत्तियों का अपलेखन सम्मिलित होता है जिनकी जीवन अवधि पूर्व निर्धारित है''।

ह्रास उद्यम की वित्तीय स्थिति एवं परिचालन के परिणामों के निर्धारण एवं प्रस्तुतिकरण को प्रभावित करता है।यह प्रति लेखा वर्ष अवक्षयण योग्य राशि पर लगाया जाता है।ध्यान देने योग्य है कि ह्रास का विषय अथवा इसका आधार परिसम्पत्ति होती है:

- ''जिनकी एक लेखा वर्ष से अधिक समय तक उपयोग की सम्भावना है;
- जिनका सीमित उपयोगी जीवन है;
- जिन्हें कोई भी उद्यम उत्पादन में उपयोग या वस्तु एवं सेवाओं की आपूर्ति, दूसरों को किराए पर देने या प्रशासनिक कार्यों के उपयोग के लिए रखता है न कि व्यवसाय में सामान्य रूप से बिक्री के उद्देश्य से।''

ह्रास योग्य परिसम्पत्तियों के उदाहरण हैं - मशीन, संयंत्र, फर्नीचर, भवन, कंप्यूटर, ट्रक, वैन, उपकरण इत्यादि।इसके अतिरिक्त ह्रास एक निर्धारित अवक्षयित राशि है, जो या तो ऐतिहासिक

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

लागत अथवा एतिहासिक लागत की वह पूरक राशि, घटाए गए अनुमानित अवशिष्ट मूल्य सहित हो सकती है।

ह्रास राशि के निर्धारण में एक और ध्यान योग्य बिन्दु है 'परिसम्पत्ति का अनुमानित जीवन काल'।इसे निम्न दो बिन्दुओं की सहायता से समझाया जा सकता है (i) उद्यम द्वारा आंका गया अवक्षयण योग्य परिसंपत्ति का जीवनकाल, (ii) अन्य उद्यम द्वारा समान परिसंपत्ति से उत्पादन की मात्रा।

ह्रास की विशेषताएँ

1. यह स्थायी परिसम्पत्तियों के पुस्तक-मूल्य का अवक्षयण है।
2. इसमें समय के बीतने, उपयोग करने अथवा प्रचलन से बाहर होने से मूल्य में हानि, सम्मिलित है।उदाहरण के लिए अप्रैल, 2017 को एक फर्म 1,00,000 रु. की एक मशीन खरीदती है।वर्ष 2018 में यही मशीन एक नये रूप में आती है परिणामस्वरूप व्यावसायिक फर्म द्वारा क्रय की गई मशीन पुरानी हो जायेगी।इसके कारण पुरानी मशीन की कीमत में कमी अप्रचलन के कारण होगी।
3. यह एक निरंतर चलने वाली प्रक्रिया है।
4. यह बीती हुई लागत है इसलिए कर योग्य लाभ की गणना से पूर्व इसे घटाना आवश्यक है।

उदाहरण के लिए, ह्रास एवं कर से पूर्व लाभ की राशि 50,000 रु. है।ह्रास 10,000 रु. एवं कर 35% की दर से लगाया गया है।कर से पूर्व के लाभ की गणना इस प्रकार से होगी:

	(रु.)
ह्रास एवं कर से पूर्व लाभ	50,000
(-)ह्रास राशि कर पूर्व लाभ	(10,000)
कर से पूर्व लाभ	40,000

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

5. यह गैर रोकड़ व्यय है।इससे किसी प्रकार की रोकड़ का प्रवाह नहीं होता है।यह पहले से किये गये पूँजीगत व्यय को समाप्त करने की प्रक्रिया है।

ह्रास एवं इससे मेल खाते शब्द

कुछ एसे शब्द भी होते हैं जैसे रिक्तीकरण एवं परिशोधन जो ह्रास के सम्बन्ध में प्रयुक्त होते हैं।इसका कारण इनका समान लेखांकन व्यवहार है, चूंकि ये शब्द विभिन्न परिसंपत्तियों की उपयोगिता समाप्ति का प्रतिनिधित्व करते हैं।

रिक्तीकरण

रिक्तीकरण शब्द का प्रयोग प्राकृतिक साधनों को खोदकर निकालने के संदर्भ में किया जाता है जैसे खानें, खदानें इत्यादि।इससे माल अथवा परिसम्पत्ति की मात्रा की उपलब्धता घट जाती है।उदाहरण के लिए एक व्यवसायिक इकाई ने जो कि खनन का व्यापार करती है, 10,00,000 रु. की कोयले की खान खरीदी।जैसे-जैसे इस खान में से कोयला निकाला जाता रहेगा इसकी कीमत कम होती जायेगी।खान की कीमत में घटोत्तरी को रिक्तीकरण कहते हैं।रिक्तीकरण एवं मूल्य में मूल अन्तर यह है कि पहले में कुछ आर्थिक संसाधनों का उपयोग किया जाता है जबकि दूसरे का सम्बन्ध किसी परिसम्पत्ति के प्रयोग से है।इसके बावजूद भी इसका परिणाम प्राकृतिक संसाधनों की मात्रा का नष्ट होना व सेवा क्षमता क्षीण होना है।इसी कारणवश रिक्तीकरण एवं मूल्य का लेखांकन व्यवहार एक समान होता है।

परिशोधन

परिशोधन से अभिप्राय पेटेन्ट, कापीराइट, ट्रेडमार्क, फ्रैंचाइज, ख्याति, जिनका एक निश्चित अवधि के लिये ही उपयोग किया जाता है, मूल्य को पुस्तकों में व्यय दिखा कर समाप्त करने से है।अमूर्त परिसम्पत्ति की लागत एक भाग का अपलेखन या एक अवधि में उसको समाप्त दिखाने के लिये प्रक्रिया एक ही है।उदाहरण के लिए एक फर्म ने 10,00,000 रु. में पेटेन्ट खरीदा और यदि इसका उपयोगी जीवनकाल 10 वर्ष आंका गया है तो फर्म के लिए इस 10,00,000 रु. की राशि को 10 वर्षों में व्यय दिखाकार समाप्त करना होगा।व्यय दिखाई गई राशि तकनीकी रूप से परिशोधन कहलाती है।

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

ह्रास के कारण

क्षय एवं घिसावट अथवा समय की समाप्ति के कारण मूल्य में कमी

क्षय एवं घिसावट का अर्थ है क्षमता में कमी एवं परिणामस्वरूप परिसम्पत्ति के मूल्य में गिरावट, जो इसके आय अर्जन के लिए व्यवसाय प्रचालन में उपयोग के कारण होती है।इससे परिसम्पत्ति की अपने उद्देश्य को पूरा करने की तकनीकी क्षमता कम हो जाती है।क्षय एवं घिसावट का दूसरा पहलू परिसंपत्ति का भौतिक रूप से नष्ट होना है।कुछ परिसम्पत्तियाँ मात्र समय के व्यतीत होने के साथ नष्ट होती रहती हैं जबकि उनका कोई उपयोग नहीं किया जाता है।ऐसा विशेष रूप से मौसम, हवा, बारिश आदि प्रकृति की आपदाओं के प्रभाव से होता है।

कानूनी अधिकार की समाप्ति

व्यवसाय के लिए कुछ परिसम्पत्तियों का मूल्य उनको उपयोग करने का करार, पूर्व निश्चित समय की समाप्ति पर खत्म हो जाता है।ऐसी परिसम्पत्तियों के उदाहरण हैं - पेटेन्ट्स, कॉपीराइट, पट्टा आदि।व्यवसाय के लिए इनकी उपयोगिता उनको प्राप्त कानूनी समर्थन के हटते ही समाप्त हो जाती है।

अप्रचलन

स्थायी परिसम्पत्तियों के ह्रास का एक और तत्व अप्रचलन है।साधारण शब्दों में अप्रचलन का अर्थ है समयानुकूल न होना।अप्रचलन से अभिप्राय है किसी परिसम्पत्ति का पुराना हो जाना क्योंकि अब उससे और श्रेष्ठ परिसम्पत्ति उपलब्ध है।यह निम्न तत्वों के कारण पैदा होती है:

- तकनीकी परिवर्तन।
- उत्पादन पद्धतियों में सुधार।
- इन परिसम्पत्तियों के कारण उत्पादित वस्तु एवं सेवाओं की बाज़ार मांग में परिवर्तन।
- वैधानिक अथवा अन्य कोई एसा कारण।

असमान्य तत्व

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

किसी भी परिसम्पत्ति की उपयोगिता में कमी कुछ असामान्य कारकों से भी हो सकती है - जैसे आग से दुर्घटना, भूचाल, बाढ़ आदि।दुर्घटनाजन्य हानि स्थायी होती है लेकिन लगातार या क्रमिक नहीं होती।उदाहरण के लिए एक दुर्घटनाग्रस्त कार का मरम्मत के पश्चात भी बाज़ार में पहला मूल्य नहीं रहेगा यद्यपि इसको उपयोग में नहीं लाया गया है।

ह्रास की आवश्यकता

आगम एवं लागत का मिलान

स्थायी परिसम्पत्तियों को व्यवसाय के परिचालन में उपयोग का औचित्य यही है कि इनसे आगम का अर्जन होता है।हर परिसम्पत्ति कुछ न कुछ घिसती है इसलिए इसका मूल्य कम हो जाता है।इसीलिए ह्रास भी व्यवसाय के किसी भी अन्य दूसरे सामान्य व्यय जैसे वेतन, भाड़ा, पोस्टेज एवं स्टेशनरी आदि के समान व्यय है।यह समान अवधि के आगम पर प्रभार होता है इसीलिए इन्हें साधारण रूप से समान्यतः मान्य लेखांकन सिद्धांतों (GAAP) का अनुकरण करते हुए निवल लाभ निर्धारण से पूर्व घटाना अनिवार्य होता है।

कर के लिए महत्त्व

ह्रास करों के कारण भी घटाने के योग्य व्यय है।वैसे ह्रास की राशि के निर्धारण के लिए कर संबंधी नियम व्यवसाय में वर्तमान में प्रचलित नियमों के समान होने आवश्यक नहीं हैं।

सत्य एवं उचित वित्तीय स्थिति

यदि परिसम्पत्ति पर ह्रास के लिए प्रावधान नहीं किया गया है तो इसका अधि-मूल्यांकन होगा और तुलन-पत्र व्यवसाय की सही वित्तीय स्थिति नही दर्शाएगा।वैसे न तो स्थापित लेखांकन व्यवहारों और न ही कानून के विशिष्ट प्रावधान इसकी अनुमती देते हैं।

कानून का अनुपालन

कर नियमों के अतिरिक्त कुछ निश्चित अधिनियम हैं जो परोक्ष रूप से कुछ व्यावसयिक संगठनों जैसे निगमित उद्यम को स्थाई परिसम्पत्ति पर मूल्य ह्रास के प्रावधान के लिए बाध्य करते हैं।

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

ह्रास की राशि को प्रभावित करने वाले तत्व

परिसम्पत्ति की लागत

किसी परिसम्पत्ति की लागत (जिसे मूल लागत अथवा ऐतिहासिक लागत भी कहते हैं) में बीजक मूल्य एवं परिसम्पत्ति को क्रियात्मक स्थिति में लाने अथवा उपयोग के योग्य बनाने के लिए किये गये आवश्यक व्यय सम्मिलित हैं।क्रय मूल्य के अतिरिक्त इसमें भाड़ा एवं परिवहन लागत मार्ग के लिए बीमा, स्थापन लागत, पंजीयन व्यय परिसम्पत्ति के क्रय पर दिया कमीशन एवं मिलानेवाली मदें जैसे सॉफ्टवेयर आदि सम्मिलित होते हैं।यदि पुरानी परिसम्पत्ति क्रय की है तो इसमें परिसम्पत्ति को कार्य के योग्य बनाने के लिए किया गया प्रारंभिक मरम्मत व्यय सम्मिलित होता है।

लेखांकन मानक – 6 के अनुसार स्थाई परिसम्पत्ति की लागत इसकी अधिग्रहण, स्थापना, चालू करने एवं इसके साथ अतिरिक्त चीजें, अथवा अवक्षयित परिसम्पत्ति में सुधार पर किया गया कुल व्यय है।उदाहरण के लिए एक मशीन 50,000 रु. में खरीदी एवं 5,000 रु. इसके परिवहन एवं स्थापना पर व्यय किये।यहां मशीन का भौतिक मूल्य 55,000 रु. (अर्थात् 50,000 + 5,000 रु.) जिसे मशीन के उपयोगी जीवन काल में ह्रास व्यय के रूप में समाप्त करना है।

परिसम्पत्ति की लागत

किसी परिसम्पत्ति की लागत (जिसे मूल लागत अथवा ऐतिहासिक लागत भी कहते हैं) में बीजक मूल्य एवं परिसम्पत्ति को क्रियात्मक स्थिति में लाने अथवा उपयोग के योग्य बनाने के लिए किये गये आवश्यक व्यय सम्मिलित हैं।क्रय मूल्य के अतिरिक्त इसमें भाड़ा एवं परिवहन लागत मार्ग के लिए बीमा, स्थापन लागत, पंजीयन व्यय परिसम्पत्ति के क्रय पर दिया कमीशन एवं मिलानेवाली मदें जैसे सॉफ्टवेयर आदि सम्मिलित होते हैं।यदि पुरानी परिसम्पत्ति क्रय की है तो इसमें परिसम्पत्ति को कार्य के योग्य बनाने के लिए किया गया प्रारंभिक मरम्मत व्यय सम्मिलित होता है।

लेखांकन मानक – 6 के अनुसार स्थाई परिसम्पत्ति की लागत इसकी अधिग्रहण, स्थापना, चालू करने एवं इसके साथ अतिरिक्त चीजें, अथवा अवक्षयित परिसम्पत्ति में सुधार पर किया गया कुल व्यय है।उदाहरण के लिए एक मशीन 50,000 रु. में खरीदी एवं 5,000 रु. इसके परिवहन एवं

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

स्थापना पर व्यय किये।यहां मशीन का भौतिक मूल्य 55,000 रु. (अर्थात् 50,000 + 5,000 रु.) जिसे मशीन के उपयोगी जीवन काल में ह्रास व्यय के रूप में समाप्त करना है।

ह्रास मान मूल्य

किसी परिसम्पत्ति का ह्रास मान मूल्य इसकी लागत (जैसा बिन्दु 7.5.1 में गणना की गई है) घटा शुद्ध अवशिष्ट मूल्य (जैसे बिन्दु 7.5.2 में गणना की गई है) के बराबर होता है।अतः उपरोक्त उदाहरण में परिसंपत्ति का अवक्षयण मूल्य 45,000 रु. होगा (अर्थात् 50,000 रु. - 5,000 रु.) जिसे उसके अनुमानित जीवनकाल में बाँट दिया जाएगा।यहाँ यह बताना आवश्यक है कि परिसंपत्ति के उपयोगी जीवनकाल पर प्रभारित कुल अवक्षयित राशि ह्रास मान लागत के बराबर होनी चाहिये।यदि निर्धारित की गई अवक्षयण की कुल राशि ह्रास मान लागत से कम है तो पूँजीगत व्यय का अव-पुनर्लाभ होगा।साथ ही यह आगम-व्यय मिलान संकल्पना का उल्लंघन होगा।

अनुमानित उपयोगी जीवनकाल

परिसम्पत्ति का उपयोगी जीवनकाल उसका अनुमानित आर्थिक अथवा वाणिज्यिक जीवनकाल होता है।इसके लिए भौतिक जीवनकाल महत्त्वपूर्ण नहीं है क्योंकि हो सकता है कि परिसम्पत्ति भेौतिक रूप से अभी भी दृश्य है किन्तु यह संभव है कि वाणिज्यिक रूप से उत्पादन के योग्य न हो।उदाहरण के लिए एक मशीन का क्रय किया गया तथा अनुमान है कि इसका उपयोग उत्पादन प्रक्रिया में 5 वर्ष तक किया जायेगा।हो सकता है कि 5 वर्ष के पश्चात् भी मशीन अच्छी स्थिति में हो लेकिन उत्पादन में उसका उपयोग लाभप्रद नहीं होगा अर्थात् यदि इसको अभी भी उपयोग में लाया जाए तो हो सकता है कि उत्पादन लागत बढ़ जाए।इसीलिए इसके भौतिक जीवन काल से हटकर इसका उपयोगी जीवनकाल पांच वर्ष का होगा।परिसम्पत्ति के उपयोगी जीवनकाल का अनुमान लगाना कठिन होता है क्योंकि यह अनेक कारकों पर निर्भर करता है जैसे परिसम्पत्ति के उपयोग करने का स्तर, परिसम्पत्ति का रखरखाव, तकनीकी परिवर्तन बाज़ार में परिवर्तन इत्यादि।लेखांकन मानक 6 के अनुसार किसी परिसम्पत्ति का जीवनकाल सामान्यतः वह अवधि होता है जिसमें उद्यम द्वारा इसका उपयोग करने की सम्भावना है।साधारणतः उपयोगी जीवनकाल भौतिक जीवनकाल से कम होता है।वैसे तो परिसम्पत्ति का उपयोगी जीवनकाल वर्षों में दिया जाता है लेकिन इसे अन्य इकाइयों

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

में भी दर्शाया जा सकता है जैसे उत्पादन की इकाइयां (जैसा कि खानों की दशा में) अथवा कार्य के घंटे उपयोगी जीवनकाल निम्न तत्वों पर निर्भर करता है:

- कानून अथवा प्रसंविदे द्वारा पहले से निर्धारण जैसे पट्टाधिकार परिसम्पत्ति का उपयोगी जीवनकाल पट्टे की अवधि होता है।
- परिसम्पत्ति के उपयोग हेतु निश्चित पारियों की संख्या, व्यावसायिक संगठन में मरम्मत एवं रखरखाव की नीति।
- तकनीकी रूप से अप्रचलित।
- उत्पादन पद्धति में नवीनता/सुधार।
- वैधानिक अथवा अन्य प्रतिबन्ध।

ह्रास की राशि की गणना की पद्धतियाँ

किसी एक लेखा वर्ष में लगाई जाने वाली अवक्षयित राशि उसके ह्रास मान एवं उसके आबंटन की पद्धति पर निर्भर करती है।इसकी दो विधियां हैं जिनको कानून ने निश्चित किया है तथा जिन्हें भारत में पेशेवर लेखांकन व्यवहार में लागू किया गया है।ये विधियां हैं सीधी रेखा विधि एवं क्रमागत विधि।इन दो मुख्य पद्धतियों के अतिरिक्त अन्य पद्धतियों भी हैं जैसे - वार्षिक वृत्ति विधि, मूल्य ह्रास कोष पद्धति, बीमा पालिसी विधि, वर्षों के अंकों की योगविधि, दोहरी क्रमागत ह्रास विधि जिसे अवक्षयण की राशि तय करने के लिए प्रयोग किया जाता है।उचित पद्धति का चयन निम्न पर निर्भर करता है:

परिसम्पत्ति के प्रकार;

एसी परिसम्पत्ति के उपयोग की प्रकृति;

व्यवसाय में प्रचलित परिस्थितियां;

लेखांकन मानक – 6 के अनुसार चयन की गई मूल्य ह्रास पद्धति को एक अवधि से दूसरी अवधि में समान रूप से लागू करना चाहिए।विशिष्ट परिस्थितियों में ही मूल्य ह्रास पद्धति में परिवर्तन किया जाना चाहिए।

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

सीधी रेखा पद्धति

ह्रास लगाने का यह सबसे पुरानी एवं बहुत अधिक प्रयोग की जाने वाली विधि है।यह पद्धति इस अवधारणा पर आधारित है कि परिसम्पत्ति अपने संपूर्ण उपयोगी जीवनकाल में समान रुप से प्रयोग की जाएगी।इसे सीधी रेखा कहते हैं क्योंकि यदि ह्रास की राशि एवं सम्बद्ध समय को ग्राफ पर दर्शाया जाय तो यह एक सीधी रेखा बन जाएगी।

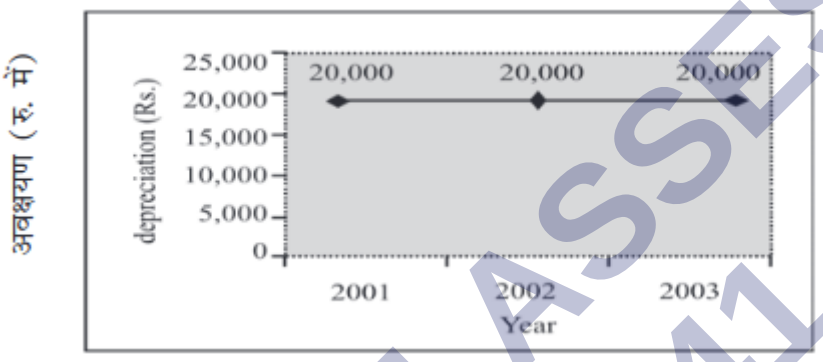

सरल रेखा विधि से अवक्षयण की राशि

इसे स्थायी पद्धति भी कहते हैं क्योंकि परिसम्पत्ति के उपयोगी जीवनकाल में प्रतिवर्ष ह्रास की राशि एक समान रहती है।इस पद्धति के अनुसार परिसम्पत्ति के जीवनकाल में प्रत्येक लेखांकन वर्ष में एक स्थिर एवं समान राशि को भार के रुप में दर्शाता है।प्रति वर्ष ह्रास की राशि इस प्रकार से लगाई जाती है कि परिसम्पत्ति के उपयोगी जीवन के अन्त में इसकी मूल्य लागत घटाकर इसके अवशिष्ट मूल्य के बराबर आ जाती है।इसे मूल लागत पर स्थायी प्रतिवर्ष विधि भी कहते हैं, क्योंकि प्रतिवर्ष मूल लागत (वास्तव में ह्रासमान लागत) को समान प्रतिशत से मूल्य ह्रास के रूप में समाप्त किया जाता है।

इस विधि से अवक्षयण राशि की गणना निम्न सूत्र लगाकर की जाती है:

$$\text{ह्रास} = \frac{\text{परिसम्पत्ति की लागत} - \text{अनुमानित शुद्ध अवशिष्ट मूल्य}}{\text{परिसम्पत्ति का अनुमानित जीवनकाल}}$$

सीधी रेखा विधि में ह्रास की दर परिसम्पत्ति के कुल मूल्य का प्रतिशत होती है जिससे परिसम्पत्ति पर उपयोगी जीवनकाल में अवक्षयण के रूप में व्यय भार लगाया जाता है।

ह्रास की दर इस प्रकार निकाली जाती है:

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

$$\text{ह्रास की दर} = \frac{\text{वार्षिक ह्रास राशि}}{\text{अधिग्रहण लागत}} \times 100$$

इस उदाहरण को देखें।परिसम्पत्ति की मूल लागत 2,50,000 रु. है तथा उपयोगी जीवनकाल 10 वर्ष एवं अवशिष्ट मूल्य का अनुमान 50,000 रु. लगाया है।प्रति वर्ष लगाई जाने वाली ह्रास की राशि की गणना इस प्रकार की जाएगी

$$\text{वार्षिक ह्रास राशि} = \frac{\text{परिसम्पत्ति की अधिग्रहण लागत} - \text{अनुमानित शुद्ध अवशिष्ट मूल्य}}{\text{परिसम्पत्ति का अनुमानित जीवनकाल}}$$

$$\text{अर्थात्} = \frac{2,50,000 \text{ रु.} - 50,000 \text{ रु.}}{} = 20,000 \text{ रु.}$$

ह्रास की दर इस प्रकार से निकाली जायेगी –

$$\text{ह्रास की दर} = \frac{\text{वार्षिक ह्रास राशि}}{\text{अधिग्रहण लागत}} \times 100$$

बिन्दु (i) से वार्षिक ह्रास राशि 20,000 रु. है

अतः ह्रास की दर

$$\text{अतः ह्रास की दर} = \frac{20,000 \text{ रु.}}{2,50,000 \text{ रु.}} \times 100 = 8\% \text{ होगी।}$$

सीधी रेखा विधि के लाभ

सीधी रेखा विधि के कुछ लाभ हैं जो नीचे दिये गये हैं

यह बहुत सरल विधि है इसको समझना एवं इसका उपयोग सरल है इसकी सरलता के कारण व्यवहार में यह बहुत लोकप्रिय है।

परिसम्पत्ति पर ह्रास लगाकर इसका शुद्ध अवशेष मूल्य या शून्य मूल्य पर लाया जा सकता है।इसीलिए इस विधि से सम्पत्ति के पूरे ह्रास मान मूल्य को इसके उपयोगी जीवनकाल में बाँटना सम्भव हो पाता है।

प्रतिवर्ष लाभ-हानि खाते में एक ही राशि लिखी जाती है।इससे विभिन्न वर्षों के लाभों में तुलना करना सरल हो जाता है।

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

यह विधि उन परिसम्पत्तियों के लिए उचित रहती है जिसका उपयोगी जीवन का सही अनुमान लगाया जा सकता है एवं जहाँ परिसम्पत्ति के उपयोग में प्रतिवर्ष एकरूपता है जैसे पट्टे पर लिया गया भवन।

सीधी रेखा विधि की सीमाएं

यद्यपि सीधी रेखाविधि सरल होती है एवं इसको लागू करना आसान होता है फिर भी इसकी कुछ सीमाएं हैं।जो नीचे दी गई हैं:

1. यह पद्धति इस दोषपूर्ण अवधारणा पर आधारित है कि परिसम्पत्ति की उपयोगिता विभिन्न लेखा वर्षों में समान रहती है।

2. समय के साथ परिसम्पत्ति की क्षमता कम होती जाती है तथा मरम्मत एवं रखरखाव पर खर्च बढ़ता जाता है।इसीलिए इस पद्धति में लाभ पर प्रभार ह्रास एवं मरम्मत दोनों को मिलाकर/कुल राशि परिसम्पत्ति के पूरे जीवनकाल में समान नहीं होगी बल्कि यह प्रतिवर्ष बढ़ती रहेगी।

क्रमागत पद्धति

इस पद्धति में ह्रास परिसम्पत्ति के पुस्तक मूल्य पर प्रभार होता है।पुस्तक मूल्य लगाई गई वार्षिक ह्रास राशि से घटता चला जाता है।इसे ह्रासमान शेष पद्धति भी कहते हैं।इस पद्धति में ह्रास की राशि की गणना प्रत्येक लेखांकन अवधि के प्रारम्भ में दिये गए परिसम्पत्ति के मूल्य पर पूर्व-निर्धारित अनुपात प्रतिशत से की जाती है।ह्रास राशि प्रतिवर्ष कम होती जाती है।

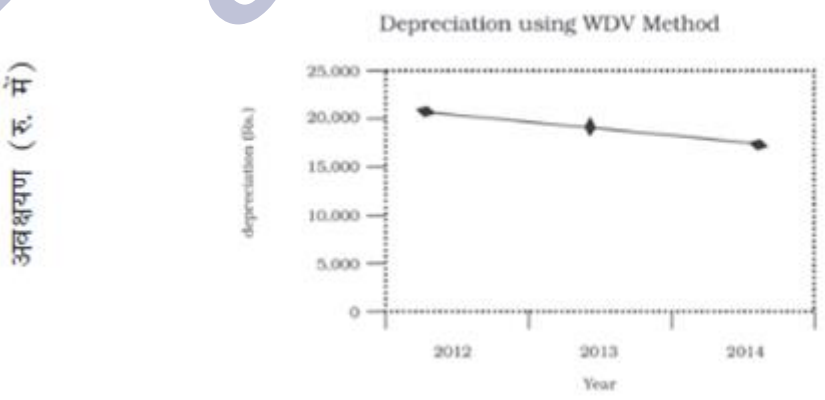

क्रमागत ह्रास मूल्य पद्धति द्वारा निकाली गई ह्रास की राशि

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

उदाहरण के लिए एक परिसम्पत्ति का मूल्य 2,00,000 रु. है तथा इस पर ह्रास क्रमागत पद्धति के अनुसार 10% प्रति वर्ष की दर से लगाया जाता है।इसमें ह्रास की राशि की गणना इस प्रकार से की जायेगी:

$$\text{(i)} \quad \text{ह्रास (I वर्ष)} = \frac{2,00,000 \text{ रु.} \times 10}{100} = 20,000 \text{ रु.}$$

(ii) अपलिखित मूल्य = 2,00,000 रु. – 20,000 रु. = 1,80,000 रु.

(I वर्ष के अन्त में)

$$\text{(iii)} \quad \text{ह्रास (II वर्ष)} = \frac{1,80,000 \text{ रु.} \times 10}{100} = 18,000 \text{ रु.}$$

(iv) अपलिखित मूल्य = 1,80,000 रु. – 18,000 रु. = 1,62,000 रु.

(II वर्ष के अन्त में)

(v) III वर्ष = 1,62,000 रु. – 16,200 रु.

(vi) अपलिखित मूल्य = 1,62,000 रु. – 16,200 रु.

(III वर्ष के अन्त में) = 1,45,800 रु.

जैसा कि उदाहरण से स्पष्ट है, ह्रास की राशि प्रतिवर्ष कम होती जा रही है।इसी कारण से इसे क्रमागत ह्रास किश्त अथवा ह्रास मान मूल्य पद्धति भी कहते हैं।यह पद्धति इस अवधारणा पर आधारित है कि व्यवसाय को होने वाला लाभ सम्पत्ति के पुराने होने के साथ घटता जाता है (देखें चित्र 7.2) इसका कारण प्रति वर्ष परिसम्पत्ति खाते के निरन्तर घटते हुए शेष पर पूर्व निर्धारित प्रतिशत से गणना करना है।इसी कारण से बाद के वर्षों की अपेक्षा आरम्भ के वर्षों में अवक्षयण भार के रूप में बड़ी राशि वसूल की जाती है।

अपलिखित मूल्य पद्धति में ह्रास की दर की गणना निम्न सूत्र के द्वारा की जाती है:

$$R = \left[1 - n\sqrt{\frac{s}{c}}\right] \times 100$$

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

जहाँ

R = अवक्षयण की दर

n = अनुमानित उपयोगी जीवन

s = अवशिष्ट मूल्य

c = परिसम्पत्ति की लागत

उदाहरण के लिए ट्रक की मौलिक लागत 9,00,000 रु. एवं इसके 16 वर्ष के उपयोगी जीवन काल के बाद इसका अवशेष मूल्य 50,000 रु. है तब ह्रास की उचित दर गणना इस प्रकार से की जायेगी:

$$R = \left[1 - 16\sqrt{\frac{50,000}{9,00,000}}\right] \times 100 = (1 - 0.834) \times 100 = 16.6\%$$

क्रमागत पद्धति के लाभ

1. यह पद्धति अधिक वास्तविक अवधारणा पर आधारित है कि समय के व्यतीत होने के साथ परिसम्पत्ति से प्राप्त लाभ कम होता जाता है।इसलिए आवश्यकता लागत के उचित आबंटन की है, क्योंकि प्रारंभ के दिनों में जब परिसम्पत्ति की उपयोगिता अधिक होती है तब अधिक ह्रास लगाया जाता है जबकि बाद के वर्षों में कम जब परिसम्पत्ति की उपयोगिता कम हो जाती है।
2. इसके कारण ह्रास एवं मरम्मत व्यय का लाभ-हानि खाते पर प्रति वर्ष भार लगभग समान रहता है।
3. आयकर अधिनियम करावधान के लिए इस विधि को स्वीकार करता है।
4. चूंकि प्रारंम्भ के वर्षों में लागत का बड़ा भाग समाप्त कर दिया जाता है अतः अप्रचलन के कारण हानि कम हो जाती है।

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

5. यह पद्धति स्थाई परिसम्पत्तियों के यथायोग्य होती है क्योंकि यह अधिक समय तक चलती है एवं समय की समाप्ति के साथ इनकी मरम्मत एवं रखरखाव पर अधिक व्यय की आवश्यकता होती है।

क्रमागत ह्रास विधि की सीमाएं

यद्यपि क्रमागत ह्रास विधि अधिक वास्तविक अवधारणा पर आधारित होती है फिर भी इसकी सीमाएं हैं, जो निम्न हैं:

1. ह्रास अपलिखित मूल्य पर निश्चित प्रतिशत से निकाला जाता है, परिसम्पत्ति की लागत को पूरी तरह समाप्त नहीं किया जा सकता, परिसम्पत्ति की मूल्य कमी भी शून्य नहीं हो सकती।

2. ह्रास की उपयुक्त दर निश्चित करना कठिन हो जाता है।

सीधी रेखा एवं क्रमागत ह्रासविधि तुलनात्मक विश्लेषण

व्यवहार में ह्रास की राशि की गणना के लिए सीधी रेखा विधि एवं क्रमागत् ह्रास विधि का उपयोग किया जाता है।इन दो विधियों में निम्न बिन्दुओं के आधार पर अन्तर हैं:

ह्रास लगाने के आधार

सीधी रेखा विधि में मौलिक लागत (या एतिहासिक लागत) पर ह्रास लगाया जाता है जबकि क्रमागत विधि में ह्रास लगाने का आधार वर्ष के आरंभ में शुद्ध पुस्तक मूल्य है (अर्थात् मूल लागत में से घटायी गयी वर्तमान तिथि तक की ह्रास राशि)।

ह्रास लगाने के आधार

सीधी रेखा विधि में मौलिक लागत (या एतिहासिक लागत) पर ह्रास लगाया जाता है जबकि क्रमागत विधि में ह्रास लगाने का आधार वर्ष के आरंभ में शुद्ध पुस्तक मूल्य है (अर्थात् मूल लागत में से घटायी गयी वर्तमान तिथि तक की ह्रास राशि)।

ह्रास का वार्षिक प्रभार

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

सीधी रेखा विधि के अन्तर्गत प्रति वर्ष अपलिखित की जानेवाली ह्रास की राशि स्थिर अथवा समान रहती है जबकि क्रमागत ह्रास विधि में प्रथम वर्ष में यह राशि सर्वाधिक होती है एवं बाद के वर्षों मे यह घटती जाती है।इस अन्तर का कारण मूल्य ह्रास की दोनों विधियों में अवक्षयण लगाने के आधार में अन्तर है।सीधी रेखा विधि मे ह्रास मूल लागत पर लगाया जाता है जबकि क्रमागत ह्रास विधि में यह अपलिखित मूल्य पर लगाया जाता है।

ह्रास एवं मरम्मत व्यय का लाभ-हानि खाते पर भार

यह विशिष्टता सभी को मान्य है कि परिसम्पत्ति के उपयोगी जीवनकाल के बाद के वर्षो में मरम्मत एवं रखरखाव पर व्यय बढ़ जाते हैं।अतः सीधी रेखा विधि के अंतर्गत, परिसंपत्ति के उपयोगी जीवनकाल के बाद के वर्षों में ह्रास और मरमम्त व्ययो के संदर्भ में लाभ-हानि खाते पर कुल प्रभार बढ़ जाता है।दूसरी ओर क्रमागत विधि में ह्रास भार बाद के वर्षों में घटता है इसलिए ह्रास एवं मरम्मत व्यय प्रतिवर्ष समान रहता है।

आयकर कानून मान्यता

सीधी रेखा पद्धति को आयकर कानून मान्यता नहीं देता है जबकि यह क्रमागत ह्रास पद्धति को मान्यता देता है।

उपयुक्तता

सीधी रेखा पद्धति उन परिसम्पत्तियों के लिए उपयुक्त रहती है जिनमें मरम्मत व्यय कम होते है, प्रचलन की सम्भावना भी कम रहती है तथा अवशिष्ट मूल्य अवधि पर निर्भर करता है।इसके उदाहरण हैं फ्रीहोल्ड भूमि एवं भवन, पेटेन्ट्स, ट्रेड मार्क आदि।क्रमागत ह्रास पद्धति उन परिसम्पत्तियों के लिए उपयुक्त रहती है जिन पर तकनीकी परिवर्तनों का प्रभाव पड़ता है तथा समय के व्यतीत होने के साथ मरम्मत व्यय बढ़ता जाता है जैसे सयंन्त्र एवं मशीनरी, वाहन इत्यादि।

सीधी रेखा पद्धति एवं क्रमागत ह्रास पद्धति में तुलना

अन्तर का आधार	सीधी रेखा पद्धति	क्रमागत ह्रास पद्धति

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

1.ह्रास लगाने का आधार	मूल लागत	पुस्तक मूल्य (अर्थात् मूल लागत घटा आज तक की तिथि तक का ह्रास,
2. वार्षिक ह्रास	प्रतिवर्ष स्थिर (एक समान)	प्रतिवर्ष घटता है
3. ह्रास एवं मरम्मत की पूरी लाभ-हानि खाते पर भार	प्रतिवर्ष असमान अन्तिम वर्षों में बढ़ता है मान्यता नहीं देता है	प्रतिवर्ष लगभग समान मान्यता देता है
4. आयकर कानून द्वारा मान्यता	उन परिसम्पत्तियों के लिए उपयुक्त जिनमें मरम्मत खर्च कम होता है, अप्रचलन की सम्भावना कम रहती है तथा अवशिष्ट मूल्य उसकी अवधि पर निर्भर करता है	उन परिसम्पत्तियों के लिए उपयुक्त रहती है जिन पर तकनीकी परिवर्तनों का प्रभाव पड़ता है तथा समय व्यय बढ़ता जाता है।
5. उपयुक्तता		

ह्रास के अभिलेखन की पद्धतियां

स्थाई परिसम्पत्तियों पर ह्रास का लेखा पुस्तकों में अभिलेखन दो प्रकार हैं:

परिसम्पत्ति खाते पर ह्रास का लगाया जाना

ह्रास पर प्रावधान खाता/संचित ह्रास खाता बनाना

परिसम्पत्ति खाते पर ह्रास का लगाया जाना

इस व्यवस्था के अनुसार ह्रास को परिसम्पत्ति की मूल लागत में से घटाया जाता है (परिसम्पत्ति खाते के जमा पक्ष में लिखा जाता है) व लाभ-हानि खाते पर भार लगाया जाता है (नाम पक्ष में लिखा जाता है)।इस विधि में रोजनामचा प्रविष्टियाँ निम्न होंगी:

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

1.	परिसंपत्ति के क्रय के अभिलेखन पर		(केवल क्रय के वर्ष में)
	परिसंपत्ति खाता	नाम	(स्थापना, भाड़ा व्यय सहित परिसंपत्ति की लागत)
	बैंक/विक्रेता के खाते से		(नकद/उधार क्रय)
2.	निम्नवत् दो प्रविष्टियाँ प्रत्येक वर्ष के अंत में की जाएंगी		
(अ)	परिसंपत्ति की लागत से ह्रास राशि घटाने पर		
	ह्रास खाता	नाम	(ह्रास राशि से)
	परिसंपत्ति खाते से		
(ब)	ह्रास राशि का लाभ-हानि खाते पर प्रभाव के लिए		
	लाभ-हानि खाता	नाम	(अवक्षयित राशि से)
	ह्रास खाते से		

तुलन पत्र का व्यवहार

जब इस विधि का प्रयोग किया जाता है तब स्थायी परिसंपत्ति को तुलन पत्र के परिसंपत्ति पक्ष में शुद्ध पुस्तक मूल्य पर दर्शाया जाएगा (अर्थात् तिथि विशेष पर परिसंपत्ति को वह लागत जिसमें से ह्रास राशि घटाई गई है) न कि वास्तविक लागत जिसे ऐतिहासिक लागत भी कहते हैं।

ह्रास पर प्रावधान खाता/संचित ह्रास खाता

इस विधि मे परिसंपत्ति पर लगाई गई ह्रास राशि एक अलग खाते में संचित होती है जिसे ह्रास पर प्रावधान अथवा संचित ह्रास कहते हैं।ह्रास की राशि के इस प्रकार से संचयन के कारण परिसंपत्ति खाता किसी भी रूप में प्रभावित नहीं होता है तथा इसे इसके उपयोगी जीवनकाल के हर आने वाले वर्षों में लागत मूल्य पर ही दर्शाया जाता है।ह्रास के अभिलेखन की इस विधि की कुछ आधारभूत विशेषताएं हैं जो नीचे दी गई हैं:

- परिसंपत्ति खाता इसके पूरे जीवनकाल में इसे मूल लागत पर ही दर्शाता है।
- ह्रास की राशि को प्रत्येक लेखांकन वर्ष के अन्त में परिसंपत्ति खाते में समायोजन करने के स्थान पर एक अलग खाते में समेकित किया जाता है।

इस विधि में निम्न रोजनामचा प्रविष्टियाँ की जाएंगी

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

1. परिसंपत्ति के क्रय का अभिलेखन (केवल क्रय वर्ष में)

परिसंपत्ति खाता	नाम	(स्थापना व्ययों सहित परिसंपत्ति की लागत)
बैंक/विक्रेता खाते से		(नकद/उधार क्रय)

2. प्रत्येक वर्ष के अंत में निम्नवत् दो प्रविष्टियाँ दी जाएंगी:

(अ) ह्रास मान राशि को ह्रास प्रावधान खाते के जमा पक्ष में लिखने पर:

ह्रास खाता	नाम	(अवक्षयित राशि से)
ह्रास पर प्रावधान खाते से		

(ब) ह्रास का लाभ-हानि खाते पर प्रभार के लिए

लाभ-हानि खाता	नाम	(अवक्षयित राशि से)
ह्रास खाते से		

तुलन पत्र का व्यवहार

तुलन पत्र में इसे परिसंपत्ति पक्ष की ओर मूल लागत पर दर्शाया जाएगा।तिथि विशेष तक लगाई गई ह्रास की राशि ह्रास प्रावधान खाते में दर्शायी जाती है जिसे या तो देयता पक्ष की ओर दर्शाया जाएगा या फिर तुलन पत्र की परिसंपत्ति पक्ष की ओर संबन्धित परिसंपत्ति के मूल लागत से घटा कर दर्शाया जाएगा।

उदाहरण 1

मै. सिंघानियां एण्ड ब्रदर्स ने 1 अप्रैल, 2016 को 5,00,000 रु. का संयन्त्र खरीदा एवं इसकी स्थापना पर 50,000 रु. व्यय किये।संयन्त्र के 10 वर्ष के उपयोगी जीवन के पश्चात अवशिष्ट मूल्य का अनुमान 10,000 रु. लगाया गया।वर्ष 2016-17 के लिये रोजनामचा में प्रविष्टि करें एवं यह मानते हुए कि ह्रास सीधी रेखा पद्धति उधार पर लगाया गया है प्रथम तीन वर्ष का संयन्त्र खाता और ह्रास खाता बनाएँ यदि:

(i) लेखा पुस्तकें प्रति वर्ष 31 मार्च को बन्द की जाती हैं, एवं

(ii) ह्रास प्रभार के रुप में परिसंपत्ति खाते पर दर्शाया जाता है।

हल

सिंघानिया एण्ड ब्रदर्स की पुस्तकें

रोजनामचा

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

तिथि	विवरण		ब.पृ.सं.	नाम राशि रु.	जमा राशि रु.
2016					
01 अप्रैल	संयन्त्र खाता	नाम		5,00,000	
	बैंक खाते से				5,00,000
	(5,00,000 रु. का सयंत्र क्रय किया)				
01 अप्रैल	संयन्त्र खाता	नाम		50,000	
	बैंक खाते से				50,000
	(स्थापना पर किये गये व्यय)				
2017					
31 मार्च	ह्रास खाता	नाम		54,000	
	सयंन्त्र खाते से				54,000
	(परिसंपत्ति पर ह्रास लगाया)				
31 मार्च	लाभ-हानि खाता	नाम		54,000	
	ह्रास खाते से				54,000
	(ह्रास की राशि लाभ-हानि खाते के नाम पक्ष में लिखी गई)				

सयंन्त्र खाते

नाम **जमा**

तिथि	विवरण	रो.पृ.सं.	राशि रु.	तिथि	विवरण	रो.पृ.सं.	राशि रु.
2016				2017			
01 अप्रैल	बैंक		5,00,000	31 मार्च	ह्रास		54,000
	बैंक		50,000		शेष आ/ले		4,96,000
	(स्थापना व्यय)						
			5,50,000				5,50,000
2017				2018			
01 अप्रैल	शेष आ/ला		4,96,000	01 अप्रैल	ह्रास		54,000
					शेष आ/ले		4,42,000
			4,96,000				4,96,000
2018				2019			
01 अप्रैल	शेष आ/ला		4,42,000	31 मार्च	ह्रास		54,000
					शेष आ/ले		3,88,000
			4,42,000				4,42,000
2019							
01 अप्रैल	शेष आ/ला		3,88,000				

ह्रास खाता

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

नाम जमा

तिथि	विवरण	रो.पृ.सं.	राशि रु.	तिथि	विवरण	रो.पृ.सं.	राशि रु.
2017				2017			
31 मार्च	संयन्त्र		54,000	31 मार्च	लाभ-हानि		54,000
2018				2018			
31 मार्च	संयन्त्र		54,000	31 मार्च	लाभ-हानि		54,000
2019				2019			
31 मार्च	संयन्त्र		54,000	31 मार्च	लाभ-हानि		54,000

कार्यकारी टिप्पणी

(1) मूल लागत की गणना

	(रु.)
क्रय लागत	5,00,000
जमा स्थापना लागत	50,000
मूल लागत	5,50,000
अवशिष्ट मूल्य	10,000
उपयोगी जीवनकाल	10 वर्ष

(2) ह्रास मान $= \frac{5,50,000 \text{ रु.} - 10,000 \text{ रु.}}{10} = 54,000 \text{ रु. प्रति वर्ष}$

उदाहरण 2

मै. मेहरा एण्ड संस ने 01 अक्टूबर, 2016 को एक मशीन क्रय की एवं उसके स्थापना पर 20,000 रु. प्राप्त किये। फर्म प्रतिवर्ष मूल लागत पर 10% की दर से ह्रास लगा रही है। वर्ष 2017 के लिये आवश्यक रोजनामचा प्रविष्टि कीजिए एवं प्रथम तीन वर्ष के मशीन खाता एवं ह्रास खाता बनाइए यदि दिया गया है कि:

(i) खाता बही प्रतिवर्ष 31 मार्च बन्द की जाती है एवं

(ii) ह्रास प्रभार के रुप में परिसंपत्ति खाते में दर्शाया जाता है।

हल

मै. मेहरा एण्ड संस की पुस्तके

रोजनामचा

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

तिथि	विवरण	ब.पृ.सं	नाम राशि (रु.)	जमा राशि (रु.)
2016				
20 अक्टूबर	मशीन खाता नाम		1,80,000	
	बैंक खाते से			1,80,000
	(1,80,000 रु. में मशीन खरीदी)			
01 अक्टूबर	मशीन खाता नाम		20,000	
	बैंक खाते से			20,000
	(स्थापना पर व्यय किये)			
2017				
31 मार्च	ह्रास खाता नाम		10,000	
	मशीन खाते से			10,000
	(मशीन पर ह्रास लगाया)			
2018				
31 मार्च	लाभ एवं हानि खाता नाम		20,000	
	ह्रास खाते से			20,000
	(ह्रास की राशि लाभ-हानि खाते के नाम पक्ष में लिखी गई)			

2019				
31 मार्च	ह्रास खाता नाम		20,000	
	मशीन खाते से			20,000
	(मशीन पर ह्रास लगाया)			
31 मार्च	लाभ-हानि खाता नाम		20,000	
	ह्रास खाते से			20,000
	(ह्रास मान की राशि लाभ-हानि खाते के नाम पक्ष में लिखी गई।)			
31 मार्च	ह्रास खाता नाम		20,000	
	मशीन खाते से			20,000
	(मशीन पर ह्रास लागाया)			
31 मार्च	लाभ-हानि खाता नाम		20,000	
	ह्रास खाते से			20,000
	(ह्रास राशि लाभ-हानि खाते के नाम पक्ष में लिखी गई)			

मशीन खाता

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

नाम जमा

तिथि	विवरण	रो.पृ.सं.	राशि रु	तिथि	विवरण	रो.पृ.सं.	राशि रु
2016				2017			
01 अक्टूबर	बैंक		1,80,000	31 मार्च	ह्रास		10,000
01 अक्टूबर	बैंक		20,000		(छः माह के लिए)		
	(स्थापना व्यय)			31 मार्च	शेष आ/ले		1,90,000
			2,00,000				2,00,000
2017				2018			
01 अप्रैल	शेष आ/ला		1,90,000	31 मार्च	ह्रास		20,000
					शेष आ/ले		1,70,000
			1,90,000				1,90,000
2018				2019			
01 अप्रैल	शेष आ/ला		1,70,000	31 मार्च	ह्रास		20,000
					शेष आ/ले		1,50,000
			1,70,000				1,70,000

ह्रास खाता

नाम जमा

तिथि	विवरण	रो.पृ.सं.	राशि रु	तिथि	विवरण	रो.पृ.सं.	राशि रु
2017				2017			
31 मार्च	मशीन		10,000	31 मार्च	लाभ-हानि		10,000
2018			10,000	2018			10,000
31 मार्च	मशीन		20,000	31 मार्च	लाभ-हानि		20,000
2019			20,000	2019			20,000
31 मार्च	मशीन		20,000	31 मार्च	लाभ-हानि		20,000
			20,000				20,000

कार्यकारी टिप्पणी

मशीन की मूल लागत की गणना	(रु.)
क्रय लागत	1,80,00
जोड़िये: स्थापना लागत	20000

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

मूल लागत 2,00,000

2. ह्रास व्यय = 2,00,000 रु. पर 10% से प्रतिवर्ष = 20,000 रु. प्रतिवर्ष

3. वर्ष 2016 में ह्रास केवल 6 महीने के लिये लगाया जायेगा क्योंकि क्रय तिथि 01 अक्टूबर 2016 है अर्थात् वर्ष 2016-17 में परिसम्पत्ति का केवल 6 महीने उपयोग किया गया है।

$$4. \quad \text{ह्रास } (2016\text{-}17) = 20,000 \text{ रु.} \times \frac{6}{12} = 10,000 \text{ रु.}$$

उदाहरण 3

प्रश्न 2 में दिये गये आंकड़ों के आधार पर 3 वर्ष का मशीन खाता ह्रास खाता एवं ह्रास पर प्रावधान खाता बनाइए यदि फर्म ह्रास के लिए प्रावधान खाता रख रही है।

हल

मेहरा एण्ड संस की पुस्तकें

मशीन खाता

नाम जमा

तिथि	विवरण	रो.पृ.सं.	राशि रु	तिथि	विवरण	रो.पृ.सं.	राशि रु
2016 01 अक्टूबर	बैंक		1,80,000	2017 31 मार्च	शेष आ/ले		2,00,000
01 अक्टूबर	बैंक (स्थापना व्यय)		20,000				
			2,00,000				2,00,000
2017 01 अप्रैल	शेष आ/ला		2,00,000	2018 31 मार्च	शेष आ/ले		2,00,000
			2,00,000				2,00,000

मशीन पर ह्रास प्रावधान खाता

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

नाम — जमा

तिथि	विवरण	रो.पृ.सं.	राशि रु	तिथि	विवरण	रो.पृ.सं.	राशि रु
2016				2016			
31 मार्च	शेष आ/ले		10,000	31 मार्च	ह्रास		10,000
			10,000				10,000
2017				2017			
31 मार्च	शेष आ/ले		30,000	01 अप्रैल	शेष आ/ला		10,000
				31 मार्च	ह्रास		20,000
			30,000				30,000
2018				2018			
31 मार्च	शेष आ/ले		50,000	01 अप्रैल	शेष आ/ला		30,000
				2019			
				31 मार्च	ह्रास		20,000
			50,000				50,000

ह्रास खाता

नाम — जमा

तिथि	विवरण	रो.पृ.सं.	राशि रु	तिथि	विवरण	रो.पृ.सं.	राशि रु
2017				2017			
31 मार्च	ह्रास पर प्रावधान		10,000	31 मार्च	लाभ-हानि		10,000
			10,000				10,000
2018				2018			
31 मार्च	ह्रास पर प्रावधान		20,000	31 मार्च	लाभ-हानि		20,000
			20,000				20,000
2019				2019			
31 मार्च	ह्रास पर प्रावधान		20,000	31 मार्च	लाभ-हानि		20,000
			20,000				20,000

उदाहरण 4

मै. डालमिया टैक्सटाइल मिल्स ने 1 अप्रैल, 2016 को मै. आहुजा एण्ड संस से 2,00,000 रु. की मशीन उधार एवं 10,000 रु. इसकी स्थापना पर व्यय किये। ह्रास 10% वार्षिक की दर से क्रमागत आधार पर लगाना है। प्रथम तीन वर्ष का मशीन खाता तैयार करें। लेखा पुस्तकें प्रतिवर्ष 31 मार्च को बन्द की जाती हैं।

हल

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

डालमिया टैक्स्टाइल मिल्स की पुस्तकें

मशीन खाता

नाम जमा

तिथि	विवरण	रो.पृ.सं.	राशि रु	तिथि	विवरण	रो.पृ.सं.	राशि रु
2016				2017			
01 अप्रैल	आहुजा एण्ड संस		2,00,000	31 मार्च	ह्रास		21,000
	बैंक		10,000		शेष आ/ले		1,89,000
			2,10,000				2,10,000
2017				2018			
01 अप्रैल	शेष आ/ला		1,89,000	31 मार्च	ह्रास		18,900
					शेष आ/ले		1,70,000
			1,89,000				1,89,000
2018				2019			
01 अप्रैल	शेष आ/ला		1,70,100	31 मार्च	ह्रास		17,010
					शेष आ/ले		1,53,090
			1,70,100				1,70,100
2020							
01 अप्रैल	शेष आ/ला		1,53,090				

कार्यकारी टिप्पणी

मूल्य ह्रास राशि की गणना रु.

(i) अप्रैल 01, 2016 को वास्तविक मूल्य 2,10,000

(घटाया) 2016-17 के लिए मूल्य ह्रास 21,000

(ii) अप्रैल 01, 2017 को मूल्य ह्रास 1,89,000

(घटाया) 2017-18 के लिए मूल्य ह्रास 18,900

(iii) अप्रैल 2018 को मूल्य ह्रास 1,70,100

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

(घटाया) 2018-19 मूल्य ह्रास	17,010
अप्रैल 01, 2019 को मूल्य ह्रास	1,53,090

उदाहरण 5

मै. साहनी एन्टरप्राइज़िज़ ने 01 जुलाई, 2014 को 40,000 रु. की एक प्रिटिंग मशीन खरीदी एवं 5,000 रु. इसकी ढुलाई एवं स्थापना पर व्यय किये।01 जनवरी, 2016 को एक और मशीन 35,000 रु. में खरीदी।20% की दर से क्रमागत विधि के अनुसार ह्रास लगाया गया है।वर्ष समाप्ति 31 मार्च, 2015, 2016, 2017 एवं 2018 को प्रिंटिंग मशीन खाता बनाइए।

हल

साहनी एंटरप्राइज़िज़ की पुस्तकें

प्रिंटिग मशीन खाता

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

नाम **जमा**

तिथि	*विवरण*	*रो.पृ.सं.*	*राशि* रु	*तिथि*	*विवरण*	*रो.पृ.सं.*	*राशि* रु
2014			2015				
01 जुलाई	बैंक		40,000	31 मार्च	ह्रास		6,750[1]
	बैंक		5,000		शेष आ/ले		38,250
			45,000				45,000
2015				2016			
01 अप्रैल	शेष आ/ला		38,250	31 मार्च	ह्रास		9,400[2]
01 जनवरी	बैंक		35,000		शेष आ/ले		63,850
			73,250				73,250
2016				2017			
01 अप्रैल	शेष आ/ला		63,850	31 मार्च	ह्रास		12,770[3]
					शेष आ/ले		51,080
			63,850				63,850
2017							
01 अप्रैल	शेष आ/ला		51,080				

कार्यकारी टिप्पणी

	रु
1 जुलाई, 2014 को खरीदी गई मशीन की मूल लागत	45,000
(-) 31 मार्च 2015 तक का ह्रास (20% की दर से 9 माह का)	(6,750[1])
	38,250
(+) 1 जनवरी, 2016 को क्रय की गई नई मशीन की लागत	35,000
	73,250
(-) वर्ष 2015-2016 का ह्रास	(9,400)[2]
3 माह के लिए 38,250 रु. और 35,000 रु. पर 20% ह्रास)	
31.3.2016 को अवक्षयित मूल्य	63,850
(-) वर्ष 2016-17 का ह्रास (63,850 रु. का 20%)	(12,770[3])
31 मार्च, 2017 को अवक्षयित मूल्य	51,080

परिसम्पत्ति का निपटान/विक्रय

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

परिसम्पत्ति का निपटान या तो (क) इसके स्वामान्य जीवन के अन्त में अथवा (ख) इसके उपयोगी जीवन के मध्य प्रचलन के बाहर अथवा अन्य असामान्य कारण से हो सकता हैं।

यदि इसका विक्रय इसके उपयोगी जीवनकाल के अन्त में किया जाता है, तो परिसम्पत्ति के विक्रय से प्राप्त राशि को अवशिष्ट मूल्य मानकर परिसम्पत्ति खाते के जमा पक्ष में लिखा जायेगा तथा शेष को लाभ-हानि खाते में हस्तान्तरित किया जायेगा।इस सम्बन्ध में निम्न रोजनामचा प्रविष्टियां की जाएगीः

(i) परिसम्पत्ति को अवशेष मानकर उसका विक्रय

बैंक खाता नाम

परिसम्पत्ति खाते से

(ii) परिसम्पत्ति खाते के शेष का हस्तान्तरण

(क) लाभ की स्थिति में

परिसम्पत्ति खाता नाम

लाभ-हानि खाते से

(ख) हानि होने पर

लाभ-हानि खाता नाम

परिसम्पत्ति खाते से

यदि ह्रास के अभिलेखन के लिए ह्रास पर प्रावधान संचित ह्रास खाता खोला गया है तो उपरोक्त प्रविष्टियों से पहले ह्रास प्रावधान संचित ह्रास खाते के शेष को परिसम्पत्ति खाते में निम्न रोजनामचा प्रविष्टि के अभिलेखन द्वारा हस्तान्तरित किया जायेगा

ह्रास पर प्रावधान खाता नाम

परिसम्पत्ति खाते से

उदाहरण के लिए आर. एस. लि. ने एक वाहन 4,00,000 रु. में क्रय किया इसका अवशिष्ट मूल्य अनुमानतः 40,000 रु. माना गया।सीधी रेखा विधि से प्रतिवर्ष लगाए जाने के लिए ह्रास मूल्य राशि ज्ञात कीजिए।यह मानते हुए कि अन्त में यदि इसे 50,000 रु. में बेचा जाता है चार वर्ष का वाहन खाता बनाइए यदिः

- ह्रास को प्रभार के रुप में परिसम्पति खाते में दर्शाया गया है।

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

- ह्रास पर प्रावधान खाता खोला गया है।

  अब, आर. एस. लिमिटेड की निम्नलिखित प्रविष्टियों को देखें:

- जब ह्रास को प्रभार के रुप में परिसम्पति खाते में दर्शाया गया है-

आर.एस लिमिटेड का पुस्तकें

वाहन खाता

नाम *तिथि*	*विवरण*	*रो.पृ.सं.*	*राशि* रु	*तिथि*	*विवरण*	*रो.पृ.सं.*	जमा *राशि* रु
प्रथम वर्ष	बैंक		4,00,000	वर्ष के अन्त में	ह्रास		90,000
					शेष आ/ले		3,10,000
			4,00,000				4,00,000
II वर्ष	शेष आ/ला		3,10,000	वर्षान्त	ह्रास		90,000
					शेष आ/ले		2,20,000
			3,10,000				3,10,000
III वर्ष	शेष आ/ला		2,20,000	वर्षान्त	ह्रास		90,000
					शेष आ/ले		1,30,000
			2,20,000				2,20,000
IV वर्ष	शेष आ/ला		1,30,000	वर्षान्त	ह्रास		90,000
	लाभ-हानि (वाहन के विक्रय पर लाभ		10,000		बैंक		50,000
	ह्रास प्रावधान						
			1,40,000				1,40,000

- जब ह्रास पर प्रावधान रखा गया है

आर. एस. लिमिटेड की पुस्तकें

वाहन खाता

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

नाम जमा

तिथि	विवरण	रो.पृ.सं.	राशि रु	तिथि	विवरण	रो.पृ.सं.	राशि रु
I वर्ष	बैंक		4,00,000	वर्षान्त	शेष आ/ले		4,00,000
			4,00,000				4,00,000
II वर्ष	शेष आ/ला		4,00,000	वर्षान्त	शेष आ/ले		4,00,000
III वर्ष	शेष आ/ला		4,00,000	वर्षान्त	शेष आ/ले		4,00,000
			4,00,000				4,00,000
IV वर्ष	शेष आ/ला		4,00,000	वर्षान्त	शेष आ/ले		4,00,000
			4,00,000				4,00,000
V वर्ष	शेष आ/ला		4,00,000	वर्षान्त	ह्रास पर प्रावधान		3,60,000
	लाभ हानि (वाहन के विक्रय पर लाभ)		10,000		बैंक		50,000
			4,10,000				4,10,000

वाहन पर ह्रास प्रावधान खाता

नाम जमा

तिथि	विवरण	रो.पृ.सं.	राशि रु	तिथि	विवरण	रो.पृ.सं.	राशि रु
I वर्ष	शेष आ/ला		90,000	वर्षान्त	ह्रास		90,000
			90,000				90,000

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

II वर्ष	शेष आ/ला		1,80,000	वर्षान्त	शेष आ/ले		90,000
					ह्रास		90,000
			1,80,000				1,80,000
III वर्ष	शेष आ/ला		2,70,000	वर्षान्त	शेष आ/ले		1,80,000
					ह्रास		90,000
			2,70,000				2,70,000
IV वर्ष	वाहन		3,60,000	वर्षान्त	शेष आ/ले		2,70,000
					ह्रास		90,000
			3,60,000				3,60,000

परिसम्पत्ति निपटान खाते की उपयोगिता

परिसम्पत्ति निपटान खाते की संरचना एक ही खाता शीर्ष के अर्न्तगत परिसम्पत्ति की बिक्री से संबन्धित सभी लेन-देनों को पूर्ण एवं स्पष्ट रूप से दिखाने के लिए की जाती है।संबंधित अन्य परिसम्पत्ति की मूल लागत, परिसम्पत्ति पर आज की तिथि तक संचित ह्रास, परिसम्पत्ति का विक्रय मूल्य सम्पत्ति का शेष भाग जिसे उपयोग के लिए रख लिया है एवं विक्रय से लाभ अथवा हानि, होते हैं।इसे खाते के शेष लाभ हानि में हस्तान्तिरित कर दिया जाता है।

इस पद्धति को जब परिसम्पत्ति के किसी भाग को बेचा जाता है एवं ह्रास पर प्रावधान खाता खुला हो तब अपनाया जाता है।

इस पद्धति के अन्तर्गत परिसम्पत्ति निपटान खाते के नाम से एक नया खाता खोला जाता है।बेची गई परिसम्पत्ति की मूल्य लागत को परिसम्पत्ति खाते के नाम पक्ष में एवं इस परिसम्पत्ति की निपटान तिथि तक ह्रास पर प्रावधान संचय खाते में स्थित संचित ह्रास राशि को परिसम्पत्ति निपटान खाते के जमा पक्ष में दर्शाया जाता है।इस विक्रय से वसूली गई शुद्ध राशि को इसी परिसम्पत्ति निपटान खाते के जमा में लिखा जाता है।परिसम्पत्ति निपटान खाते का शेष लाभ अथवा हानि को दर्शाता है जिसे लाभ-हानि खाते में हस्तान्तरित कर दिया जाता है।इस पद्धति का लाभ है कि यह सम्पत्ति निपटान से सम्बद्ध सभी लेन-देनों के एक ही स्थान पर पूरी तस्वीर प्रस्तुत

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

करता है।परिसम्पत्ति निपटान खाते को बनाने के लिए जिन रोजनामचों में प्रविष्टियों की अवश्यकता है वह इस प्रकार है:

1.	परिसम्पत्ति निपटान खाता परिसम्पत्ति खाते से	नाम	(मूल परिसम्पत्ति का विक्रय)
2.	ह्रास पर प्रावधान खाता परिसम्पत्ति निपटान खाते से	नाम	(ह्रास पर प्रावधान खाते पर संचित शेष)
3.	बैंक खाता परिसम्पत्ति निपटान खाते से	नाम	(शुद्ध विक्रय राशि)

परिसम्पत्ति निपटान खाता अन्त में नाम अथवा जमा शेष दिखाएगा।खाते का नाम शेष विक्रय पर हानि दिखाता है तथा इसकी प्रविष्टि इस प्रकार होगी:

लाभ-हानि खाता परिसम्पत्ति निपटान खाते से	नाम	(विक्रय से होने वाली हानि की राशि)

खाते का जमा शेष निपटान पर लाभ दर्शा रहा है एवं इसे निम्न रोजनामचा प्रविष्टि से बन्द किया जायेगा परिसम्पत्ति

निपटान खाता लाभ-हानि खाता	नाम	(विक्रय पर लाभ)

लाभ-हानि खाता

उदाहरण के लिये, 31 मार्च, 2017 को करण एन्टरप्राइजिज की बहियों में निम्न शेष थे

मशीनरी (सकल मूल्य) 6,00,000 रु.

ह्रास पर प्रावधान 2,50,000 रु.

1 नवम्बर, 2013 को 1,00,000 रु. में खरीदी गई एक मशीन जिस पर 60,000 रु. संचित ह्रास था,

1 अप्रैल, 2017 को 35,000 रु. में बेचा।इस स्थिति में परिसंपत्ति निपटान इस प्रकार तैयार किया जाएगा:

करण एंटरप्राईजिज

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

मशीन निपटान खाता

नाम जमा

तिथि	विवरण	रो.पृ.सं.	राशि रु	तिथि	विवरण	रो.पृ.सं.	राशि रु
2017				2017			
01 अप्रैल	मशीनरी		1,00,000	01 अप्रैल	ह्रास पर प्रावधान		60,000
				01 अप्रैल	बैंक		35,000
				2018			
				31 मार्च	लाभ-हानि (विक्रय पर हानि)		5,000[1]
			1,00,000				1,00,000

मशीनरी खाता

नाम जमा

तिथि	विवरण	रो.पृ.सं.	राशि रु	तिथि	विवरण	रो.पृ.सं.	राशि रु
2017				2017			
31 मार्च	शेष आ/ ला		6,00,000	01 अप्रैल	मशीन निपटान		1,00,000
				2018			
				31 मार्च	शेष आ/ले		5,00,000
			6,00,000				6,00,000

1. मशीन की बिक्री पर हानि की गणना

	रु.
बेची गई मशीनरी परिसम्पत्ति की मूल लागत	1,00,000
घटाया: संचित ह्रास	(60,000)
	40,000
2. विक्रय मूल्य वसूल किया	(35,000)
विक्रय पर हानि (आर्थात् 40,000 रु. – 35,000 रु.)	5,000

उदाहरण 6

01 जनवरी, 2015 को खोसला ट्रांसपोर्ट कम्पनी ने 20,000 रु. प्रति ट्रक की कीमत से पाँच ट्रक खरीदे।इन पर सीधी रेखा विधि से 10% की दर से ह्रास लगाया जा रहा है एवं ह्रास प्रावधान खाता बनाया गया है।1 जनवरी, 2016 को एक ट्रक को 15,000 रु. में बेच दिया दिया गया।01 जुलाई, 2017 को दूसरा ट्रक जिसे 2015 में 20,000 रु. में खरीदा गया था, 18,000 रु. में बेच

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

दिया गया।1 अक्टूबर, 2017 को 30,000 रु. की लागत का नया ट्रक खरीदा गया।यह मानते हुए कि फर्म अपने खाते प्रति वर्ष दिसंबर में बंद करती है, वर्ष समाप्ति दिसंबर 2015, 2016, एवं 2017 को ट्रक खाता, ह्रास पर प्रावधान एवं ट्रक निपटान खाता बनाइए।

खोसला ट्रांसपोर्ट कंपनी की पुस्तकें

ट्रक निपटान खाता

नाम जमा

तिथि	*विवरण*	*रो.पृ.सं.*	*राशि* रु	*तिथि*	*विवरण*	*रो.पृ.सं.*	*राशि* रु
2016							
1 जनवरी	ट्रक (ट्रक का क्रय)		20,000	2016 1 जनवरी	ह्रास पर प्रावधान		2,000
				1 जनवरी	बैंक (बिक्री)		15,000
				1 जनवरी	लाभ-हानि (विक्रय पर हानि)		3,000
			20,000				20,000
2017				2017			
1 जुलाई	ट्रक		20,000	01 जुलाई	ह्रास पर प्रावधान		5,000
1 जुलाई	लाभ-हानि (विक्रय पर लाभ)		3,000	31 दिसंबर	बैंक (विक्रय)		18,000
			23,000				23,000

ट्रक खाता

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

नाम जमा

तिथि	विवरण	रो.पृ.सं.	राशि रु	तिथि	विवरण	रो.पृ.सं.	राशि रु
2015				2015			
01 जनवरी	बैंक (ट्रक का क्रय)		1,00,000 1,00,000	31 दिसंबर	शेष आ/ले		1,00,000 1,00,000
2016				2016			
01 जनवरी	शेष आ/ला		1,00,000	01 जनवरी 31 दिसंबर	ट्रक निपटान शेष आ/ले		20,000 80,000
			1,00,000				1,00,000
2017				2017			
01 जनवरी 01 अक्टूबर	शेष आ/ला बैंक (नया ट्रक खरीदा)		80,000 30,000	01 जुलाई	ट्रक निपटान शेष आ/ले		20,000 9,000
			1,10,000				1,10,000

ट्रक पर ह्रास प्रावधान खाता

नाम जमा

तिथि	विवरण	रो.पृ.सं.	राशि रु	तिथि	विवरण	रो.पृ.सं.	राशि रु
2015				2015			
31 दिसंबर	शेष आ/ले		10,000	31 दिसंबर	ह्रास		10,000
			10,000				10,000
2016				2016			
01 जनवरी	ट्रक निपटान		2,000	01जनवरी	शेष आ/ला		10,000
31 दिसंबर	शेष आ/ले		16,000	31 दिसंबर	ह्रास		8,000
			18,000				18,000
2017				2017			
01 जनवरी	ट्रक निपटान		5,000	01 जनवरी	शेष		16,000
31 दिसंबर	शेष आ/ ले		18,750	31 दिसंबर	ह्रास (6,000 रु. + 1,000 रु. + 750 रु.)		7,750
			23,750				23,750

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

1.	मूल्य ह्रास राशि की गणना		रु.
	वर्ष 2015 1,00,000 पर 10% (एक वर्ष का)		10,000[1]
	वर्ष 2016 80,000 पर 10% (एक वर्ष का)		8,000[2]
	वर्ष - 2017		
	60,000 रु. पर 10% (1 वर्ष का)		6,000
	20,000 रु. पर 10% (6 मास का)		1,000
	30,000 रु. पर 10% (3 मास का)		750
			7,750[3]
2.	प्रथम ट्रक के विक्रय पर हानि:		
	जनवरी 01, 2015 को मूल लागत		20,000
	घटाया 10% से ह्रास		(2,000)
	जनवरी 01, 2016 को पुस्तक मूल्य		18,000
	विक्रय मूल्य		(15,000)
	प्रथम ट्रक के विक्रय पर हानि		3,000
3.	द्वितीय ट्रक के विक्रय पर लाभ:		
	द्वितीय ट्रक की मूल लागत		20,000
	(घटाया) ह्रास		
	2015	2,000	
	2016	2,000	
	2017 (जून, 2016 तक)	1,000	5,000
	द्वितीय ट्रक का पुस्तक मूल्य		15,000
	द्वितीय ट्रक का विक्रय मूल्य		18,000
	विक्रय पर लाभ		3,000

उदाहरण 7

मैं. कनिष्का ट्रेडर्स में 31 अप्रैल, 2015 को निम्न शेष थे ः फर्नीचर खाता 50,000 रु., फर्नीचर पर ह्रास पर प्रावधान 22,000 रु.।01 अक्टूबर, 2015 को फर्नीचर का एक भाग जिसे 01 अप्रैल, 2011 को खरीदा गया था, उसे 5,000 रु. में बेच दिया गया।उसी तिथि को 25,000 रु. लागत का नया फर्नीचर क्रय किया।ह्रास 10% वार्षिक दर से परिसम्पत्ति की मूल लागत पर लगाया गया।विक्रय वाले वर्ष में परिसम्पत्ति पर कोई ह्रास नहीं लगाया गया।वर्ष समाप्ति 31 मार्च, 2016 के लिये फर्नीचर खाता, एवं ह्रास पर प्रावधान खाता बनाइए।

हल-

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

कनिष्का ट्रेडर्स की पुस्तकें

फर्नीचर खाता

नाम **जमा**

तिथि	*विवरण*	*रो.पृ.सं.*	*राशि* रु	*तिथि*	*विवरण*	*रो.पृ.सं.*	*राशि* रु
2015				2015			
1 अप्रैल	शेष आ/ला		50,000	1 अक्टूबर	बैंक		5,000
1 अक्टूबर	बैंक		25,000	2016	ह्रास पर प्रावधान		8,000
				31 मार्च	लाभ-हानि (विक्रय पर हानि)		7,000[1]
					शेष आ/ले		55,000
			75,000				75,000

फर्नीचर पर ह्रास प्रावधान खाता

नाम **जमा**

तिथि	*विवरण*	*रो.पृ.सं.*	*राशि* रु	*तिथि*	*विवरण*	*रो.पृ.सं.*	*राशि* रु
2015				2015			
01 अक्टूबर	फर्नीचर (विक्रय किये फर्नीचर पर संचित ह्रास)		8,000	01 अप्रैल	शेष आ/ला		22,000
2016				2016			
31 मार्च	शेष आ/ले		18,250	31 मार्च	ह्रास (3,000 रु. + 1,250 रु.)		4,250[2]
			26,250				26,250

1. विक्रय पर हानि की गणना

	रु.
01.10.2015 को फर्नीचर की मूल लागत	20,000
घटाया 01.04.2011 से 31.04.2015 तक का मूल लागत पर 10% प्रति वर्ष की दर से चार वर्ष का ह्रास (बिक्री वर्ष में कोई ह्रास राशि नहीं)	(8,000)
01.10.2015 को फर्नीचर का मूल्य	12.000
विक्रय मूल्य	5,000
विक्रय पर हानि	7,000

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

2. विक्रय पर हानि की गणना

वर्ष 2015-16 का ह्रास :	
30,000 रु. पर 10% की दर से पूरे वर्ष का ह्रास	3,000
(50,000 – 20,000 रु.)	
25,000 रु. पर 10% की दर से 6 मास का ह्रास	1,250
	4,250[2]

उदाहरण 8

उदाहरण 7 को हल करें - यदि फर्म फर्नीचर खाता एवं फर्नीचर पर ह्रास प्रावधान खाते के साथ फर्नीचर निपटान खाता भी बना रही है।

कनिष्का ट्रेडर्स
फर्नीचर खाता

नाम जमा

तिथि	विवरण	रो.पृ.सं.	राशि रु	तिथि	विवरण	रो.पृ.सं.	राशि रु
2015				2015			
01 अप्रैल	शेष आ/ला		50,000	अप्रैल	फर्नीचर निपटान		20,000
01 अक्टूबर	बैंक		25,000	2016			
				31 मार्च	शेष आ/ले		55,000
			75,000				75,000

ह्रास खाता

नाम जमा

तिथि	विवरण	रो.पृ.सं.	राशि रु	तिथि	विवरण	रो.पृ.सं.	राशि रु
2015				2015			
01 अक्टूबर	फर्नीचर निपटान		8,000	01 अप्रैल	शेष आ/ला		22,000
2016				2016			
31 मार्च	शेष आ/ले		18,250	31 मार्च	ह्रास		4,250
			26,250				26,250

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

फर्नीचर निपटान खाता

नाम **जमा**

तिथि	विवरण	रो.पृ.सं.	राशि रु	तिथि	विवरण	रो.पृ.सं.	राशि रु
2015 01 अक्टूबर	फर्नीचर		20,000	2015 01 अक्टूबर	ह्रास पर प्रावधान बैंक लाभ-हानि (विक्रय पर हानि)		8,000 5,000 7.000
			20,000				20,000

उदाहरण 9

1 जनवरी, 2012 को जैन एण्ड संस ने 2,00,000 रु. में एक पुराना संयन्त्र खरीदा एवं 10,000 रु. इसकी काया कल्प पर व्यय किये।50,000 रु. इसके भाड़े एवं स्थापना पर व्यय किये।20% वार्षिक से क्रमागत विधि से ह्रास लगाने का निर्णय लिया गया।31 जुलाई, 2015 को संयन्त्र में आग लग गई तथा बीमा कंपनी ने 50,000 रु. का दावा स्वीकार किया।यह मानते हुए कि फर्म की पुस्तकें प्रत्येक वर्ष 31 दिसंबर को बंद की जाती हैं, संयंत्र खाता, ह्रास पर प्रावधान खाता और संयंत्र निपटान खाता बनाएँ।

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

जैन एण्ड संस की पुस्तकें
संयन्त्र खाता

नाम **जमा**

तिथि	*विवरण*	*रो.पृ.सं.*	*राशि* रु	*तिथि*	*विवरण*	*रो.पृ.सं.*	*राशि* रु
2012				2012			
01 जनवरी	बैंक		2,15,000	31 दिसंबर	शेष आ/ले		2,15,000
			2,15,000				2,15,000
2013				2012			
1 जनवरी	शेष आ/ला		2,15,000	31 दिसंबर	शेष आ/ले		2,15,000
			2,15,000				2,15,000
2014				2013			
1 जनवरी	शेष आ/ला		2,15,000	31 दिसंबर	शेष आ/ले		2,15,000
			2,15,000				2,15,000
2015				2014			
1 जनवरी	शेष आ/ला		2,15,000	3 जुलाई	संयन्त्र निपटान		2,15,000
			2,15,000				2,15,000

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

संयन्त्र पर ह्रास प्रावधान खाता

नाम **जमा**

तिथि	*विवरण*	*रो.पृ.सं.*	*राशि* रु	*तिथि*	*विवरण*	*रो.पृ.सं.*	*राशि* रु
2012				2012			
31 दिसंबर	शेष आ/ले		43,000	31 दिसंबर	ह्रास		43,000
			43,000				43,000
2013				2013			
01 जनवरी	शेष आ/ले		77,400	01 जनवरी	शेष आ/ला		43,000
					ह्रास		34,400[2]
			77,400				77,400
2014				2014			
31 दिसंबर	शेष आ/ले		1,04,920	01 जनवरी	शेष आ/ला		77,400
				31 दिसंबर	ह्रास		27,520[3]
			1,04,920				1,04,920
2015				2015			
31 जुलाई	संयंत्र निपटान		1,17,763	01 जुलाई	शेष आ/ला		77,400
				31 जुलाई	ह्रास		12,843[4]
			1,17,763				1,77,763

संयन्त्र निपटान खाता

नाम **जमा**

तिथि	*विवरण*	*रो.पृ.सं.*	*राशि* रु	*तिथि*	*विवरण*	*रो.पृ.सं.*	*राशि* रु
2015				2015			
31 जुलाई	संयन्त्र		2,15,000	31 जुलाई	ह्रास पर प्रावधान		1,77,763
					बीमा कंपनी		50,000
					लाभ-हानि		47,237[5]
			2,15,000				2,15,000

कार्यकारी टिप्पणी

1. ह्रास राशि की गणना रु
   मूल लागत 01.01.2012 2,15,000

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

(2,00,000 रु. + 10,000 रु. + 5,000 रु.)	
वर्ष 2012 के लिए ह्रास	
2,15,000 रु. 20%	43,000[1]
	1,72,000
वर्ष 2013 के लिए ह्रास	
(@ 20%, 1,72,000 पर)	34,400[2]
वर्ष 2014 के लिए ह्रास	1,37,600
@20% 1,10,080 रु. पर	27,520[3]
	1,10,080
ह्रास 31.07.15 तक	12,843[4]
(@ 20% 1,10,080 रु. पर)	97,237
बीमा दावा	(50,000)
निपटान पर हानि	47,237[5]

वर्तमान परिसम्पत्ति में बढ़ोत्तरी एवं विस्तार

वर्तमान परिसम्पत्ति को परिचालन के योग्य बनाने के लिए कुछ वृद्धि अथवा विस्तार की आवश्यकता होती है।यह वृद्धि विस्तार परिसम्पत्ति का सम्पूर्ण भाग बन भी सकता है और नहीं भी।इस वृद्धि विस्तार पर व्यय की गई राशि को पंजीकृत कर परिसंपत्ति के जीवन के दौरान अपलिखित किया जाता है।यहाँ यह बताना आवश्यक है कि इस प्रकार से व्यय की गई राशि मरम्मत एवं रखरखाव खर्चों से अतिरिक्त होती है।लेखांकन मानक – 6 (संशोधित) में दिया गया है कि-

1. किसी भी परिसम्पत्ति में वृद्धि अथवा विस्तार जो उसका सम्पूर्ण भाग बन चुकी है, के उस परिसम्पत्ति के उपयोगी जीवन काल में ह्रास लगाकर समाप्त कर देना चाहिए।

2. इस वृद्धि अथवा विस्तार पर ह्रास उसी दर पर लगाया जा सकता है जिस दर पर विद्यमान परिसम्पत्ति पर लगाया जा रहा है।

3. जहाँ वृद्धि अथवा विस्तार का स्वतन्त्र अस्तित्व होता है एवं जिसे विद्यमान परिसम्पत्ति के निपटान के पश्चात उपयोग में लाया जा सकता है वहाँ ऐसी परिसम्पत्ति पर स्वतन्त्र रूप से इसके अपने उपयोगी जीवन पर ह्रास लगाना चाहिए।

उदाहरण 10

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

मै. डिजीटल स्टूडियो ने 1 अप्रैल, 2013 को 8,00,000 रु. में एक मशीन खरीदी।इसकी मूल लागत पर 20% की दर से सीधी रेखा विधि से लगाया गया।1 अप्रैल, 2015 की 80,000 रु. की लागत से इस मशीन की कार्यक्षमता बढ़ाने के लिए ठोस परिवर्तन किये गये।इस राशि पर 20% से सीधी रेखा विधि से ह्रास लगाना है।वर्ष 2013-14 में समान्य रखरखाव व्यय 2,000 रु. किये गये।

वर्ष समाप्ति 31 मार्च 2013 के लेखा वर्ष के लिए मशीन खाता, मशीन पर ह्रास प्रावधान खाता बनाएँ।साथ ही लाभ-हानि खाते नाम में की जाने वाली राशि को ज्ञात करें।

हल

मशीन खाता

नाम जमा

तिथि	विवरण	रो.पृ.सं.	राशि रु	तिथि	विवरण	रो.पृ.सं.	राशि रु
2015				2016			
01 अप्रैल	शेष आ/ला		8,00,000	31 मार्च	शेष आ/ले		8,80,000
	बैंक		80,000				
			8,80,000				8,80,000

मशीन पर ह्रास प्रावधान खाता

तिथि	विवरण	रो.पृ.सं.	राशि रु	तिथि	विवरण	रो.पृ.सं.	राशि रु
2016				2015			
31 मार्च	शेष आ/ले		4,96,000	01 अप्रैल	शेष आ/ले		3,20,000[1]
			4,96,000				3,20,000
				2016			
				31 मार्च	ह्रास		1,76,000
			4,96,000				4,96,000

कार्यकारी टिप्पणी

रूपान्तर लागत का पूँजीकरण किया गया है लेकिन साधारण मरम्मत खर्चों को आगम व्यय माना गया है

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

2. 01. 04.2013 को ह्रास पर प्रावधान खाते के शेष की गणना
01.01.2011 को मूल लागत 8.00.000 रु.
वर्ष 2011-12 व 2012-13 के लिए ह्रास राशि 3,20,000 रु.
(8,00,000 रु. पर 20% ह्रास)

3. 2013-14 के लिए ह्रास की गणना इस प्रकार से की गई है:

8,00,000 रु. का 20%	1,60,000 रु.
80,000 रु. का 20%	16,000 रु.
2015-16 का कुल मूल्य ह्रास	1,76,000

4. लाभ हानि खाते में नाम की जानेवाली राशि

ह्रास	1,76,000 रु.
मरम्मत एवं रखरखाव	2,000 रु.

उदाहरण 11

01 अप्रैल, 2015 को मै. निशित प्रिंटिंग प्रेस ने एक प्रिंटिंग मशीन खरीदी।ह्रास मूल लागत पर 20% से सीधी रेखा विधि से लगाया गया।01 अप्रैल, 2017 को मशीन की तकनीकी योग्यता को बढ़ाने के लिए इसके रूपान्तर पर 70,000 रु. व्यय किए।वैसे इस रूपान्तर से मशीन के उपयोगी जीवन में वृद्धि की संभावना नहीं है।अधिक घिसावट के कारण मशीन के एक महत्त्वपूर्ण घटक को बदल दिया गया इस पर 20,000 रु. खर्च आया।2013-14 में 5.000 रु. साधारण रखरखाव व व्यय 5,000 रु. थे।

लेखा वर्ष 31 मार्च, 2018 की समाप्ति के लिए मशीन खाता, ह्रास पर प्रावधान खाता तैयार करें।साथ ही लाभ-हानि खाते के नाम पक्ष में लिखी जाने वाली राशि को ज्ञात करें।

हल

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

मशीन खाता

नाम **जमा**

तिथि	विवरण	रो.पृ.सं.	राशि रु	तिथि	विवरण	रो.पृ.सं.	राशि रु
2017			2018				
1 अप्रैल	शेष आ/ला		6,80,000	31 मार्च	शेष आ/ले		7,70,000
	बैंक		70,000				
	बैंक		20,000				
			7,70,000				7,70,000

मशीन पर ह्रास प्रावधान खाता

नाम **जमा**

तिथि	विवरण	रो.पृ.सं.	राशि रु	तिथि	विवरण	रो.पृ.सं.	राशि रु
2018				2017			
31 मार्च	शेष आ/ले		4,26,000	1 अप्रैल	शेष आ/ला		2,72,000[1]
				2018			
				31 मार्च	ह्रास		1,54,000[2]
			4,26,000				4,26,000

		रु.
1.	वर्ष 2015 के लिए मशीन की लागत	6,80,000 रु.
	2015-16 और 2016-17 के लिए मूल्य ह्रास	$2\left[\frac{20}{100}\times 6,80,000\right]$
		2,72,000 रु.
2.	वर्ष 2017-18 के लिए मूल्य ह्रास	6,80,000
	रु. $6,80,000\times\frac{20}{100}$	1,36,000 रु.
	रु. $90,000\times\frac{20}{100}$	18,000 रु.
	(अर्थात 70,000 रु. + 20,000 रु.	
	वर्ष 2017-18 पर मूल्य ह्रास	1,54,000 रु.

प्रावधान

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

कुछ खर्चे, हानियाँ वर्तमान लेखा वर्ष से सम्बन्धित होते हैं क्योंकि यह व्यय अभी किये नहीं गये हैं इसलिए इनकी राशि सुनिश्चित नहीं है।सही शुद्ध लाभ निकालने के लिए ऐसी मदों के लिए प्रावधान करना आवश्यक है।उदाहरण के लिए एक व्यापारी को जो उधार विक्रय करता है उसे पता है कि चालू वर्ष के कुछ देनदार या तो कुछ भी भुगतान नहीं करेंगे या आंशिक भुगतान करेंगे।सतर्कता एवं रूढ़िवादिता के संकल्पना के अनुसार सही एवं उचित लाभ-हानि की गणना के लिए।इसीलिए व्यापारी देनदारों से वसूली के समय संभावित हानि से बचाव के लिए संदिग्ध ऋण के लिए प्रावधान करता है।इसी प्रकार से स्थाई परिसम्पत्तियों की संभावित मरम्मत एवं नवीनीकरण के लिए प्रावधान कर सकता है।प्रावधानों के उदाहरण इस प्रकार हैं:

1. ह्रास के लिए प्रावधान
2. डूबत एवं संदिग्ध ऋण के लिए प्रावधान
3. कर के लिए प्रावधान
4. देनदारों पर छूट के लिए प्रावधान
5. मरम्मत एवं नवीनीकरण के लिए प्रावधान

प्रावधानों का लेखांकन

सभी प्रकार के प्रावधानों का लेखांकन लगभग एक जैसा होता है।इसी लिए यहां संदिग्ध ऋणों के लिए प्रावधान के लेखांकन व्यवहार को उदाहरण स्वरूप समझाया गया है।

जैसा कि पहले बताया जा चुका है जब भी व्यावसायिक लेन-देन उधार किया जाता है तो देनदार खाता बनाया जाता है तथा इसके शेष को तुलन-पत्र की परिसम्पत्ति की ओर दर्शाया जाता है।यह देनदार तीन प्रकार के हो सकते हैं

1. सही देनदार वह होते हैं जिनसे वसूली निश्चित है।
2. डूबत ऋण वह देनदार हैं जिनसे वसूली की कोई सम्भावना नहीं है तथा हानि की राशि जमा में लिखी जाएगी।

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

3. संदिग्ध ऋण वह देनदार होते हैं जो भुगतान तो करेंगे लेकिन उनसे पूरी राशि की वसूली की आशा नहीं है।व्यवसाय के अनुभव से पता लगता है एेसे देनदारों का कुछ प्रतिशत भुगतान नहीं करेगा इसलिए इन्हें संदिग्ध ऋण माना जाएगा।यदि संदिग्ध देनदार भुगतान नहीं करते हैं तो सही लाभ अथवा हानि निकालने के लिए एेसी संभावित हानि के लिए यह एक सामान्य व्यवहार है (एवं आवश्यक भी) कि संदिग्ध ऋणों के लिए आवश्यक प्रावधान किया जाए।संदिग्ध ऋणों के लिए प्रावधान कुल देनदारों पर सभी डूबत ऋण, जिनकी पहले से ही जानकारी है, को घटाकर एक निश्चित प्रतिशत से किया जाता है।संदिग्ध ऋणों के लिए प्रावधान को डूबत एवं संदिग्ध ऋणों के लिए प्रावधान भी कहते हैं।इस प्रकार के प्रावधान के सृजन के लिए प्रावधान की राशि लाभ हानि खाते के नाम और संदिग्ध ऋणों के लिए प्रावधान खाते के जमा में लिखी जाती है।

संदिग्ध ऋणों के प्रावधान के लिए निम्न रोजनामचा प्रविष्टि की जाएगी:

लाभ हानि खाता नाम (प्रावधान की राशि से)

संदिग्ध ऋण खाते से

तिथि	*खाते के नाम*		*नाम खाता (रु.)*	*जमा खाता (रु.)*
	कुल देनदार		68,000	

अतारिक्त सूचना

- डूबत ऋण जिनका लेखा नहीं किया गया 8,000 रु.।
- देनदारों पर 10% से प्रावधान करना है।

संदिग्ध ऋणों के प्रावधान के लिए निम्न रोजनामचा प्रविष्टि की जाएंगी:

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

रोजनामचा

तिथि 2015	विवरण	खा.पृ.	नाम राशि (रु.)	जमा राशि (रु.)
31 मार्च	अशोध्य ऋण खाता नाम		8,000	
	कुल देनदार खाते से			8,000
	(अशोध्य ऋण घटाए गये)			
31 मार्च	लाभ हानि खाता नाम		8,000	
	डूबत ऋण खाते से			8,000
	(अशोध्य ऋण लाभ हानि खाते के नाम लिखे गये)			
31 मार्च	लाभ हानि खाता नाम		6,000	
	संदिग्ध ऋण के लिए प्रावधान खाते से			6,000
	(संदिग्ध ऋणों के लिए प्रावधान का सृजन)			

कार्यकारी टिप्पणी

कुल देनादारों पर 10% से संदिग्ध ऋणों के लिए प्रावधान अर्थात्

(68,000 रु. - 8,000 रु.) = 60,000 रु.

संचय

लाभ के एक भाग को अलग रखकर व्यवसाय में संचित किया जा सकता है।इससे विकास एवं विस्तार जैसी भविष्य की आवश्यकताओं की पूर्ति अथवा कर्मचारियों की क्षति पूर्ति जैसी भविष्य की आकस्मिक आवश्यकताओं की पूर्ति की जा सकती है।संचय सृजन से यह संभव है।प्रावधान भिन्न व्यवसाय की वित्तीय स्थिति को सुदृढ़ करने के लिए संचय लाभ का समायोजन है।संचय लाभ पर व्यय भार नहीं है।इसका उपयोग भविष्य में किसी देयता के भुगतान या सम्भावित हानि की पूर्ति के लिए नहीं किया जाता है।

संचय के रूप में लाभ को रोक लेने से व्यवसाय के स्वामियों में वितरण के लिए राशि कम रह जाएगी।इसे तुलन-पत्र के देयता पक्ष की ओर पूँजी की मद के पश्चात् संचय एवं आधिक्य शीर्षक में दिखाया जाता है।

संचय के उदाहरण इस प्रकार हैं:

1. सामान्य संचय

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

2. कर्मचारी क्षति पूरक कोष
3. निवेश परिवर्तन कोष
4. पूँजी संचय
5. लाभांश समानीकरण
6. ऋण-पत्रों के शोधन के लिए संचय

संचय एवं प्रावधान में अन्तर

	अन्तर का आधार	*प्रावधान*	*संचय*
1.	मूल प्रकृति	लाभ पर प्रभार	लाभ का समायोजन
2.	उद्देश्य	इसका सृजन चालू लेखा वर्ष की पहले से ही दी गई देनदारी अथवा खर्च के लिए किया जाता है लेकिन जिसकी राशि निश्चित न हो।	इसको व्यवसाय की वित्तीय स्थिति को सुदृढ़ करने के लिए बनाया जाता है।
3.	कर योग्य लाभ पर प्रभाव	इससे कर योग्य लाभ कम हो जाता है	इसका कर योग्य लाभ पर कोई प्रभाव नहीं पड़ता है
4.	तुलन पत्र में प्रस्तुतिकरण	इसे (i) परिसम्पत्ति की ओर उस मद में से घटा कर दिखाया जाता है जिसके लिए इसका सृजन किया गया है (ii) चालू देनदारी के साथ देयता पक्ष की ओर दिखाया जाता है।	इसे देयता पक्ष की ओर पूँजी के पश्चात दिखाया जाता है।
5.	अनिवार्यता	प्रावधान की व्यवस्था सतर्कता एवं रूढ़ीवादिता की संकल्पना के अनुरूप सही एवं उचित लाभ एवं हानि ज्ञात करने के लिए आवश्यक है। लाभ न होने पर भी इसकी व्यवस्था की जाती है।	समान्यत: संचय का प्रावधान प्रबन्ध की इच्छा पर निर्भर करता है। लाभ न होने पर संचय करना संभव नहीं है। वैसे कुछ मामलों में कानून ने विशिष्ट संचय जैसे ऋण-पत्र शोधन संचय अनिवार्य कर दिया है।
6.	लाभांश के भुगतान के लिए उपयोग	इसका उपयोग लाभांश के लिए नहीं किया जा सकता	इसका उपयोग लाभांश वितरण के लिए किया जा सकता है।

संचय के प्रकार

व्यवसाय के लाभ को रोक कर संचय का निर्माण या तो सामान्य या फिर विशिष्ट उद्देश्य के लिए हो सकता है।

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

(1) सामान्य संचय: जब संचय निर्माण का कोई निश्चित उद्देश्य नहीं होता है तो इसे सामान्य संचय कहते हैं।इसे स्वतन्त्र संचय भी कहते हैं क्योंकि प्रबन्धक इसे स्वतन्त्र संचय से किसी भी उद्देश्य के लिए उपयोग कर सकते हैं।सामान्य संचय व्यवसाय की वित्तीय स्थिति को सुदृढ़ करते हैं।

(2) विशिष्ट संचय: विशिष्ट संचय वह संचय होते हैं जिनका निर्माण एक विशिष्ट उद्देश्य के लिए किया जाता है एवं इसका उपयोग इन्हीं उद्देश्यों के लिए किया जा सकता है।विशिष्ट संचय के कुछ उदाहरण नीचे दिये हैं:

(i) लाभांश समानीकरण संचय: इस संचय निर्माण लाभांश की दर को स्थिर रखने या समान रखने के लिए किया जाता है।लाभ के अधिक होने वाले वर्ष में राशि को लाभांश समानीकरण संचय में हस्तान्तरित कर दिया जाता है।यदि किसी वर्ष में लाभ कम हुआ है तो इस संचय की हुई राशि को लाभांश की दर को समान रखने के लिए उपयोग में लाया जाता है।

(ii) कर्मचारी क्षतिपूर्ति कोष: इसका निर्माण दुर्घटना आदि के कारण कर्मचारियों के दावों के लिए प्रावधान करने के लिए किया जाता है।

(iii) विनियोग परिवर्तनशील कोष: इसका निर्माण बाजार में उतार चढ़ाव के कारण विनियोग की कीमत में कमी को पूर्ति के लिए किया जाता है।

(iv) ऋण शोधन संचय: इस संचय का सृजन ऋण पत्रों के शोधन के लिए कोष को व्यवस्थित करने के लिए किया जाता है।संचय को, लाभ की प्रकृति के अनुसार जिसमें से इसका सृजन किया गया है, को आयगत संचय एवं पूँजीगत संचय में वर्गीकृत किया गया है।

(क) आयगत संचय: आयगत संचय में उन आयगत लाभों में सृजन किया जाता है जो व्यवसाय की सामान्य संचालन क्रियायों का परिणाम होते हैं अन्यथा जो लाभांश वितरण के लिए स्वतंत्र रूप से उपलब्ध हैं।आयगत संचय के उदाहरण हैं:

- सामान्य संचय
- कर्मचारी क्षतिपूर्ति कोष
- निवेश परिवर्तन कोष

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

- लाभांश समानीकरण संचय
- ऋण पत्र शोधन संचय का निर्माण

(ख) पूँजीगत संचय: पूँजीगत संचय, पूँजीगत लाभों में से किया जाता है।यह लाभ सामान्य संचयलन गतिविधियों के कारण नहीं होते हैं।यदि कम्पनी है तो इस संचय का उपयोग पूँजीगत हानियों को समाप्त करने अथवा बोनस अंशों के निर्गमन के लिए किया जाता है।

पूँजीगत लाभ जिन्हें पूँजीगत संचय माना जाता है चाहे उन्हें इस रूप में हस्तान्तरित किया गया हो अथवा नहीं, के उदाहरण हैं:

- अंश अथवा ऋणपत्रों के जारी करने पर प्रिमियम
- स्थाई परिसम्पत्ति के विक्रय पर लाभ
- ऋण पत्रों के शोधन पर लाभ
- स्थाई परिसम्पत्ति एवं देयताओं के पूर्नमूल्यांकन पर लाभ, समामेलन से पूर्व लाभ
- जब्त किये गये अंशों के पुनः निर्गमन पर लाभ

आयगत एवं पूँजीगत संचय में अन्तर

	अन्तर का आधार	*आयगत संचय*	*पूंजीगत संचय*
1.	सृजन का स्रोत	इसका सृजन आयगत लाभ में से किया जाता है जो कि व्यवसाय की सामान्य परिचाल क्रियायों से पैदा होता है अन्यथा जो लाभांश वितरण के लिए उपलब्ध रहता है।	इसका निर्माण मूलत: पूँजीगत लाभ में से होता है जो व्यवसाय के सामान्य परिचालन का परिणाम नहीं होते और ना ही उनका लाभांश वितरण के लिए उपयोग किया जा सकता है। यद्यपि आयगत लाभों को भी इसके लिये प्रयुक्त किया जा सकता है।
2.	उद्देश्य	इसका सृजन वित्तीय स्थिति को सुदृढ़ करने, अप्रत्याशित सम्भाव्यों का भुगतान करने या फिर विशिष्ट उद्देश्य के लिए किया जाता है।	इसका सृजन कानूनी औपचारिकताओं अथवा लेखांकन रीतियों को निभाने के लिए किया जाता है।
3.	उपयोग	विशिष्ट आयगत संचय को उद्देश्य के लिए ही उपयोग किया जा सकता है जबकि सामान्य संचय का लाभांश वितरण सहित किसी भी अन्य उद्देश्य के लिए उपयोग किया जा सकता है।	इसे प्रचलित कानून में निर्धारित उद्देश्य की पूर्ति के लिए उपयोग किया जा सकता है। जैसे पूँजीगत कृतियों को लेखा पुस्तकों में से समाप्त करना या बोनस अंश जारी करना

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

संचय का महत्व

एक व्यावसायिक फर्म के लिए भविष्य में होने वाले अप्रत्याशित खर्चे एवं हानियों से बचाव के लिए कोई भी उचित प्रणाली स्थापित करना उचित रहेगा।कुछ मामलों में उसके लिए अधिक उचित रहेगा कि व्यवसाय के स्वामी लाभ में से कम भाग को निकाले जिससे कि कुछ महत्त्वपूर्ण आवश्यकताओं की पूर्ति हेतु व्यवसाय की साधनों को बचाकर रखा जा सके।एेसी किसी आवश्यकता का एक उदाहरण व्यवसाय परिचालन के पैमाने को विस्तार की आवश्यकता है।व्यावसायिक एवं लेखांकन में संचय की आवश्यकता का औचित्य सिद्ध करती है।इस प्रकार से जो राशि अलग से रखी जायेगी वह निम्न उद्देश्यों के लिए होगी:

- भविष्य में होने वाली किसी भी आकस्मिक आवश्यकता के लिए।
- व्यवसाय की साधारण वित्तिय स्थति को सुदृढ़ करने के लिए।
- ऋण-पत्रों जैसी दीर्घ अवधि देयताओं के शोधन के लिए।

गुप्त संचय

गुप्त संचय वह संचय होता है जिसे तुलन-पत्र में नहीं दिखाया जाता।यह दिखाये जाने वाले लाभ एवं कर देयता को कम पर दिखाने में सहायक होता है।कमी के समय में अधिक लाभ दिखाने के लिए गुप्त संचय को लाभ में मिला दिया जाता है।प्रबन्धक उचित से अधिक ह्रास लगाकर गुप्त संचय का सृजन करते हैं।इसे गुप्त संचय इसलिए कहा जाता है क्योंकि बाहर के अंश धारकों को इसका ज्ञान नहीं होता है।गुप्त संचय का सृजन निम्न ढंग से भी किया जा सकता है।

- रहतिया/स्कन्ध का अवमूल्यन।
- पूँजीगत व्यय का लाभ-हानि खाते में लिखना संदिग्ध ऋणों के लिए आवश्यकता से अधिक प्रावधान करना।
- सम्भाव्य देयता को वास्तविक देयता दिखाना।

उचित सीमा तक गुप्त संचय के निर्माण को युक्ति संगत एवं सतर्कता तथा अन्य फर्मों से प्रतियोगिता को रोकने के लिए उचित ठहराया जा सकता है।

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

NCERT SOLUTIONS

प्रश्न (पृष्ठ संख्या 304 - 309)

लघुउत्तरीय प्रश्न:

प्रश्न 1 ह्रास क्या है?

उत्तर – सम्पत्ति के लगातार प्रयोग से उसके मूल्य में होने वाली कमी को मूल्य-ह्रास कहते हैं।

प्रश्न 2 ह्रास की आवश्यकता को संक्षेप में बताइये।

उत्तर – ह्रास की आवश्यकता निम्न कारणों से होती है:

1. आगम एवं लागत का मिलान
2. कर के लिए महत्त्व
3. सत्य एवं उचित वित्तीय स्थिति
4. कानून का अनुपालन
5. सम्पत्ति का पुनर्स्थापन
6. सम्पत्ति का सही मूल्य ज्ञात करना।

प्रश्न 3 ह्रास के क्या कारण हैं?

उत्तर – ह्रास के निम्नलिखित कारण हैं:

1. क्षय एवं घिसावट अथवा समय की समाप्ति के कारण मूल्य में कमी
2. कानूनी अधिकार की समाप्ति
3. अप्रचलन
4. असामान्य तत्व-दुर्घटना आदि।

प्रश्न 4 ह्रास की राशि को प्रभावित करने वाले तत्वों (Factors) को समझाइए।

उत्तर – किसी भी सम्पत्ति के मूल्य-हास की राशि को अग्र तत्व प्रभावित करते हैं:

1. सम्पत्ति का लागत मूल्य (Actual Cost of an Asset)

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

2. म्पत्ति का विस्तार (Expansion of Assets)
3. कार्य परिस्थितियाँ (Working Conditions)
4. मरम्मत का प्रबन्ध (Arrangement of Repairs)
5. सम्पत्ति का अनुमानित जीवन काल (Estimated Life of Assets)

प्रश्न 5 ह्रास की गणना करने की सीधी रेखा विधि एवं क्रमागत विधि में अन्तर्भेद कीजिए।

उत्तर –

अन्तर का आधार	सीधी रेखा विधि (Striaght Line Method)	क्रमागत विधि (Diminishing Balance Method)
1. मूल्य-ह्रास	इस विधि में मूल्य-ह्रास प्रति वर्ष समान रहता	इस विधि में मूल्य-ह्रास प्रति वर्ष घटता
2. मूल्य-ह्रास की‘गणना	इस विधि में मूल्य-ह्रास की गणना मूल लागत पर की जाती है।	इस विधि में मूल्य-ह्रास की गणना अपलिखित मूल्य पर की जाती है।
3. आयकर कानूनद्वारा मान्य	यह विधि आयकर कानून के अन्तर्गत मान्य नहीं	यह विधि आयकर कानून के अन्तर्गत मान्य है।
4. उपयुक्तता	यह विधि उन सम्पत्तियों के लिए उपयुक्त होती है जिनमें मरम्मत (Repair) के कम खर्चे होते हैं तथा अप्रचलन की सम्भावना कम होती है।	यह विधि उन सम्पत्तियों के लिए उपयुक्त होती है जिन पर तकनीकी परिवर्तन का प्रभाव पड़ता है।

SHIVOM CLASSES 8696608541

प्रश्न 6 दीर्घ अवधि की परिसम्पत्तियों के मरम्मत व रख-रखाव व्ययों में बाद के वर्षों में पहले के वर्षों की अपेक्षा वृद्धि की सम्भावना रहती है।यदि प्रबन्धक मूल्य-ह्रास एवं मरम्मत के कारण लाभ-हानि खाते पर भार बढ़ाना नहीं चाहें तो मूल्य-ह्रास लगाने की कौनसी विधि उपयुक्त है?

उत्तर – क्रमागत शेष विधि का उपयोग करना उचित होगा।

प्रश्न 7 ह्रास का लाभ-हानि खाते एवं तुलन-पत्र पर क्या प्रभाव पड़ेगा?

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

उत्तर – लाभ-हानि खाते में लाभ कम हो जाता है व तुलन-पत्र में सम्पत्ति का मल्य कम हो जाता है।

प्रश्न 8 प्रावधान व संचय में अन्तर्भेद कीजिए।

उत्तर –

	अन्तर का आधार	*प्रावधान*	*संचय*
1.	मूल प्रकृति	लाभ पर प्रभार	लाभ का समायोजन
2.	उद्देश्य	इसका सृजन चालू लेखा वर्ष की पहले से ही दी गई देनदारी अथवा खर्च के लिए किया जाता है लेकिन जिसकी राशि निश्चित न हो।	इसको व्यवसाय की वित्तीय स्थिति को सुदृढ़ करने के लिए बनाया जाता है।
3.	कर योग्य लाभ पर प्रभाव	इससे कर योग्य लाभ कम हो जाता है	इसका कर योग्य लाभ पर कोई प्रभाव नहीं पड़ता है
4.	तुलन पत्र में प्रस्तुतिकरण	इसे (i) परिसम्पत्ति की ओर उस मद मे से घटा कर दिखाया जाता है जिसके लिए इसका सृजन किया गया है (ii) चालू देनदारी के साथ देयता पक्ष की ओर दिखाया जाता है।	इसे देयता पक्ष की ओर पूँजी के पश्चात दिखाया जाता है।
5.	अनिवार्यता	प्रावधान की व्यवस्था सतर्कता एवं रूढ़ीवादिता की संकल्पना के अनूरूप सही एव उचित लाभ एवं हानि ज्ञात करने के लिए आवश्यक है। लाभ न होने पर भी इसकी व्यवस्था की जाती है।	समान्यत: संचय का प्रावधान प्रबन्ध की इच्छा पर निर्भर करता है। लाभ न होने पर संचय करना संभव नहीं है। वैसे कुछ मामलों में कानून ने विशिष्ट संचय जैसे ऋण-पत्र शोधन संचय अनिवार्य कर दिया है।
6.	लाभांश के भुगतान के लिए उपयोग	इसका उपयोग लाभांश के लिए नहीं किया जा सकता	इसका उपयोग लाभांश वितरण के लिए किया जा सकता है।

SHIVOM CLASSES 8696608541

प्रश्न 9 प्रावधान एवं संचय के चार-चार उदाहरण दीजिए।

उत्तर –

प्रावधान:

1. देनदारों पर छूट के लिए आयोजन।

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

2. डूबत व संदिग्ध ऋणों के लिए आयोजन।
3. मरम्मत तथा नवीनीकरण के लिए आयोजन।
4. मूल्य-ह्रास के लिए आयोजन।

संचय:

1. सामान्य संचय (General Reserve)
2. लाभांश समानीकरण कोष (Dividend Equalisation Fund)
3. पूँजी संचय (Capital Reserve)
4. ऋण-पत्रों के शोधन के लिए संचय (Reserve for Redemption of Debenture)

प्रश्न 10 आगम संचय व पूँजी संचय में अन्तर्भेद कीजिए।

उत्तर –

अन्तर का आधार	आगम संचय	पूँजी संचय
1. सृजन का स्रोत	इसका सृजन आयगत लाभों से किया जाता है।	इसका सृजन पूँजीगत लाभों से किया जाता है।
2. उद्देश्य	इसका निर्माण वित्तीय स्थिति को सुदृढ़ करने या विशिष्ट उद्देश्य के लिए किया जाता है।	इसका निर्माण कानूनी औपचारिकताओं को निभाने के लिए किया जाता है।
3. उपयोग	इसका उपयोग विशिष्ट उद्देश्य के लिए किया जाता है।	इसका उपयोग कानूनी उद्देश्यों की पूर्ति के लिए किया जाता है।

प्रश्न 11 आगम संचय व पूँजीगत संचय के चार उदाहरण दीजिए।

उत्तर –

आगम संचय:

- सामान्य संचय,
- कर्मचारी क्षतिपूर्ति कोष,

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

- निवेश परिवर्तन कोष,
- लाभांश समानीकरण संचय।

पूँजीगत संचय:

- हरण किये गये अंशों के पुनर्निर्गमन (Reissue) पर लाभ,
- अंशों तथा ऋण-पत्रों के निर्गमन पर प्रीमियम,
- ऋण-पत्रों के शोधन (Redemption) पर लाभ,
- स्थायी सम्पत्ति के विक्रय पर लाभ।

प्रश्न 12 सामान्य संचय एवं विशिष्ट संचय में अन्तर बताइये।

उत्तर – सामान्य संचय-जब संचय निर्माण का कोई निश्चित उद्देश्य नहीं होता है तो यह सामान्य संचय कहलाता है।सामान्य संचय व्यवसाय की वित्तीय स्थिति को सुदृढ़ करता है।सामान्य संचय को स्वतंत्र संचय भी कहते हैं क्योंकि प्रबन्धक इसे किसी भी उद्देश्य के लिए उपयोग कर सकते हैं।विशिष्ट संचय किसी विशिष्ट उद्देश्य के लिए बनाये जाने वाले संचय विशिष्ट संचय कहलाते हैं।इन संचयों का उपयोग उसी विशिष्ट उद्देश्य के लिए किया जा सकता है।जैसे - लाभांश, समानीकरण संचय, कर्मचारी क्षतिपूर्ति कोष, विनियोग परिवर्तनशील कोष, ऋण शोधन संचय आदि।

प्रश्न 13 गुप्त संचय की संकल्पना को समझाइए।

उत्तर – गुप्त संचय से आशय ऐसे संचय से है जो अपनी विद्यमानता को तो प्रकट करता है लेकिन स्थिति विवरण में उसका अस्तित्व दर्शाया नहीं जाता।यह दिखाये जाने वाले लाभ एवं कर देयता को कम पर दिखाने में सहायक होता है।कमी के समय में अधिक लाभ दिखाने के लिए गुप्त संचय को लाभ में मिला दिया जाता है।प्रबन्धक उचित से अधिक ह्रास लगाकर गुप्त संचय का सृजन करते हैं।इसे गुप्त संचय इसलिए कहा जाता है क्योंकि बाहर के अंशधारकों को इसका ज्ञान नहीं होता है।

निम्न उपायों से भी गुप्त संचय का सृजन किया जा सकता है:

- रहतिया/स्कन्ध का अवमूल्यन।

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

- व्यय का लाभ-हानि खाते में लिखना संदिग्ध ऋणों के लिए आवश्यकता से अधिक प्रावधान करना।
- सम्भाव्य देयता को वास्तविक देयता दिखाना।

दीर्घउत्तरीय प्रश्न:

प्रश्न 1 ह्रास की अवधारणा को समझाइए।ह्रास लगाने की क्या आवश्यकता है एवं इसके क्या कारण हैं?

उत्तर – किसी सम्पत्ति का लगातार उपयोग करने से उसके मूल्य में जो कमी आती है, उसे मूल्य-ह्रास (Depreciation) कहते हैं।प्रत्येक सम्पत्ति का एक जीवन काल होता है।उसके बाद वह अनुपयोगी हो जाती है तथा उसे प्रतिस्थापित करना पड़ता है।मूल्य-ह्रास के सम्बन्ध में विभिन्न विद्वानों द्वारा दी गई परिभाषाएँ निम्न हैं कार्टर के अनुसार "एक सम्पत्ति के मूल्य में किसी भी कारण से होने वाली शनैः-शनैः और स्थायी कमी को मूल्य-ह्रास कहते हैं।"

स्पाइसर व पेगलर के अनुसार-"मूल्य-ह्रास को एक निश्चित अवधि में किसी कारण से सम्पत्ति के क्रियात्मक जीवन की समाप्ति की माप के रूप में परिभाषित किया जा सकता है।"

इंस्टीट्यूट ऑफ कॉस्ट एण्ड मैनेजमेंट एकाऊंटिंग, लंदन (ICMA) के अनुसार, "ह्रास परिसम्पत्ति के वास्तविक मूल्य में इसके उपयोग एवं/अथवा समय बीतने के कारण आई घटोतरी को कहते हैं।"

इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड एकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया (ICAI) द्वारा जारी लेखांकन मानक-6 ने ह्रास की परिभाषा इस प्रकार दी है, "यह, अवक्षयण योग्य परिसम्पत्ति में घिसावट, उपभोग अथवा कीमत में कोई अन्य कमी जो उपयोग, समय के व्यतीत होने अथवा तकनीक एवं बाजार में परिवर्तन के कारण अप्रचलित होने से हुई है का मापन है।

ह्रास का निर्धारण परिसम्पत्ति के सम्भावित उपयोगी जीवन काल में प्रति लेखांकन अवधि में ह्रास की राशि के संतोषजनक भाग को व्यय दर्शाने के लिए किया जाता है।ह्रास में उन सभी परिसम्पत्तियों का अपलेखन सम्मिलित होता है जिनकी जीवन अवधि पूर्व निर्धारित है।"

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

उपर्युक्त परिभाषाओं से स्पष्ट है मूल्य-ह्रास स्थायी सम्पत्तियों के मल्य में शनैः-शनैः आने वाली कमी को कहा जाता है।सम्पत्ति के मूल्य में यह कमी निरन्तर प्रयोग, मूल्य में परिवर्तन, नष्ट होना, नये आविष्कार, समय व्यतीत होने इत्यादि से होती है।

मूल्य-ह्रास की आवश्यकता एवं उद्देश्य (Need and Objects of Depreciation): स्थायी सम्पत्तियों पर निम्न उद्देश्यों की पूर्ति के लिए मूल्य-ह्रास लगाया जाता है:

(1) आगम एवं लागत का मिलान-स्थायी परिसम्पत्तियों का व्यवसाय के परिचालन में उपयोग से आगम का अर्जन होता है।हर परिसम्पत्ति कुछ न कुछ घिसती है इसलिए इसका मूल्य कम हो जाता है।इसीलिए ह्रास भी व्यवसाय के किसी भी अन्य दूसरे सामान्य व्यय जैसे वेतन, भाड़ा, पोस्टेज एवं स्टेशनरी आदि के समान व्यय है।यह समान अवधि के आगमन पर प्रभार होता है इसीलिए इन्हें साधारण रूप से सामान्यतः मान्य लेखांकन सिद्धान्तों (GAAP) का अनुकरण करते हुए निवल लाभ निर्धारण व पूर्व घटाना अनिवार्य होता है।

(2) कर के लिए महत्त्व-करों की दृष्टि से ह्रास घटाने योग्य व्यय हैं।वैसे ह्रास की राशि के निर्धारण के लिए कर सम्बन्धी नियम व्यवसाय में वर्तमान में प्रचलित नियमों के समान होने आवश्यक नहीं हैं।

(3) सही आर्थिक स्थिति की जानकारी करना व्यापार की सही आर्थिक स्थिति की जानकारी के लिए प्रत्येक वर्ष के अन्त में एक निश्चित तिथि को चिट्ठा बनाया जाता है।चिठे द्वारा सही जानकारी तभी प्राप्त होगी जबकि सम्पत्तियों व दायित्वों को सही मूल्य पर दिखाया जाये।

(4) कानून का अनुपालन कर नियमों के अतिरिक्त कुछ निश्चित नियम हैं जो परोक्ष रूप से कुछ व्यावसायिक संगठनों जैसे निगमित उद्यम को स्थायी परिसम्पत्ति पर मूल्य ह्रास के प्रावधान के लिए बाध्य करते हैं।

(5) सही लाभ-हानि की जानकारी करना व्यापार में सम्पत्ति का प्रयोग करने से उसके मूल्य में जो कमी आती है, वह भी व्यापार संचालन का एक खर्चा है।अतः सही लाभ अथवा हानि की जानकारी के लिए मूल्य ह्रास लगाया जाता है।

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

(6) सम्पत्ति के प्रतिस्थापन के लिए स्थायी सम्पत्ति को उपयोग में लेने से व्यापार निरन्तर लाभ कमाता है और एक समय बाद वह सम्पत्ति बेकार हो जाती है और उसे प्रतिस्थापित करना आवश्यक हो जाता है।व्यापारी सम्पत्ति पर ह्रास कोष या बीमा पॉलिसी विधि द्वारा सम्पत्ति को प्रतिस्थापित करने की व्यवस्था करता है।

(7) लाभांश का पूँजी में से वितरण यदि मूल्य-ह्रास का प्रबन्ध किये बिना समस्त लाभ बाँट दिया जाता है तो लाभांश का वितरण पूँजी में से होगा और इस प्रकार पूँजी समाप्त होने लगेगी।

(8) सही लागत मूल्य ज्ञात करना..यदि सम्पत्तियों पर मूल्य-ह्रास की सही व्यवस्था नहीं दी जाती है तो उत्पादित वस्तुओं का सही लागत मूल्य ज्ञात नहीं होगा क्योंकि मूल्य-ह्रास की राशि भी उत्पादन लागत का एक भाग मानी जाती है।

मूल्य-ह्रास के कारण (Causes of Depreciation): किसी सम्पत्ति पर मूल्य-ह्रास अपलिखित करने के निम्न कारण हैं:

(1) क्षय एवं घिसावट अथवा समय की समाप्ति के कारण मूल्य में कमी क्षय एवं घिसावट का अर्थ है क्षमता में कमी एवं परिणामस्वरूप परिसम्पत्ति के मूल्य में गिरावट, जो इसके आय अर्जन के लिए व्यवसाय प्रचालन में उपयोग के कारण होती है।इससे परिसम्पत्ति की अपने उद्देश्य को पूरा करने की तकनीकी क्षमता कम हो जाती है।

क्षय एवं घिसावट का दूसरा पहलू परिसम्पत्ति का भौतिक रूप से नष्ट होना है।कुछ परिसम्पत्तियाँ मात्र समय के व्यतीत होने के साथ नष्ट होती रहती हैं जबकि उनका कोई उपयोग नहीं किया जाता है।ऐसा विशेष रूप से मौसम, हवा, बारिश आदि प्रकृति की आपदाओं के प्रभाव से होता है।

(2) कानूनी अधिकार की समाप्ति-व्यवसाय के लिए कुछ परिसम्पत्तियों का मूल्य उनको उपयोग करने का करार, पूर्व निश्चित समय की समाप्ति पर खत्म हो जाता है।ऐसी परिसम्पत्तियों के उदाहरण हैं पेटेन्ट्स, कॉपीराइट, पट्टा आदि।व्यवसाय के लिए इनकी उपयोगिता उनको प्राप्त कानूनी समर्थन के हटते ही समाप्त हो जाती है।

(3) अप्रचलन: अप्रचलन से आशय है किसी सम्पत्ति का पुराना हो जाना।दिन-प्रतिदिन होने वाले आविष्कारों के कारण उत्पादन के क्षेत्र में नई तकनीकों का विकास होता है जिससे नई-नई मशीनें

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

व उपकरण बाजार में आते रहते हैं।इससे पुरानी मशीनों की उपयोगिता कम हो जाती है और इनके मूल्य में कमी होने लगती है।

(4) असामान्य तत्वं किसी भी परिसम्पत्ति की उपयोगिता में कमी कुछ असामान्य कारकों से भी हो सकती है, जैसे आग से दुर्घटना, भूचाल, बाढ़ आदि।दुर्घटनाजन्य हानि स्थायी होती है लेकिन लगातार या क्रमिक नहीं होती।उदाहरण के लिए एक दर्घटनाग्रस्त कार का मरम्मत के पश्चात भी बाजार में पहले वा यद्यपि इसको उपयोग में नहीं लाया गया है।

(5) रिक्तता: कुछ सम्पत्तियाँ ऐसी होती हैं कि उनमें से माल निकालते-निकालते रिक्तता आ जाती है।एक निश्चित समय के बाद या तो माल निकालना अलाभप्रद हो जाता है या समाप्त हो जाता है।जैसे - तेल एवं गैस के कुएँ, खानें आदि।

प्रश्न 2 ह्रास की सरल रेखा विधि एवं क्रमागत मूल्य-ह्रास विधि की विस्तार से चर्चा कीजिए।दोनों में अन्तर भी बताइए तथा उन परिस्थितियों को भी बताइए जिनमें ये उपयोगी हैं।

उत्तर –

(1) सीधी रेखा पद्धति अथवा स्थायी किस्त विधि (Straight Line Method or Fixed Instalment Method): इस विधि को मूल लागत विधि तथा सरल रेखा विधि भी कहते हैं।इस विधि में प्रतिवर्ष अपलिखित की जाने वाली ह्रास की राशि एक समान रहती है।सम्पत्ति की मूल लागत पर एक निश्चित प्रतिशत से प्रतिवर्ष मूल्य-ह्रास काटा जाता है।सम्पत्ति का जीवन-काल समाप्त होने पर सम्पत्ति का मूल्य उसके अवशिष्ट मूल्य के बराबर रह जाता है।

मूल्य-ह्रास की गणना करने का निम्न सूत्र है:

$$\text{मूल्य ह्रास} = \frac{\text{सम्पत्ति की मूल लागत} - \text{अवशिष्ट मूल्य}}{\text{सम्पत्ति का अनुमानित जीवनकाल}}$$

यह विधि उन सम्पत्तियों के लिए प्रयोग में लायी जाती है, जिनका मूल्य सामान्यतः कम होता है तथा मरम्मत एवं नवीनीकरण व्यय भी कम होते हैं, जैसे - फर्नीचर, एकस्व, कॉपीराइट आदि।स्थायी किस्त विधि के लाभ (Advantages):

1. यह विधि बहुत सरल है अतः इसे अपनाना व समझना आसान है।

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

2. प्रतिवर्ष अपलिखित किया जाने वाला मूल्य-ह्रास समान रहता है।

स्थायी किस्त विधि के दोष (Disadvantages):

1. इस विधि में सम्पत्ति क्रय करने में लगाई गयी ब्याज की राशि का कोई प्रावधान नहीं है।
2. सम्पत्ति का जीवन काल समाप्त हो जाने पर नई मशीन खरीदने की व्यवस्था नहीं है।
3. इस विधि में ह्रास एवं मरम्मत के खर्चों का प्रभाव लाभ-हानि खाते पर समान नहीं पड़ता है।

(2) क्रमागत ह्रास विधि (Diminishing Balance Method): इस विधि में प्रतिवर्ष ह्रास की राशि की गणना सम्पत्ति के घटे हुए मूल्य पर की जाती है।इससे मूल्य-ह्रास की राशि प्रतिवर्ष कम हो जाती है।इस विधि के अनुसार प्रथम वर्ष का मूल्य ह्रास सम्पत्ति की मूल लागत पर, दूसरे वर्ष का ह्रास मूल लागत में से प्रथम वर्ष का मूल्य-ह्रास कम करने के बाद शेष राशि पर, तीसरे वर्ष शेष राशि पर और इसी प्रकार प्रति वर्ष सम्पत्ति के जीवन काल तक काटते जाते हैं।

उदाहरण (Example): एक सम्पत्ति का मूल्य 2,00,000 ₹ है तथा इस पर क्रमागत विधि के अनुसार 10% प्रतिवर्ष की दर से लगाया जाता है।इसमें ह्रास की राशि की गणना निम्न प्रकार की जायेगी

1. ह्रास (First Year) = 2,00,000 x 10/100 = 20,000
2. अपलिखित मूल्य (Written Down Value)
3. 2,00,000 - 20,000 = 1,80,000
4. ह्रास (Second Year) = 1,80,000 x 10/100 = 18,000
5. अपलिरि = 1,80,000 - 18,000 = 1,62,000
6. तृतीय वर्ष (Third Year) = 1,62,000 -16,200
7. अपलिखित मूल्य = 1,45,800₹

स्पष्ट है कि ह्रास की राशि प्रतिवर्ष घटती रहती है।इस विधि में ह्रास की दर की गणना निम्न सूत्र से की जाती है:

$$R = \left[1 - n\sqrt{\frac{s}{c}}\right] \times 100$$

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

- R = ह्रास की दर (Rate of Depreciation)
- s = अवशिष्ट मूल्य (Scrap Value)
- c = सम्पत्ति की मूल लागत (Original Cost of Assets)
- n = सम्पत्ति का अनुमानित जीवन काल (Estimated Life of the Asset)

क्रमागत ह्रास विधि के लाभ (Advantages):

1. यह विधि भी सरल है।
2. आयकर अधिनियम कर के लिए प्रावधान को स्वीकार करता है।
3. यह विधि स्थायी सम्पत्तियों के लिए उत्तम होती है क्योंकि यह अधिक समय तक चलती है।
4. चूँकि प्रारम्भ के वर्षों में लागत का बड़ा भाग समाप्त कर दिया जाता है, अतः अप्रचलन के कारण हानि कम हो जाती है।

क्रमागत ह्रास विधि के दोष (Disadvantages):

1. सम्पत्ति को प्राप्त करने के लिए व्यय की गई राशि पर इसमें भी ब्याज का ध्यान नहीं रखा जाता है।
2. सम्पत्ति के प्रतिस्थापन पर इसमें भी सम्पत्ति क्रय करने के लिए राशि का प्रबन्ध नहीं होता है।

स्थायी किस्त विधि एवं क्रमागत ह्रास विधि में अन्तर:

खाते का नाम	स्थायी किस्त विधि	क्रमागत शेष विधि
1. आधार	इस विधि में ह्रास मूल लागत पर लगता है।	इस विधि में ह्रस शेष पुस्तक मूल्य पर लगता है।
2. वार्षिक ह्रास	इसमें प्रतिवर्ष ह्रास की राशि समान रहती है।	इस विधि में प्रतिवर्ष ह्रास की राशि घटती रहती है।
3. उपयुक्तता	यह विधि उन सम्पत्तियों के लिए उपयुक्त होती है जिसमें मरम्मत के कम खर्चे होते हैं तथा अप्रचलन की सम्भावना कम होती है।	यह विधि उन सम्पत्तियों के लिए उपयुक्त है जिन

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

4. आयकर कानून द्वारा मान्य	यह विधि आयकर अधिनियम के अन्तर्गत मान्य नहीं है।	पर तकनीकी परिवर्तन का प्रभाव पड़ता है तथा समय के साथ मरम्मत व्यय बढ़ता है।

प्रश्न 3 ह्रास के लेखन की दोनों पद्धतियों का विस्तार से वर्णन कीजिए। आवश्यक रोजनामचा प्रविष्टि भी दीजिए।

उत्तर – हास के अभिलेखन की पद्धतियाँ स्थायी परिसम्पत्तियों पर ह्रास का लेखा पुस्तकों में अभिलेखन की दो पद्धतियाँ हैं

1. परिसम्पत्ति खाते पर ह्रास का लगाया जाना
2. ह्रास पर प्रावधान खाता/संचित ह्रास खाता बनाना।

इनका वर्णन निम्न प्रकार है:

(1) परिसम्पत्ति खाते पर ह्रास का लगाना जाना इस पद्धति के अनुसार ह्रास को परिसम्पत्ति की मूल लागत से घटाया जाता है (परिसम्पत्ति खाते के जमा पक्ष में लिखा जाता है) व लाभ-हानि खाते पर भार लगाया जाता है (नाम पक्ष में लिखा जाता है)। इस विधि में रोजनामचा प्रविष्टियाँ अग्र प्रकार होंगी

(1) सम्पत्ति को खरीदने पर

	Assets A/c	Dr.			
	To Bank/Vendor A/c				
	(Assets purchased)				

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

(2)	प्रत्येक वर्ष के अन्त में—				
(i)	प्रतिवर्ष ह्रास की राशि से				
	Depreciation A/c Dr. To Assets A/c (Depreciation charged @.....)				
(ii)	ह्रास खाते को बन्द करने पर				
	Profit & Loss A/c Dr. To Depreciation A/c (Depreciation written off)				
(3)	सम्पत्ति को बेचने पर				
	Bank A/c Dr. To Assets A/c (Assets sold)				

(2) ह्रास पर प्रावधान खाता/संचित ह्रास खाता बनाना-इस विधि में परिसम्पत्ति पर लगाई गई ह्रास राशि एक अलग खाते में संचित होती है जिसे ह्रास पर प्रावधान अथवा संचित ह्रास कहते हैं।ह्रास की राशि के इस प्रकार से संचयन के कारण परिसम्पत्ति खाता किसी भी रूप में प्रभावित नहीं होता है तथा इसे इसके उपयोगी जीवनकाल के हर आने वाले वर्षों में लागत मूल्य पर ही दर्शाया जाता है।

इस विधि की निम्न विशेषताएँ हैं:

1. परिसम्पत्ति खाता इसके पूरे जीवनकाल में इसे मूल लागत पर ही दर्शाता है।
2. ह्रास की राशि को प्रत्येक लेखांकन वर्ष के अन्त में परिसम्पत्ति खाते में समायोजन करने के स्थान पर एक अलग खाते में समेकित किया जाता हैं।

इस विधि में निम्न रोजनामचा प्रविष्टियाँ की जाती हैं:

(1) सम्पत्ति क्रय करने पर:

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

	Assets A/c Dr. To Bank/Vendor A/c			
(2) प्रत्येक वर्ष के अन्त में निम्न प्रकार दो प्रविष्टियाँ की जायेंगी—				
(i) ह्रास का आयोजन करने का लेखा—				
	Depreciation A/c Dr. To Provision for Dep. A/c (Dep. credited to Provision for Dep. a/c)			
(ii) ह्रास खाते को लाभ-हानि खाते में हस्तान्तरित करने का लेखा—				
	Profit & Loss A/c Dr. To Depreciation A/c (Dep. charged to P & L a/c)			

इस विधि में सम्पत्ति खाता यथावत बना रहता है और खातों में तब तक अपनी मूल लागत पर दिखाया जाता है जब तक सम्पत्ति को बेचा या हटाया नहीं जाता है।दूसरी ओर ह्रास आयोजन खाते में क्रेडिट की ओर दिखायी जा रही राशि अब तक लगे संचित ह्रास (accumulated depreciation) की द्योतक है।जब इस सम्पत्ति को बेचा या हटाया जाता है तो निम्न लेखा बनाकर ह्रास प्रावधान खाते को बन्द किया जाता है

	Provision for Dep. A/c Dr. To Asset A/c			

ह्रास प्रावधान खाते को तुलन पत्र में दो प्रकार से दिखाया जा सकता है या तो स्वयं सम्पत्ति शेष से ह्रास प्रावधान खाता घटाकर या ह्रास प्रावधान खाते को तुलन पत्र के दायित्व पक्ष की ओर दिखाकर।

प्रश्न 4 ह्रास राशि के निर्धारक तत्वों को समझाइए।

उत्तर – किसी भी सम्पत्ति के मूल्य-ह्रास की राशि के निर्धारक तत्व निम्न प्रकार हैं:

- परिसम्पत्ति की लागत: इस मूल्य में सम्पत्ति के क्रय-मूल्य से लेकर सम्पत्ति को लाने, प्रतिस्थापन करने एवं कार्य योग्य बनाने तक के समस्त व्ययों को जोड़ा जाता है।

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

- अनुमानित जीवन काल: यह वह अवधि होती है जब तक सम्पत्ति को व्यापार में प्रयोग करने का अनुमान है इसके अन्तर्गत सम्पत्ति के भौतिक जीवन पर नहीं बल्कि उपयोगी जीवन पर विचार किया जाता है।
- अनुमानित अवशिष्ट मूल्य यह सम्पत्ति का वह मूल्य होता है जो कि सम्पत्ति का जीवनकाल समाप्त होने पर सम्पत्ति को बेचने से प्राप्त होता है।सम्पत्ति के लागत मूल्य में से अवशिष्ट मूल्य घटाकर ही ह्रास की गणना की जाती है।
- विनियोजित पूँजी पर ब्याज-यदि सम्पत्ति को क्रय करने के बजाय उस धनराशि को अन्यत्र विनियोजित कर दिया जाता तो ब्याज की प्राप्ति होती इस तथ्य को भी मूल्यवान सम्पत्तियों पर ह्रास की रकम ज्ञात करते समय ध्यान में रखना पड़ता है।
- कम्पनी अधिनियम की व्यवस्थाएँ ह्रास की गणना करते समय कम्पनी अधिनियम में ह्रास सम्बन्धी जो व्यवस्थाएँ दी हुई हैं उनका भी ध्यान रखना चाहिए।
- सम्पत्ति का उपयोग किसी भी सम्पत्ति के मूल्य-ह्रास पर उस सम्पत्ति के उपयोग करने के ढंग का भी प्रभाव पड़ता है।
- सम्पत्ति का स्वभाव मूल्य ह्रास के निर्धारण में सम्पत्ति के स्वभाव का भी प्रभाव पड़ता है।
- सम्पत्ति के अप्रचलन की सम्भावना किसी भी सम्पत्ति पर ह्रास का निर्धारण करते समय उस सम्पत्ति के अप्रचलन की कितनी सम्भावनाएँ हैं इस बात को ध्यान में रखकर ही ह्रास की राशि का निर्धारण किया जाता

प्रश्न 5 विभिन्न प्रकार के संचयों के नाम देकर इनको विस्तार से समझाइए।

उत्तर – संचय का अर्थ (Meaning of Reserve): भारतीय कम्पनी अधिनियम में दी गई संचय की परिभाषा के अनुसार : "संचय के अन्तर्गत वह राशि सम्मिलित की जाती है जो सम्पत्ति के मूल्य-ह्रास, नवीनीकरण या किसी ज्ञात दायित्व के लिए आयोजन न हो।"

संचय के प्रकार (Kinds of Reserves): संचय को अनेक आधारों पर बाँटा जा सकता है।यहाँ हमने संचय का एक सामान्य वर्गीकरण अग्र प्रकार दिया

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

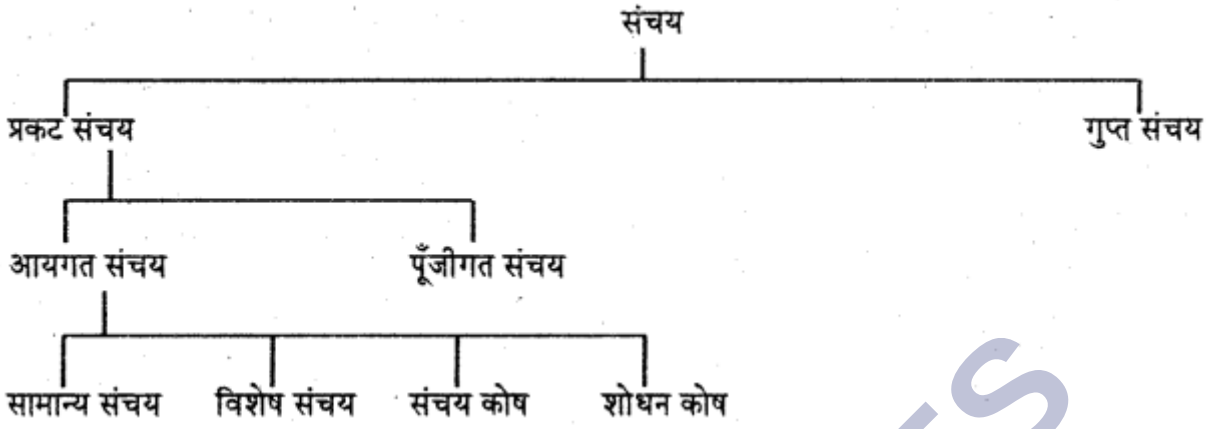

1. प्रकट संचय (Open Reserve): प्रकट संचय से आशय उन संचयों से है जो तुलन पत्र के दायित्व पक्ष - में विभिन्न शीर्षकों के अन्तर्गत दिखाये जाते हैं।

प्रकट संचय दो प्रकार के होते हैं:

(A) पूँजीगत संचय (Capital Reserve) भारतीय कम्पनी अधिनियम की छठी अनुसूची के भाग. तीन के अनुसार, "पूँजी संचय में ऐसी कोई भी राशि शामिल नहीं की जाती है जिसको लाभ-हानि खाते में वितरित किया जा सके।अतः पूँजीगत संचय वह संचय है जिन्हें पूँजीगत लाभों से बनाया जाता है।"

(B) आयगत संचय (Revenue Reserve) कम्पनी अधिनियम के अनुसार, "आयगत संचय वह है जो पूँजीगत संचय नहीं है।इस प्रकार ये संचय तीन प्रकार के होते हैं

1. सामान्य संचय (General Reserve): किसी भावी आर्थिक संकट या क्षति से रक्षार्थ लाभों में से बचाये गये एक भाग को सामान्य संचय कहते हैं।
2. विशेष संचय (Specific Reserve): यह भविष्य के किसी कार्य विशेष को पूरा करने के लिए लाभों में से एक भाग बचाकर अलग रखा जाता है, तो ऐसे संचय को विशेष संचय कहते हैं।
3. संचय कोष (Reserve Fund): जब किसी सामान्य या विशेष संचय की राशि का विनियोग व्यवसाय में करने के बजाय व्यवसाय के बाहर श्रेष्ठ प्रतिभूतियों में कर दिया जाता है, तो ऐसे सामान्य या विशेष संचय को 'संचय कोष' कहते हैं।

2. शोधन कोष (Sinking Fund): किसी विशेष उद्देश्य से लाभों में से बनाये गये संचय की राशि का जब व्यवसाय के बाहर श्रेष्ठ प्रतिभूतियों में इस प्रकार विनियोग किया जाता है कि एक निश्चित

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

तिथि को उन विनियोगों से एक निश्चित राशि उस विशेष उद्देश्य की पूर्ति के लिए प्राप्त हो सके, तो ऐसे संचय को शोधन कोष कहते हैं।

3. गुप्त संचय (Secret Reserve): गुप्त संचय वे संचय हैं जो अपनी विद्यमानता को तो प्रकट करते हैं परन्तु चिठे में उनका अस्तित्व नजर नहीं आता है।

प्रश्न 6 प्रावधान क्या है? उनका सृजन कैसे किया जाता है? संदिग्ध ऋणों के प्रावधान का लेखांकन कैसे करेंगे?

उत्तर – **प्रावधान का अर्थ (Meaning of Provision):** प्रावधान से आशय है व्यवस्था करना।व्यवसाय में कुछ खर्चे, हानियाँ वर्तमान लेखा वर्ष से सम्बन्धित होती हैं किन्तु यह व्यय अभी किये नहीं गये हैं इसलिए इनकी राशि सुनिश्चित नहीं होती है।सही शुद्ध लाभ निकालने के लिए ऐसी मदों के लिए प्रावधान करना आवश्यक है।उदाहरणार्थ, एक व्यापारी को जो उधार विक्रय करता है उसे पता है कि चालू वर्ष के कुछ देनदार या तो कुछ भी भुगतान नहीं करेंगे या आंशिक भुगतान करेंगे।

सतर्कता एवं रूढ़िवादिता की संकल्पना के अनुसार सही एवं उचित लाभ-हानि की गणना के लिए व्यापारी देनदारों से वसूली के समय संभावित हानि से बचाव के लिए संदिग्ध ऋण के लिए प्रावधान करता है।इसी प्रकार से स्थाई परिसम्पत्तियों की संभावित मरम्मत एवं नवीनीकरण के लिए प्रावधान कर सकता है।भारतीय कम्पनी अधिनियम के अनुसार प्रावधान अथवा आयोजन से आशय उस राशि से है जो

1. किसी स्थायी या अस्थायी सम्पत्ति पर ह्रास लगाने के लिये, उसके मूल्य में कमी होने के लिए या उसे पुनः स्थापित करने के लिए निकाली जाती है।
2. किसी ज्ञात दायित्व को पूरा करने के लिए निकाली जाती है।

आयोजन के उदाहरण:

1. ह्रास के लिए प्रावधान: व्यवसाय में काम आने वाली सम्पत्तियाँ समय के साथ घिसती जाती हैं या उनका मूल्य कम होता जाता है।सही लाभ-हानि की गणना के लिए सम्पत्तियों पर ह्रास के लिए प्रावधान किया जाता

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

2. डूबत तथा संदिग्ध ऋणों के लिए आयोजन (Provision for Bad & Doubtful Debts): जब चिट्ठा बनाते समय देनदार राशि चुकाने में असमर्थ होते हैं तो उनके द्वारा न चुकायी जाने वाली रकम के लिए आयोजन बनाया जाता है। देनदार द्वारा जो राशि प्राप्त नहीं होती है उसे फर्म द्वारा रोका नहीं जा सकता, लेकिन उससे बचने के लिए आयोजन अवश्य किया जा सकता है। इस आयोजन को ही संदिग्ध ऋण आयोजन कहते हैं।
3. मरम्मत एवं नवीनीकरण के लिए आयोजन (Provision for Repairs and Renewals): व्यवसाय में जब कोई नई सम्पत्ति खरीदी जाती है अथवा उसका निर्माण किया जाता है तो शुरू के वर्षों में मरम्मत व घिसावट कम होती है और आगामी वर्षों में रकम बढ़ती रहती है। अतः मरम्मत व नवीनीकरण की रकम का भार लाभ-हानि खाते में समान रहे इसलिए मरम्मत व नवीनीकरण के आयोजन का सृजन किया जाता है।
4. देनदारों पर छूट के लिए आयोजन (Provision for Discount on Debtors): व्यापारी द्वारा अपने देनदारों को नकद बट्टा प्रदान किया जाता है। बट्टा इसलिए दिया जाता है कि देनदार राशि का भुगतान निर्धारित तिथि पर कर दे। यह बट्टा व्यापार के लिए खर्चा है।
5. करों के लिए आयोजन (Provision for Income Tax): व्यापारी द्वारा समय-समय पर करों का भुगतान किया जाता है। इसलिए करों के आयोजन का सृजन किया जाता है।

प्रावधान का सृज: व्यय एवं हानि के लिए प्रावधान की राशि वर्तमान अवधि की आगम पर खर्चा है। प्रावधान सृजन व्यय के मिलान को सुनिश्चित करता है जिससे सही लाभ निकल आता है। लाभ-हानि खाते के नाम पक्ष में लिखने से प्रावधान का सृजन होता है। अर्थात् लाभ-हानि खाते को नाम करके तथा सम्बन्धित प्रावधान खाते को जमा करके प्रावधान का सृजन किया जाता है।

संदिग्ध ऋणों के प्रावधान का लेखांकन:

(i) प्रावधान करने पर—

	Profit & Loss A/c	Dr.			
	To Provision for Bad & Doubtful Debts A/c				
	(Provision made for doubtful debts)				

(ii) राशि डूबने पर—

	Bad Debts A/c	Dr.			
	To Debtors A/c				
	(Being bad debts written off)				

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

(iii) डूबत ऋण एवं नये डूबत ऋण की राशि को संदिग्ध ऋणों के लिए आयोजन राशि को हस्तान्तरित (Transfer) करने पर:

	Provision for Bad & Doubtful Debts A/c Dr. To Bad Debts A/c (Being Bad Debts A/c transferred)			

यदि पुरानी प्रावधान राशि ज्यादा है अर्थात् यह नयी प्रावधान राशि + डूबत ऋण की राशि से ज्यादा है तो आधिक्य को नियमानुसार लाभ-हानि खाते में जमा कर दिया जाता है।

(iv)	Provision for Bad & Doubtful Debts A/c Dr. To Profit & Loss A/c			

आंकिक प्रश्न:

प्रश्न 1 01 अप्रैल, 2013 को बजरंग मार्बल्स ने 2,80,000 ₹ की मशीन खरीदी तथा 10,000 ₹ भाड़े पर एवं 10,000 ₹ स्थापना पर व्यय किये। अनुमान लगाया गया कि इसका उपयोगी जीवन 10 वर्ष एवं 10 वर्ष की समाप्ति पर इसका अवशिष्ट मूल्य 20,000 ₹ होगा।

(क) मूल्य ह्रास की सीधी रेखा विधि से पहले चार वर्षों का मशीन खाता एवं ह्रास खाता बनाइए। खाते प्रतिवर्ष 31 मार्च को बन्द किये जाते हैं।

(ख) सीधी रेखा विधि से ह्रास लगाकर प्रथम चार वर्षों के लिए मशीन खाता, ह्रास खाता एवं ह्रास पर प्रावधान खाता (या संचित ह्रास खाता) बनाइए। खाते प्रतिवर्ष 31 मार्च को बन्द किये जाते हैं।

उत्तर –

$$\text{मूल्य ह्रास} = \frac{\text{कुल लागत} - \text{अवशिष्ट मूल्य}}{\text{सम्पत्ति का जीवन काल}}$$

$$\text{मूल्य ह्रास} = \frac{2,80,000 + 10,000 + 10,000 - 20,000}{10}$$

$$= \frac{2,80,000}{10} = 28,000$$

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

(Machinery A/c)

Date	Particulars	Amount ₹	Date	Particulars	Amount ₹
2013			2014		
1 April	To Bank (Cost)	2,80,000	31 Mar.	By Depreciation	28,000
"	To Bank (Carriage)	10,000	"	By Balance c/d	2,72,000
"	To Bank (Installation)	10,000			
		3,00,000			3,00,000
2014			2015		
1 April	To Balance b/d	2,72,000	31 Mar.	By Depreciation	28,000
			"	By Balance c/d	2,44,000
		2,72,000			2,72,000
2015			2016		
1 April	To Balance b/d	2,44,000	31 Mar.	By Depreciation	28,000
			"	By Balance c/d	2,16,000
		2,44,000			2,44,000
2016			2017		
1 April	To Balance b/d	2,16,000	31 Mar.	By Depreciation	28,000
			"	By Balance c/d	1,88,000
		2,16,000			2,16,000

ह्रास खाता

(Depreciation A/c)

Date	Particulars	Amount ₹	Date	Particulars	Amount ₹
2014			2014		
31 Mar.	To Machinery A/c	28,000	31 Mar.	By Profit & Loss A/c	28,000
		28,000			28,000
2015			2015		
31 Mar.	To Machinery A/c	28,000	31 Mar.	By Profit & Loss A/c	28,000
		28,000			28,000
2016			2016		
31 Mar.	To Machinery A/c	28,000	31 Mar.	By Profit & Loss A/c	28,000
		28,000			28,000
2017			2017		
31 Mar.	To Machinery A/c	28,000	31 Mar.	By Profit & Loss A/c	28,000
		28,000			28,000

(ख) जब ह्रास प्रावधान खाता बनाया जाता है।

मशीनरी खाता

(Machinery A/c)

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

Date	Particulars	Amount ₹	Date	Particulars	Amount ₹
2013			2014		
1 April	To Bank (Cost)	2,80,000	31 Mar.	By Balance c/d	3,00,000
"	To Bank (Carriage)	10,000			
"	To Bank (Installation)	10,000			
		3,00,000			3,00,000
2014			2015		
1 April	To Balance b/d	3,00,000	31 Mar.	By Balance c/d	3,00,000
		3,00,000			3,00,000
2015			2016		
1 April	To Balance b/d	3,00,000	31 Mar.	By Balance c/d	3,00,000
		3,00,000			3,00,000
2016			2017		
1 April	To Balance b/d	3,00,000	31 Mar.	By Balance c/d	3,00,000
		3,00,000			3,00,000

ह्रास खाता
(Depreciation A/c)

Date	Particulars	Amount ₹	Date	Particulars	Amount ₹
2014			2014		
31 Mar.	To Prov. for Dep. A/c	28,000	31 Mar.	By Profit & Loss A/c	28,000
		28,000			28,000
2015			2015		
31 Mar.	To Prov. for Dep. A/c	28,000	31 Mar.	By Profit & Loss A/c	28,000
		28,000			28,000
2016			2016		
31 Mar.	To Prov. for Dep. A/c	28,000	31 Mar.	By Profit & Loss A/c	28,000
		28,000			28,000
2017			2017		
31 Mar.	To Prov. for Dep. A/c	28,000	31 Mar.	By Profit & Loss A/c	28,000
		28,000			28,000

ह्रास आयोजन खाता
(Provision for Depreciation A/c)

Date	Particulars	Amount ₹	Date	Particulars	Amount ₹
2014			2014		
31 Mar.	To Balance c/d	28,000	31 Mar.	By Depreciation	28,000
		28,000			28,000

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

2015			2014		
31 Mar.	To Balance c/d	56,000	1 April	By Balance b/d	28,000
			2015		
			31 Mar.	By Depreciation	28,000
		56,000			56,000
2016			2015		
31 Mar.	To Balance c/d	84,000	1 April	By Balance b/d	56,000
			2016		
			31 Mar.	By Depreciation	28,000
		84,000			84,000
2017			2016		
31 Mar.	To Balance c/d	1,12,000	1 April	By Balance b/d	84,000
			2017		
			31 Mar.	By Depreciation	28,000
		1,12,000			1,12,000

प्रश्न 2 01 जुलाई, 2017 को अशोक लि. ने 1,08,000 ₹ की मशीन खरीदी एवं 12,000 ₹ इसकी स्थापना पर खर्च किये।क्रय के समय अनुमान लगाया गया कि इसका सक्रिय वाणिज्यिक जीवन 12 वर्ष होगा एवं 12 वर्ष के पश्चात् इसका अवशिष्ट मूल्य 12,000 ₹ होगा।अशोक लि. की लेखापुस्तकों में प्रथम तीन वर्षों का मशीन खाता एवं ह्रास खाता बनाइए यदि ह्रास सीधी रेखा विधि से लगाया जा रहा हो।खाते प्रतिवर्ष 31 दिसम्बर को बन्द किये जाते हैं।

उत्तर –

$$\text{मूल्य ह्रास} = \frac{\text{कुल लागत} - \text{अवशिष्ट मूल्य}}{\text{सम्पत्ति का जीवन काल}}$$

$$\text{मूल्य ह्रास} = \frac{1,08,000 + 12,000 - 12,000}{12} = \frac{1,08,000}{12}$$

= 9000 per year Description

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

मशीनरी खाता
(Machinery A/c)

Date	Particulars	Amount ₹	Date	Particulars	Amount ₹
2017			2017		
1 July	To Bank (Cost)	1,08,000	31 Dec.	By Depreciation (6 Month)	4,500
	To Bank (Installation exp.)	12,000	"	By Balance c/d	1,15,500
		1,20,000			1,20,000
2018			2018		
1 Jan.	To Balance b/d	1,15,500	31 Dec.	By Depreciation	9,000
			"	By Balance c/d	1,06,500
		1,15,500			1,15,500
2019			2019		
1 Jan.	To Balance b/d	1,06,500	31 Dec.	By Depreciation	9,000
			"	By Balance c/d	97,500
		1,06,500			1,06,500
2020					
1 Jan.	To Balance b/d	97,500			

ह्रास खाता (Depreciation A/c)

Date	Particulars	Amount ₹	Date	Particulars	Amount ₹
2017			2017		
31 Dec.	To Machinery A/c	4,500	31 Dec.	By Profit & Loss A/c	4,500
		4,500			4,500
2018			2018		
31 Dec.	To Machinery A/c	9,000	31 Dec.	By Profit & Loss A/c	9,000
		9,000			9,000
2019			2019		
31 Dec.	To Machinery A/c	9,000	31 Dec.	By Profit & Loss A/c	9,000
		9,000			9,000

प्रश्न 3 01 अक्टूबर, 2017 को रिलायंस लि. ने 56,000 ₹ में एक पुरानी मशीन खरीदी एवं इसके परिचालन में लाने से पूर्व इस पर 28,000 ₹ इसकी कायापलट एवं स्थापना पर व्यय किये। अनुमान लगाया गया कि इसके 15 वर्ष के उपयोगी जीवन के अन्त में इसको 6,000 ₹ अवशिष्ट वसूल पर

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

बेचा जाएगा।साथ ही यह भी अनुमान लगाया गया कि 6,000 ₹ के अवशिष्ट मूल्य को प्राप्त करने हेतु 1,000 ₹ व्यय करने होंगे।सीधी व्यय से ह्रास लगाकर पहले तीन वर्ष का मशीन खाता एवं ह्रास पर प्रावधान खाता बनाइए।खाते प्रति वर्ष 31 दिसम्बर को बन्द किए जाते हैं।

उत्तर –

$$\text{मूल्य ह्रास} = \frac{\text{कुल लागत} - \text{अवशिष्ट मूल्य}}{\text{सम्पत्ति का जीवन काल}}$$

$$\text{मूल्य ह्रास} = \frac{56{,}000 + 28{,}000 - (6{,}000 - 1{,}000)}{15}$$

$$= \frac{79{,}000}{15} = 5{,}270(\text{App}) \text{ per year}$$

मशीनरी खाता (Machinery A/c)

Date	Particulars	Amount ₹	Date	Particulars	Amount ₹
2017			2017		
1 Oct.	To Bank A/c (Cost)	56,000	31 Dec.	By Balance c/d	84,000
"	To Bank (Installation)	28,000			
		84,000			84,000
2018			2018		
1 Jan.	To Balance b/d	84,000	31 Dec.	By Balance c/d	84,000
		84,000			84,000
2019			2019		
1 Jan.	To Balance b/d	84,000	31 Dec.	By Balance c/d	84,000
		84,000			84,000

ह्रास आयोजन खाता
(Provision for Depreciation A/c)

Date	Particulars	Amount ₹	Date	Particulars	Amount ₹
2017			2017		
31 Dec.	To Balance c/d	1,320	31 Dec.	By Depreciation	1,320
		1,320		(amt. rounded off)	1,320
2018			2018		
31 Dec.	To Balance c/d	6,590	1 Jan.	By Balance b/d	1,320
			31 Dec.	By Depreciation	5,270
		6,590			6,590

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

2019 31 Dec.	To Balance c/d	11,860	2019 1 Jan.	By Balance b/d	6,590
			31 Dec.	By Depreciation	5,270
		11,860			11,860
			2020 1 Jan.	By Balance b/d	11,860

प्रश्न 4 बरलिया लि. ने 01 जुलाई, 2015 को एक पुरानी मशीन 56,000 ₹ में खरीदी तथा 24,000 ₹ इसकी मरम्मत एवं इसको लगाने पर व्यय किए एवं 5,000 ₹ इसको लाने के लिए भाड़े पर व्यय किये।01 सितम्बर, 2016 को बरलिया लि. ने 2,50,000 ₹ में एक और मशीन खरीदी एवं 10,000 ₹ इसकी स्थापना पर व्यय किये।

(क)मशीन पर 10% प्रतिवर्ष की दर से मूल लागत पद्धति पर प्रतिवर्ष 31 दिसम्बर को ह्रास लगाना है।वर्ष 2015 से 2018 तक का मशीन खाता एवं मूल्य ह्रास खाता बनाइए।

(ख) 2015 से 2018 तक का मशीन खाता एवं मूल्य ह्रास खाता बनाइए यदि मशीन पर हास 10% वार्षिक दर से प्रतिवर्ष 31 दिसम्बर को इसके हासित मूल्य पर लगाया जाता है।

उत्तर –

मशीनरी खाता (Machinery A/c)

Date	Particulars	Amount ₹	Date	Particulars	Amount ₹
2015			2015		
1 July	To Bank A/c (Cost)	56,000	31 Dec.	By Depreciation	4,250
"	To Bank (Repair)	24,000	"	By Balance c/d	80,750
"	To Bank (Carriage)	5,000			
		85,000			85,000
2016			2016		
1 Jan.	To Balance b/d	80,750	31 Dec.	By Depreciation	
1 Sept.	To Bank (Cost)	2,50,000		(8,500 + 8,667)	17,167
"	To Bank (Install-			I II	
	ation charge)	10,000	"	By Balance c/d	3,23,583
				(72250 + 251333)	
		3,40,750			3,40,750

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

2017			2017		
1 Jan.	To Balance b/d (72250 +251333)	3,23,583	31 Dec.	By Depreciation (8,500 + 26,000)	34,500
			"	By Balance c/d (63750 + 225333)	2,89,083
		3,23,583			3,23,583
2018			2018		
1 Jan.	To Balance b/d (63750 + 225333)	2,89,083	31 Dec.	By Depreciation (8,500+26,000)	34,500
			"	By Balance c/d	2,54,583
		2,89,083			2,89,083

ह्रास खाता

(Depreciation A/c)

Date	Particulars	Amount ₹	Date	Particulars	Amount ₹
2015			2015		
31 Dec.	To Machinery A/c	4,250	31 Dec.	By Profit & Loss A/c	4,250
		4,250			4,250
2016			2016		
31 Dec.	To Machinery A/c	17,167	31 Dec.	By Profit & Loss A/c	17,167
		17,167			17,167
2017			2017		
31 Dec.	To Machinery A/c	34,500	31 Dec.	By Profit & Loss A/c	34,500
		34,500			34,500
2018			2018		
31 Dec.	To Machinery A/c	34,500	31 Dec.	By Profit & Loss A/c	34,500
		34,500			34,500

(ख) क्रमागत शेष विधि (Diminishing Balance Method):

मशीनरी खाता

(Machinery A/c)

Date	Particulars	Amount ₹	Date	Particulars	Amount ₹
2015			2015		
1 July	To Bank A/c (Cost)	56,000	31 Dec.	By Depreciation	4,250
"	To Bank (Repair)	24,000	"	By Balance c/d	80,750
"	To Bank (Carriage)	5,000			
		85,000			85,000

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

2016			2016		
1 Jan.	To Balance b/d	80,750	31 Dec.	By Depreciation (8075 + 8667)	16,742
1 Sept.	To Bank (Cost)	2,50,000	"	By Balance c/d (72675 + 251333)	3,24,008
"	To Bank (Installation)	10,000			
		3,40,750			3,40,750
2017			2017		
1 Jan.	To Balance b/d (72675+251333)	3,24,008	31 Dec.	By Depreciation (7268 + 25133)	32,401
			"	By Balance c/d (65407 + 226200)	2,91,607
		3,24,008			3,24,008
2018			2018		
1 Jan.	To Balance b/d (65407+226200)	2,91,607	31 Dec.	By Depreciation (6541+22620)	29,161
			"	By Balance c/d (58866 + 203580)	2,62,446
		2,91,607			2,91,607

ह्रास खाता
(Depreciation A/c)

Date	Particulars	Amount ₹	Date	Particulars	Amount ₹
2015			2015		
31 Dec.	To Machinery A/c	4,250	31 Dec.	By Profit & Loss A/c	4,250
		4,250			4,250
2016			2016		
31 Dec.	To Machinery A/c	16,742	31 Dec.	By Profit & Loss A/c	16,742
		16,742			16,742
2017			2017		
31 Dec.	To Machinery A/c	32,401	31 Dec.	By Profit & Loss A/c	32,401
		32,401			32,401
2018			2018		
31 Dec.	To Machinery A/c	29,161	31 Mar.	By Profit & Loss A/c	29,161
		29,161			29,161

प्रश्न 5 गंगा लि. ने 1 जनवरी, 2014 को 5,50,000 ₹ में एक मशीन खरीदी।इसकी स्थापना पर 50,000 ₹ व्यय किये गये।1 सितम्बर, 2014 को 3,70,000 ₹ में एक और मशीन खरीदी।01

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

मई, 2015 को 8,40,000 ₹ (स्थापना व्यय सहित) में एक और मशीन खरीदी।प्रतिवर्ष 31 दिसम्बर को 10% वार्षिक से सीधी रेखा पद्धति से ह्रास लगाया गया।

(क) वर्ष 2014, 2015, 2016 एवं 2017 के लिए मशीन खाता एवं मूल्य ह्रास खाता बनाएँ।

(ख) यदि ह्रास राशि को ह्रास पर प्रावधान में संचित कर लिया जाए तो वर्ष 2014, 2015, 2016 एवं 2017 के लिए मशीन खाता एवं मशीन पर ह्रास प्रावधान खाता बनाएँ।

उत्तर –

मशीनरी खाता
(Machinery A/c)

Date	Particulars	Amount ₹	Date	Particulars	Amount ₹
2014			2014		
1 Jan.	To Bank (Cost)	5,50,000	31 Dec.	By Depreciation a/c	
"	To Bank (Installation)	50,000		(60000 + 12333)	72333
1 Sep.	To Bank (Cost)	3,70,000	"	By Balance c/d	
				(5,40,000+3,57,667)	8,97,667
		9,70,000			9,70,000
2015			2015		
1 Jan.	To Balance b/d	8,97,667	31 Dec.	By Depreciation a/c	
				(60000 +37000+56000)	1,53,000
1 May	To Bank (Cost)	8,40,000	"	By Balance c/d	
				(480000+320667+784000)	15,84,667
		17,37,667			17,37,667
2016			2016		
1 Jan.	To Balance b/d	15,84,667	31 Dec.	By Depreciation a/c	
				(60000 +37000+84,000)	1,81,000
			"	By Balance c/d	
				(420000+283667+700000)	14,03,667
		15,84,667			15,84,667
2017			2017		
1 Jan.	To Balance b/d	14,03,667	31 Dec.	By Depreciation a/c	
				(60,000+37,000+84,000)	1,81,000
			"	By Balance c/d	
				(3,60,000+2,46,667+	
				6,16,000)	12,22,667
		14,03,667			14,03,667

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

ह्रास खाता
(Depreciation A/c)

Date	Particulars	Amount ₹	Date	Particulars	Amount ₹
2014			2014		
31 Dec.	To Machinery A/c	72,333	31 Dec.	By Profit & Loss A/c	72,333
		72,333			72,333
2015			2015		
31 Dec.	To Machinery A/c	1,53,000	31 Dec.	By Profit & Loss A/c	1,53,000
		1,53,000			1,53,000
2016			2016		
31 Dec.	To Machinery A/c	1,81,000	31 Dec.	By Profit & Loss A/c	1,81,000
		1,81,000			1,81,000
2017			2017		
31 Dec.	To Machinery A/c	1,81,000	31 Dec.	By Profit & Loss A/c	1,81,000
		1,81,000			1,81,000

(ख) जब मूल्य-ह्रास प्रावधान खाता रखा जाता है।

मशीनरी खाता
(Machinery A/c)

Date	Particulars	Amount ₹	Date	Particulars	Amount ₹
2014			2014		
1 Jan.	To Bank (Cost)	5,50,000	31 Dec.	By Balance c/d	9,70,000
"	To Bank (Installation)	50,000			
1 Sep.	To Bank (Cost) (II)	3,70,000			
		9,70,000			9,70,000
2015			2015		
1 Jan.	To Balance b/d	9,70,000	31 Dec.	By Balance c/d	18,10,000
1 May	To Bank (Cost) (III)	8,40,000			
		18,10,000			18,10,000
2016			2016		
1 Jan.	To Balance b/d	18,10,000	31 Dec.	By Balance c/d	18,10,000
		18,10,000			18,10,000
2017			2017		
1 Jan.	To Balance b/d	18,10,000	31 Dec.	By Balance c/d	18,10,000
		18,10,000			18,10,000

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

Provision for Depreciation A/c

Date	Particulars	Amount ₹	Date	Particulars	Amount ₹
2014			2014		
31 Dec.	To Balance c/d	72,333	31 Dec.	By Depr. A/c	72,333
		72,333			72,333
2015			2015		
31 Dec.	To Balance c/d	2,25,333	1 Jan.	By Balance b/d	72,333
			31 Dec.	By Depr. A/c	1,53,000
		2,25,333			2,25,333
2016			2016		
31 Dec.	To Balance c/d	4,06,333	1 Jan.	By Balance b/d	2,25,333
			31 Dec.	By Depr. A/c	1,81,000
		4,06,333			4,06,333
2017			2017		
31 Dec.	To Balance c/d	5,87,333	1 Jan.	By Balance b/d	4,06,333
			31 Dec.	By Depr. A/c	1,81,000
		5,87,333			5,87,333

फर्नीचर खाता
(Furniture A/c)

Date	Particulars	Amount ₹	Date	Particulars	Amount ₹
2014			2015		
1 Oct.	To Bank I[st] (Cost)	4,50,000	31 Mar.	By Balance c/d	7,50,000
2015					
1 Mar.	To Bank II[nd] (Cost)	3,00,000			
		7,50,000			7,50,000
2015			2016		
1 April	To Balance b/d	7,50,000	1 July	By Balance c/d	7,50,000
		7,50,000			7,50,000
2016			2016		
1 April	To Balance b/d	7,50,000	1 July	By Furniture Disposal A/c	4,50,000
			2017		
			31 Mar.	By Balance c/d	3,00,000
		7,50,000			7,50,000
2017					
1 April	To Balance b/d	3,00,000			

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

प्रश्न 6 आजाद लि. ने 1 अक्टूबर, 2014 को 4,50,000 ₹ का फर्नीचर खरीदा।01 मार्च, 2015 को इसने 3,00,000 ₹ का एक और फर्नीचर खरीदा।1 जुलाई, 2016 को, 1 अक्टूबर, 2014 को खरीदा गया फर्नीचर 2,25,000 ₹ में बेच दिया।ह्रास 15% प्रतिवर्ष की दर से क्रमागत पद्धति से लगाया जा रहा है।खाते प्रतिवर्ष 31 मार्च को बन्द किये जाते हैं।

(i) वर्ष समाप्ति 31 मार्च, 2015, 31 मार्च, 2016 एवं 31 मार्च, 2017 को फर्नीचर खाता एवं संचित ह्रास खाता बनाइए।

(ii) यह मानते हुए कि फर्नीचर निपटान खाता खोला गया है, फर्नीचर खाता एवं संचित ह्रास खाता बनाइए।

उत्तर –

फर्नीचर खाता
(Furniture A/c)

Date	Particulars	Amount ₹	Date	Particulars	Amount ₹
2014			2015		
1 Oct.	To Bank I[st] (Cost)	4,50,000	31 Mar.	By Balance c/d	7,50,000
2015					
1 Mar.	To Bank II[nd] (Cost)	3,00,000			
		7,50,000			7,50,000
2015			2016		
1 April	To Balance b/d	7,50,000	1 July	By Balance c/d	7,50,000
		7,50,000			7,50,000
2016			2016		
1 April	To Balance b/d	7,50,000	1 July	By Furniture Disposal A/c	4,50,000
			2017		
			31 Mar.	By Balance c/d	3,00,000
		7,50,000			7,50,000
2017					
1 April	To Balance b/d	3,00,000			

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

संचित ह्रास खाता
(Accumulated Depreciation A/c)

Date	Particulars	Amount ₹	Date	Particulars	Amount ₹
2015			2015		
31 Mar.	To Balance c/d	37,500	31 Mar.	By Depreciation (33750+3750)	37,500
		37,500			37,500
2016			2015		
31 Mar.	To Balance c/d	1,44,375	1 April	By Balance b/d	37,500
			2016		
			31 Mar.	By Depreciation (62438+44437)	1,06,875
		1,44,375			1,44,375
2016			2016		
1 July	To Furniture Disposal	1,09,456	1 April	By Balance b/d	1,44,375
2017			2017		
31 Mar.	To Balance c/d	85,959	31 Mar.	By Depreciation (13268+37772)	51,040
		1,95,415			1,95,415

फर्नीचर निपटान खाता
(Furniture Disposal Account)

Date	Particulars	Amount ₹	Date	Particulars	Amount ₹
2016			2016		
1 July	To Furniture a/c	4,50,000	1 July	By Accumulated Depreciation	1,09,456
			"	By Bank	2,25,000
			"	By Profit & Loss	1,15,544
		4,50,000			4,50,000

प्रश्न 7 क्रिस्टल लि. के खातों में 01 जनवरी, 2015 को निम्न खाते शेष थे मशीनरी खाता

मशीनरी पर ह्रास प्रावधान खाता 15,00,000 ₹

1 अप्रैल, 2015 को 5,50,000 ₹

01 जनवरी 2012 को 2,00,000 ₹ में क्रय की गई मशीन को 75,000 ₹ में बेच दिया।1 जुलाई, 2015 को 6,00,000 ₹ में एक और नई मशीन खरीदी।मशीन पर ह्रास 20% वार्षिक से सीधी रेखा

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

विधि से लगाना है तथा खाते प्रतिवर्ष 31 दिसम्बर को बन्द किए जाते हैं। वर्ष समाप्ति 31 दिसम्बर, 2015 को मशीन खाता एवं ह्रास प्रावधान खाता बनाइए।

उत्तर –

मशीन खाता
(Machinery Account)

Date	Particulars	Amount ₹	Date	Particulars	Amount ₹
2015			2015		
1 Jan.	To Balance b/d	15,00,000	1 April	By Prov. for Dep.	1,30,000
31 Mar.	To P & L	5,000	"	By Bank	75,000
1 July	To Bank A/c	6,00,000	31 Dec.	By Balance c/d	19,00,000
		21,05,000			21,05,000
2016					
1 Jan.	To Balance b/d	19,00,000			

ह्रास आयोजन खाता
(Provision for Depreciation A/c)

Date	Particulars	Amount ₹	Date	Particulars	Amount ₹
2015			2015		
1 April	To Machinery A/c	1,30,000	1 Jan.	By Balance b/d	5,50,000
31 Dec.	To Balance b/d	7,50,000	1 April	By Depreciation (Machinery sold on 1st April)	10,000
			31 Dec.	By Depreciation (2,60,000 + 60,000)	3,20,000
		8,80,000			8,80,000
			2016		
			1 Jan.	By Balance b/d	7,50,000

कार्यशील टिप्पणी (Working Notes) :

बेची गई मशीन पर लाभ-हानि की गणना

		₹
	लागत 1 Jan., 2012 को	2,00,000
Less :	ह्रास 1 Jan. से 31 Dec. 2012 तक	40,000
	1 Jan. 2013 को शेष	1,60,000
Less :	ह्रास 1 Jan. 2013 से 31 Dec. 2013 तक	40,000

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

	1 Jan. 2014 को शेष	1,20,000
Less : ह्रास 1 Jan. 2014 से 31 Dec., 2014 तक		40,000
	1 Jan. 2015 को शेष	80,000
Less : ह्रास 1 Jan. 2015 से 31 March, 2015 तक		10,000
	मशीन का मूल्य	70,000
	मशीन बेची	75,000
	मशीन बेचने पर लाभ	5,000

प्रश्न 8 मै. एक्सैल कम्प्यूटर्स की लेखा पुस्तकों में कम्प्यूटर्स खाते का 01 अप्रैल, 2010 को 50,000 ₹ का (मूल लागत 1,20,000 ₹) नाम शेष है।01 जुलाई, 2010 को इसने 2,50,000 ₹ का एक और कम्प्यूटर खरीदा।01 जनवरी, 2011 को 30,000 ₹ में एक और कम्प्यूटर खरीदा।1 अप्रैल, 2014 को 01 जुलाई, 2010 को खरीदा कम्प्यूटर प्रचलन से बाहर होने के कारण 20,000 ₹ में बेच दिया गया।1 अगस्त, 2014 को 80,000 ₹ पर IBM कम्प्यूटर का एक नवीन संस्करण खरीदा।एक्सैल कम्प्यूटर्स की पुस्तकों में वर्ष समाप्ति 31 मार्च, 2011, 2012, 2013, 2014 और 2015 को कम्प्यूटर खाता बनाइए।कम्प्यूटर पर 10% वार्षिक से सीधी रेखा विधि से ह्रास लगाया जा रहा है।

उत्तर –

कम्प्यूटर खाता

(Computers A/c)

Date	Particulars	Amount ₹	Date	Particulars	Amount ₹
2010			2011		
1 April	To Balance b/d	50,000	31 Mar.	By Depreciation a/c	
1 July	To Bank A/c	2,50,000		(12000+18750+750)	31,500
2011			"	By Balance c/d	
1 Jan.	To Bank A/c	30,000		(38000+231250+29250)	2,98,500
		3,30,000			3,30,000
2011			2012		
1 April	To Balance b/d	2,98,500	31 Mar.	By Depreciation a/c	
	(38,000+231250+29250)			(12000+25000+3000)	40,000
			"	By Balance c/d	
				(26000+206250+26250)	2,58,500
		2,98,500			2,98,500

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

2012			2013		
1 April	To Balance b/d (26000+206250+ 26250)	2,58,500	31 Mar.	By Depreciation (12000+25000+3000)	40,000
			"	By Balance c/d (14000+181250+23250)	2,18,500
		2,58,500			2,58,500
2013			2014		
1 April	To Balance b/d (14,000+1,81,250+ 23,250)	2,18,500	31 Mar.	By Depreciation a/c (12000+25000+3000)	40,000
			"	By Balance c/d	1,78,500
		2,18,500			2,18,500
2014			2014		
1 April	To Balance b/d (2,000+1,56,250 +20,250)	1,78,500	1 April	By Bank a/c	20,000
			1 April	By P & L a/c (Loss)	1,36,250
1 Aug.	To Bank a/c	80,000	2015		
			31 Mar.	By Depreciation a/c (2,000+3,000+5,333)	10,333
			31 Mar.	By Balance c/d (17,250+74,667)	91,917
		2,58,500			2,58,500

प्रश्न 9 केरिज ट्रांसपोर्ट कम्पनी ने 1 अप्रैल, 2011 को 2,00,000 ₹ प्रति ट्रक से 5 ट्रक खरीदे।कम्पनी 20% वार्षिक से मूल लागत पर ह्रास लगाती है तथा लेखा पुस्तकों को प्रतिवर्ष 31 दिसम्बर को बन्द करती है।1 अक्टूबर, 2013 को एक ट्रक दुर्घटनाग्रस्त होकर पूरी तरह से नष्ट हो गया।बीमा कम्पनी दावे को पूरा चुकता करते हुए 70,000 ₹ देने को सहमत हुई।उसी तिथि को कम्पनी ने 1,00,000 ₹ में एक और पुराना टुक खरीदा तथा उसके कायाकल्प पर 20,000 ₹ व्यय किये।31 दिसम्बर, 2013 को समाप्त हो रहे तीन वर्षों के लिए ट्रक खाता एवं ट्रक पर ह्रास प्रावधान खाता बनाइए।यदि ट्रक निपटान खाता बनाया जा रहा हो तो ट्रक खाता भी बनाइए।

उत्तर –

ट्रक खाता (Trucks A/c)

Date	Particulars	Amount ₹	Date	Particulars	Amount ₹
2011			2011		
1 April	To Bank	10,00,000	31 Dec.	By Balance c/d	10,00,000
		10,00,000			10,00,000

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

2012			2012		
1 Jan.	To Balance b/d	10,00,000	31 Dec.	By Balance c/d	10,00,000
		10,00,000			10,00,000
2013			2013		
1 Jan.	To Balance b/d	10,00,000	1 Oct.	By Truck Disposal A/c	2,00,000
1 Oct.	To Bank (Cost)	1,00,000	31 Dec.	By Balance c/d	9,20,000
	To Bank (Repair)	20,000			
		11,20,000			11,20,000

ह्रास आयोजन खाता (Provision for Depreciation A/c)

Date	Particulars	Amount ₹	Date	Particulars	Amount ₹
2011			2011		
31 Dec.	To Balance c/d	1,50,000	31 Dec.	By Depreciation	1,50,000
		1,50,000			1,50,000
2012			2012		
31 Dec.	To Balance c/d	3,50,000	1 Jan.	By Balance b/d	1,50,000
			31 Dec.	By Depreciation A/c	2,00,000
		3,50,000			3,50,000
2013			2013		
1 Oct.	To Truck Disposal	1,00,000	1 Jan.	By Balance b/d	3,50,000
31 Dec.	To Balance c/d	4,46,000	1 Oct.	By Depreciation	30,000
			31 Dec.	By Depreciation (1,60,000+6,000)	1,66,000
		5,46,000			5,46,000

ट्रक निपटान खाता (Truck Disposal Account)

Date	Particulars	Amount ₹	Date	Particulars	Amount ₹
2013			2013		
1 Oct.	To Truck A/c	2,00,000	1 Oct.	By Provision for Depreciation	1,00,000
			"	By Bank A/c	70,000
			"	By Profit & Loss	30,000
		2,00,000			2,00,000

प्रश्न 10 सरस्वती लि. ने 1 जनवरी, 2011 को 10,00,000 ₹ की लागत की एक मशीन खरीदी। 1 मई, 2012 को 15,00,000 ₹ में तथा 1 जुलाई, 2014 को 12,00,000 ₹ में दूसरी नई मशीन खरीदी। मशीन के एक भाग, जिसकी मूल लागत, वर्ष 2011 में 2,00,000 ₹ थी, को 30 अप्रैल,

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

2014 को 75,000 ₹ में बेच दिया। 2011 से 2015 तक के मशीन खाता, मशीन पर ह्रास प्रावधान खाता एवं मशीन निपटान खाता बनाइए। यदि.ह्रास 10% वार्षिक दर से सीधी रेखा पर लगाया गया हो तथा खाते प्रतिवर्ष 31 दिसम्बर को बन्द होते हों।

उत्तर –

मशीन खाता
(Machinery A/c)

Date	Particulars	Amount ₹	Date	Particulars	Amount ₹
2011			2011		
1 Jan.	To Bank	10,00,000	31 Dec.	By Balance c/d	10,00,000
		10,00,000			10,00,000
2012			2012		
1 Jan.	To Balance b/d	10,00,000	31 Dec.	By Balance c/d	25,00,000
1 May	To Bank	15,00,000			
		25,00,000			25,00,000
2013			2013		
1 Jan.	To Balance b/d	25,00,000	31 Dec.	By Balance c/d	25,00,000
		25,00,000			25,00,000
2014			2014		
1 Jan.	To Balance b/d	25,00,000	30 April	By Machinery Disposal A/c	2,00,000
1 July	To Bank	12,00,000	31 Dec.	By Balance c/d	35,00,000
		37,00,000			37,00,000
2015			2015		
1 Jan.	To Balance b/d	35,00,000	31 Dec.	By Balance c/d	35,00,000
		35,00,000			35,00,000

मशीन निपटान खाता
(Machine Disposal Account)

तिथि (Date)	विवरण (Particulars)	राशि (Amount)	तिथि (Date)	विवरण (Particulars)	राशि (Amount)
2014			2014		
30 April	To Machinery A/c	2,00,000	30 April	By Bank (Sale)	75,000
			"	By Provision for Dep.	66,667
			"	By Profit & Loss A/c (Loss)	58,333
		2,00,000			2,00,000

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

प्रश्न 11 1 जुलाई, 2011 को अश्विनी ने 2,00,000 ₹ में एक उधार मशीन खरीदी जिस पर 25,000 ₹ का व्यय चैक से भुगतान किये। मशीन का सम्भावित जीवन 5 वर्ष तथा पाँच वर्ष पश्चात् अवशिष्ट मूल्य 20,000 ₹ आँका गया। ह्रास सीधी रेखा पद्धति से लगाना है। वर्ष 2011 में रोजनामचा प्रविष्टि करें एवं प्रथम तीन वर्ष के आवश्यक खाते बनाएँ।

उत्तर –

$$\text{मूल्य ह्रास} = \frac{\text{कुल लागत} - \text{अवशिष्ट मूल्य}}{\text{सम्पत्ति का जीवन काल}}$$

$$= \frac{2,00,000+25,000-20,000}{5} = \frac{2,05,000}{5} = 41,000$$

Journal Entries

Date	Particulars		L. F.	Amount Debit (₹)	Amount Credit (₹)
2011					
1 July	Machinery A/c	Dr.		2,00,000	
	To Supplier's A/c				2,00,000
	(Machinery purchased on credit)				
1 July	Machinery A/c	Dr.		25,000	
	To Bank				25,000
	(Installation exp. paid)				
31 Dec.	Depreciation A/c	Dr.		20,500	
	To Machinery A/c				20,500
	(Depreciation charged for 6 months)				
31 Dec.	Profit & Loss A/c	Dr.		20,500	
	To Depreciation A/c				20,500
	(Dep. transferred to P & L a/c)				

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

LEDGER

मशीन खाता (Machinery A/c)

Date	Particulars	Amount ₹	Date	Particulars	Amount ₹
2011			2011		
1 July	To Supplier	2,00,000	31 Dec.	By Depreciation	20,500
"	To Bank	25,000	"	By Balance c/d	2,04,500
		2,25,000			2,25,000
2012			2012		
1 Jan.	To Balance b/d	2,04,500	31 Dec.	By Depreciation	41,000
			"	By Balance c/d	1,63,500
		2,04,500			2,04,500
2013			2013		
1 Jan.	To Balance b/d	1,63,500	31 Dec.	By Depreciation	41,000
			"	By Balance c/d	1,22,500
		1,63,500			1,63,500

ह्रास खाता (Depreciation A/c)

Date	Particulars	Amount ₹	Date	Particulars	Amount ₹
2011			2011		
31 Dec.	To Machinery A/c	20,500	31 Dec.	By Profit & Loss A/c	20,500
		20,500			20,500
2012			2012		
31 Dec.	To Machinery A/c	41,000	31 Dec.	By Profit & Loss A/c	41,000
		41,000			41,000
2013			2013		
31 Dec.	To Machinery A/c	41,000	31 Dec.	By Profit & Loss A/c	41,000
		41,000			41,000

ट्रक खाता (Truck A/c)

Date	Particulars	Amount ₹	Date	Particulars	Amount ₹
2010			2011		
1 Oct.	To Bank	8,00,000	31 Mar.	By Depreciation	60,000
			"	By Balance c/d	7,40,000
		8,00,000			8,00,000
2011			2012		
1 April	To Balance b/d	7,40,000	31 Mar.	By Depreciation	1,11,000
			"	By Balance c/d	6,29,000
		7,40,000			7,40,000

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

2012			2013		
1 April	To Balance b/d	6,29,000	31 Mar.	By Depreciation	94,350
			"	By Balance c/d	5,34,650
		6,29,000			6,29,000
2013			2013		
1 April	To Balance b/d	5,34,650	31 Dec.	By Depreciation	60,148
31 Dec.	To P & L A/c (Profit)	25,498	"	By Bank A/c	5,00,000
		5,60,148			5,60,148

प्रश्न 13 कपिल लि. ने 01 जुलाई, 2011 को 3,50,000 ₹ की एक मशीन खरीदी।01 अप्रैल, 2012 एवं 01 अक्टूबर, 2012 को इसने क्रमशः 1,50,000 ₹ तथा 1,00,000 ₹ की दो और मशीनें खरीदी।ह्रास 10% वार्षिक.से सीधी रेखा विधि से लगाना है।01 जनवरी, 2013 को तकनीक में परिवर्तन के कारण पहली मशीन अनुपयोगी हो गई।इस मशीन को 1,00,000 ₹ में बेच दिया गया।कलेंडर वर्ष के आधार पर प्रथम चार वर्ष के लिए मशीन खाता बनाइए।

उत्तर –

मशीन खाता
(Machinery A/c)

Date	Particulars	Amount ₹	Date	Particulars	Amount ₹
2011			2011		
1 July	To Bank (i)	3,50,000	31 Dec.	By Depreciation	17,500
			"	By Balance c/d	3,32,500
		3,50,000			3,50,000
2012			2012		
1 Jan.	To Balance b/d	3,32,500	31 Dec.	By Depreciation	
1 April	To Bank (ii)	1,50,000		(35000+11250+2500)	48,750
1 Oct.	To Bank (iii)	1,00,000	"	By Balance c/d	
				(297500+138750+97500)	5,33,750
		5,82,500			5,82,500
2013			2013		
1 Jan.	To Balance b/d		1 Jan.	By Bank	1,00,000
	(297500+138750+		"	By Profit & Loss	1,97,500
	97500)	5,33,750	31 Dec.	By Depreciation	
				(15000 + 10000)	25,000
			"	By Balance c/d	
				(123750+87500)	2,11,250

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

		5,33,750			5,33,750
2014 1 Jan.	To Balance b/d (123750+87500)	2,11,250	2014 31 Dec. "	By Depreciation (15000+10000) By Balance c/d (108750+77500)	25,000 1,86,250
		2,11,250			2,11,250

प्रश्न 14 सतकार ट्रांसपोर्ट लि. ने 10,00,000 ₹ प्रति बस के हिसाब से 01 जनवरी, 2011 को तीन बसें खरीदीं।01 जुलाई, 2013 को एक बस दुर्घटनाग्रस्त हो गई तथा पूरी तरह से नष्ट हो गई।बीमा कम्पनी से हिसाब चुकता के एवज में 7,00,000 ₹ प्राप्त हुए।ह्रास 15% वार्षिक से क्रमागत पद्धति से लगाया जाना है।2011 से 2014 तक का बस खाता बनाइए।लेखा पुस्तकें प्रतिवर्ष 31 दिसम्बर को बन्द की जाती हैं।

उत्तर –

बस खाता
(Buses A/c)

Date	Particulars	Amount ₹	Date	Particulars	Amount ₹
2011			2011		
1 Jan.	To Bank	30,00,000	31 Dec.	By Depreciation	4,50,000
			"	By Balance c/d	25,50,000
		30,00,000			30,00,000
2012			2012		
1 Jan.	To Balance b/d	25,50,000	31 Dec.	By Depreciation	3,82,500
			"	By Balance c/d	21,67,500
		25,50,000			25,50,000
2013			2013		
1 Jan.	To Balance b/d	21,67,500	1 July	By Depreciation (i)	54,188
1 July	To P & L A/c	31,688	"	By Bank (Insurance)	7,00,000
			31 Dec.	By Depreciation (2 Bus)	2,16,750
			"	By Balance c/d	12,28,250
		21,99,188			21,99,188
2014			2014		
1 Jan.	To Balance b/d	12,28,250	31 Dec.	By Depreciation	1,84,238
			"	By Balance c/d	10,44,012
		12,28,250			12,28,250
2015					
1 Jan.	To Balance b/d	10,44,012			

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

कार्यशील टिप्पणी (Working Notes) :

लाभ-हानि की गणना

		₹
1 Bus का मूल्य		10,00,000
Less : Depreciation		1,50,000
	Balance	8,50,000
Less : Depreciation		1,27,500
	Balance	7,22,500
Less : Depreciation (6 Months)		54,188
		6,68,312
	Sales Value	7,00,000
	Profit	31,688

प्रश्न 15 जुनेजा ट्रांसपोर्ट ने 1 अक्टूबर, 2011 को 2 ट्रक 10,00,000 ₹ प्रति ट्रक से खरीदे।01 जुलाई, 2013 को एक ट्रक दुर्घटनाग्रस्त हो गया तथा पूरी तरह नष्ट हो गया।हिसाब चुकता करते हुए बीमा कम्पनी से 6,00,000 ₹ प्राप्त हुए।31 दिसम्बर, 2013 को एक और ट्रक दुर्घटनाग्रस्त हो गया जो आंशिक रूप से क्षतिग्रस्त हुआ।इस ट्रक का बीमा नहीं कराया गया था।इसे 1,50,000 ₹ में बेच दिया गया।31 जनवरी, 2014 को 5,000 ₹ में एक और ट्रक खरीदा।ह्रास 10% वार्षिक दर से क्रमागत पद्धति से लगाना है।लेखा पुस्तकें प्रतिवर्ष 31 मार्च को बन्द की जाती हैं।2011 से 2014 तक का ट्रक खाता बनाइए।

उत्तर –

ट्रक खाता
(Trucks A/c)

Date	Particulars	Amount ₹	Date	Particulars	Amount ₹
2011			2012		
1 Oct.	To Bank		31 Mar.	By Depr. (6 Months)	
	(10,00,000 + 10,00,000)	20,00,000		(50,000+50,000)	1,00,000
			"	By Balance c/d	
				(9,50,000+9,50,000)	19,00,000
		20,00,000			20,00,000
2012			2013		
1 April	To Balance b/d		31 Mar.	By Depreciation	
	(9,50,000+9,50,000)	19,00,000		(95,000+95,000)	1,90,000
			"	By Balance c/d	
				(8,55,000+8,55,000)	17,10,000
		19,00,000			19,00,000

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

2013			2013		
1 April	To Balance b/d		1 July	By Depreciation	
2014	(8,55,000+8,55,000)	17,10,000		(3 Months)	21,375
31 Jan.	To Bank	12,00,000	"	By Bank	6,00,000
			"	By Profit & Loss A/c	2,33,625
			31 Dec.	By Depreciation	64,125
			"	By Bank	1,50,000
			"	By Profit & Loss A/c	6,40,875
			2014		
			31 Mar.	By Depreciation	20,000
			"	By Balance c/d	11,80,000
		29,10,000			29,10,000
2014					
1 April	To Balance b/d	11,80,000			

Working Note :

Loss on 1st Truck = 8,55,000 - 21,375 - 6,00,000 = ₹ 2,33,625

Loss on 2nd Truck = 8,55,000 - 64,125 - 1,50,000 = ₹ 6,40,875

प्रश्न 16 नोयडा की एक भवन निर्माण कम्पनी के पास 5 क्रेनें हैं।01 अप्रैल, 2017 को इनकी कीमत लेखा पुस्तकों के अनुसार 40,00,000 ₹ है।1 अक्टूबर, 2017 को इसने एक क्रेन जिसकी 1 अप्रैल, 2017 को कीमत 5,00,000 ₹ थी 10% लाभ पर बेच दी।उसी दिन उसने दो और क्रेन 4,50,000 ₹ प्रति क्रेन खरीद लीं।क्रेन खाता खोलिए।यह अपने खाते 31 मार्च को बन्द करते हैं एवं ह्रास क्रमागत पद्धति पर 10% निकालते हैं।

उत्तर –

क्रेन खाता (Cranes A/c)

Date	Particulars	Amount ₹	Date	Particulars	Amount ₹
2017			2017		
1 April	To Balance b/d	40,00,000	1 Oct.	By Depr. (6 Months)	25,000
1 Oct.	To P & L (Profit)	47,500	"	By Bank	5,22,500
1 Oct.	To Bank (450000+450000)	9,00,000	2018		
			31 Mar.	By Depreciation (3,50,000+ 45,000)	3,95,000
			"	By Balance c/d (31,50,000+8,55,000)	40,05,000
		49,47,500			49,47,500
2018					
1 April	To Balance b/d	40,05,000			

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

कार्यशील टिप्पणी (Working Notes) :

मशीन का बिक्री मूल्य

		₹
	मशीन की राशि (1 Jan., 2017)	5,00,000
Less :	मूल्य-ह्रास (6 महीने का)	25,000
	Balance	4,75,000
Add :	10% Profit	47,500
	बेची गई मशीन का मूल्य	5,22,500

प्रश्न 17 श्री कृष्णा मैन्यूफैक्चरिंग कम्पनी ने 01 जुलाई, 2014 को 75,000₹ प्रति मशीन से 10 मशीनें खरीदी।01 अक्टूबर, 2016 को एक मशीन आग से नष्ट हो गई तथा बीमा कम्पनी ने 45,000 ₹ दावे के स्वीकार किए।इसी तिथि को कम्पनी ने 1,25,000 ₹ में एक दूसरी मशीन खरीद ली।कम्पनी 15% वार्षिक से क्रमागत पद्धति से ह्रास लगा रही है।कम्पनी का वित्तीय वर्ष कैलेन्डर वर्ष है।2014 से 2017 के लिए मशीनरी खाता बनाइए।

उत्तर –

मशीन खाता
(Machinery A/c)

Date	Particulars	Amount ₹	Date	Particulars	Amount ₹
2014			2014		
1 July	To Bank (75000×10)	7,50,000	31 Dec.	By Depreciation (for 6 months)	56,250
			"	By Balance c/d	6,93,750
		7,50,000			7,50,000
2015			2015		
1 Jan.	To Balance b/d	6,93,750	31 Dec.	By Depreciation	1,04,062
			"	By Balance c/d	5,89,688
		6,93,750			6,93,750
2016			2016		
1 Jan.	To Balance b/d	5,89,688	1 Oct.	By Depreciation	6,634
1 Oct.	To Bank	1,25,000	"	By Bank (Insurance)	45,000
			"	By P & L (Loss) (58,969 – 6,634 – 45,000)	7,335
			31 Dec.	By Depreciation (79608 + 4687)	84,295
			"	By Balance c/d	5,71,424
		7,14,688			7,14,688
2017			2017		
1 Jan.	To Balance b/d	5,71,424	31 Dec.	By Depreciation	85,714
				By Balance c/d	4,85,710
		5,71,424			5,71,424

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

प्रश्न 18 1 जनवरी, 2014 को एक लिमिटेड कम्पनी ने 20,00,000 ₹ में मशीन खरीदी।ह्रास 15% वार्षिक से क्रमागत पद्धति से लगाया जा रहा है।01 मार्च, 2016 को मशीन का 1/4 भाग आग से नष्ट हो गया।बीमा कम्पनी से 40,000 ₹ पूरा हिसाब चुकता कर प्राप्त हुए।01 सितम्बर, 2016 को 15,00,000 ₹ में एक और मशीन खरीदी।2014 से 2017 तक का मशीन खाता बनाइए।खाते 31 दिसम्बर को बन्द किये जाते हैं।

उत्तर –

मशीन खाता

(Machinery A/c)

Date	Particulars	Amount ₹	Date	Particulars	Amount ₹
2014			2014		
1 Jan.	To Bank	20,00,000	31 Dec.	By Depreciation	3,00,000
			"	By Balance c/d	17,00,000
		20,00,000			20,00,000
2015			2015		
1 Jan.	To Balance b/d	17,00,000	31 Dec.	By Depreciation	2,55,000
			"	By Balance c/d	14,45,000
		17,00,000			17,00,000
2016			2016		
1 Jan.	To Balance b/d	14,45,000	1 March	By Depreciation	9,031
1 Sept.	To Bank	15,00,000		(¼ Machinery for 2 months)	
			"	By Bank (Insurance)	40,000
			"	By Profit & Loss	3,12,219
			31 Dec.	By Depreciation (1,62,563+75,000)	2,37,563
			"	By Balance c/d (9,21,187+14,25,000)	23,46,187
		29,45,000			29,45,000
2017			2017		
1 Jan.	To Balance b/d	23,46,187	31 Dec.	By Depreciation	3,51,928
			"	By Balance c/d	19,94,259
		23,46,187			23,46,187

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

कार्यशील टिप्पणी (Working Note) :		₹
	¼ मशीन का मूल्य 1 जनवरी, 2014 को	5,00,000
Less :	15% मूल्य-ह्रास (5,00,000×15%)	75,000
	¼ मशीन का मूल्य 1 जनवरी, 2015 को	4,25,000
Less :	15% मूल्य-ह्रास (4,25,000×15%)	63,750
	¼ मशीन का मूल्य 1 जनवरी, 2016 को	3,61,250
Less :	15% मूल्य-ह्रास 2 महीने के लिए $\left(3{,}61{,}250 \times 15\% \times \frac{2}{12}\right)$	9,031
	¼ मशीन का मूल्य 1 मार्च, 2016 को	3,52,219
	बिक्री मूल्य	40,000
	बेचने से हानि	3,12,219

प्रश्न 19 1 जुलाई, 2015 को 3,00,000 ₹ की लागत का एक संयन्त्र तथा इसकी स्थापना पर 50,000 ₹ व्यय किये। 15% वार्षिक से सीधी रेखा पद्धति से ह्रास लगाया गया। 01 अक्टूबर, 2017 को संयन्त्र को 1,50,000 ₹ में बेच दिया एवं उसी तिथि को 4,00,000 ₹ की लागत का एक और संयन्त्र लगा दिया जिसमें उसका क्रय मूल्य सम्मिलित है। खाते प्रतिवर्ष 31 दिसम्बर को बन्द किये जाते हैं। तीन वर्ष के लिए मशीनरी खाता एवं ह्रास पर प्रावधान खाता बनाइए।

उत्तर –

मशीन खाता
(Machinery A/c)

Date	Particulars	Amount ₹	Date	Particulars	Amount ₹
2015			2015		
1 July	To Bank (Cost)	3,00,000	31 Dec.	By Balance c/d	3,50,000
"	To Bank (Installation Exp.)	50,000			
		3,50,000			3,50,000
2016			2016		
1 Jan.	To Balance b/d	3,50,000	31 Dec.	By Balance c/d	3,50,000
		3,50,000			3,50,000
2017			2017		
1 Jan.	To Balance b/d	3,50,000	1 Oct.	By Provision for Depreciation	1,18,125
1 Oct.	To Bank	4,00,000	"	By Bank A/c	1,50,000
			"	By Proft & Loss (Loss)	81,875
			31 Dec.	By Balance c/d	4,00,000
		7,50,000			7,50,000
2018					
1 Jan.	To Balance b/d	4,00,000			

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

ह्रास आयोजन खाता

(Provision for Depreciation A/c)

Date	Particulars	Amount ₹	Date	Particulars	Amount ₹
2015			2015		
31 Dec.	To Balance c/d	26,250	31 Dec.	By Depreciation	26,250
		26,250			26,250
2016			2016		
31 Dec.	To Balance c/d	78,750	1 Jan.	By Balance b/d	26,250
			31 Dec.	By Depreciation	52,500
		78,750			78,750
2017			2017		
1 Oct.	To Machinery A/c	1,18,125	1 Jan.	By Balance b/d	78,750
31 Dec.	To Balance c/d	15,000	1 Oct.	By Depreciation	39,375
			31 Dec.	By Depreciation	15,000
		1,33,125			1,33,125

प्रश्न 20 ताहिलियानी एण्ड संस एन्टरप्राइजेज की लेखा पुस्तकों में 31 दिसम्बर, 2017 को लिये गये तलपट के कुछ अंश इस प्रकार हैं:

खाते का नाम	नाम राशि रुपये	जमा राशि रुपये
विभिन्न देनदार	50,000	
डूबत ऋण	6,000	
संदिग्ध ऋणों के लिए प्रावधान		4,000

अतिरिक्त सूचना

डूबत ऋण जिनका लेखांकन नहीं किया गया 2,000₹ देनदारों पर 8% से प्रावधान की व्यवस्था करनी है।

डूबत ऋणों को पुस्तकों में से समाप्त करने एवं संदिग्ध ऋण खाते के लिए प्रावधान की व्यवस्था करने के लिए आवश्यक लेखांकन प्रविष्टि कीजिए। आवश्यक खाते भी बनाइए।

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

उत्तर –

Journal of Tahiliyani & Sons Enterprises

Date	Particulars	L. F.	Amount Debit (₹)	Amount Credit (₹)
2017 Dec. 31	Bad Debts a/c Dr.		2,000	
	To Sundry Debtors a/c			2,000
	(Being bad debts written off)			
Dec. 31	Provision for Bad Debts a/c Dr.		8,000	
	To Bad Debts a/c			8,000
	(being total bad debts transferred to Provision for Bad Debts a/c)			
Dec. 31	Profit & Loss a/c Dr.		7,840	
	To Provision for Bad Debts a/c			7,840
	(Being amount charged from P&L a/c)			

Bad Debts A/c

Date	Particulars	Amount ₹	Date	Particulars	Amount ₹
2017			2017		
31 Dec.	To Balance b/d	6,000	31 Dec.	By Prov. for Bad Debts	8,000
31 Dec.	To Sundry Debtors a/c	2,000			
		8,000			8,000

Sundry Debtors A/c

Date	Particulars	Amount ₹	Date	Particulars	Amount ₹
2017			2017		
31 Dec.	To Balance b/d	50,000	31 Dec.	By Bad debts a/c	2,000
			"	By Balance c/d	48,000
		50,000			50,000

Provision for Bad Debts A/c

Date	Particulars	Amount ₹	Date	Particulars	Amount ₹
2017			2017		
31 Dec.	To Bad debts a/c	8,000	31 Dec.	By Balance b/d	4,000
31 Dec.	To Balance c/d (New Prov.)	3,840	31 Dec.	By P & L *(Bal. Figure)*	7,840
		11,840			11,840

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

प्रश्न 21 31 दिसम्बर, 2015 को मै. निशा ट्रेड्ज की पपस्तकों के विभिन्न खातों के शेष इस प्रकार थे:

विविधं देनदार	80,500
डूबत ऋण	1,000
संदिग्ध ऋणों पर प्रावधान	5,000

अतिरिक्त सूचनाएँ :

डूबत ऋण 500 रुपये देनदारों पर 2% पर प्रावधान बनाएँ

डूबत ऋण खाता, संदिग्ध ऋणों पर प्रावधान और लाभ व हानि खाता तैयार करे

उत्तर –

Bad Debts A/c

Date	Particulars	Amount ₹	Date	Particulars	Amount ₹
2015			2015		
31 Dec.	To Balance b/d	1,000	31 Dec.	By Prov. for Bad	
31 Dec.	To Sundry Debtors a/c	500		Debts a/c	1,500
		1,500			1,500

Provision for Bad Debts A/c

Date	Particulars	Amount ₹	Date	Particulars	Amount ₹
2015			2015		
31 Dec.	To Bad Debts a/c	1,500	31 Dec.	By Balance b/d	5,000
31 Dec.	To P & L a/c	1,900			
31 Dec.	To Balance c/d (2% on Debtors *i.e.* on ₹ 80,000)	1,600			
		5,000			5,000

Profit & Loss A/c

Date	Particulars	Amount ₹	Date	Particulars		Amount ₹
				By Old Provision	5,000	
				Less : Bad Debts	1,500	
					3,500	
				Less : Prov. for Bad Debts.	1,600	1,900
						1,900

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)